www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, शुक्रवार
31 जुलाई 2026
वर्ष: 49
अंक: 91 पृष्ठ: 6
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

सावन माह की शुरुआत

- सावन-भादौ में बाबा महाकाल की 6 सवारी निकलेंगी
- उज्जैन में हर दिन पहुंचेंगे 4 लाख श्रद्धालु; मंगलवार से शुक्रवार जल अर्पित कर सकेंगे कांवड़िए

उज्जैन (एजेंसी)। भगवान शिव के प्रिय सावन माह की शुरुआत इस साल गुरुवार 30 जुलाई से हो गई है जबकि समापन पूर्णिमा तिथि के साथ 28 अगस्त को होगा। इस पवित्र महीने में आराधना के लिए प्रदेशभर के सभी मंदिरों में तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। उज्जैन स्थित विश्व प्रसिद्ध महाकालेश्वर मंदिर में प्रतिदिन करीब 4 लाख श्रद्धालुओं के पहुंचने का अनुमान है। सावन के चार और भादौ महीने के दो सोमवार को भगवान महाकाल अपनी प्रजा का हाल जानने के लिए नगर भ्रमण पर निकलेंगे। इस बार श्रावण पूर्णिमा 27 अगस्त को सुबह 9.08 बजे से 28 अगस्त की सुबह 9.48 बजे तक रहेगी।

महाकाल की पहली सवारी 3 अगस्त को

भगवान महाकालेश्वर की पहली सवारी 3 अगस्त जबकि अंतिम राजसी सवारी 7 सितंबर को निकाली जाएगी। सवारी शाम 4 बजे मंदिर प्रांगण से निकलेगी और करीब डेढ़ किलोमीटर लंबी दूरी तय कर शाम 5 बजे रामघाट पहुंचेगी।

पट खुलने के समय में बदलाव- सावन-भादौ मास में 30 जुलाई से 7 सितंबर तक भगवान श्री महाकालेश्वर मंदिर के पट प्रतिदिन सुबह 3:00 बजे जबकि हर सोमवार को सुबह 2.30 बजे खुलेंगे। भस्म आरती प्रतिदिन सुबह 3.00 बजे से 5.00 बजे जबकि सोमवार को सुबह 2.30 बजे से 4.30 बजे तक होगी। 8 सितंबर से मंदिर के पट पूर्व निर्धारित समय पर खुलने लगेंगे।

भक्तों के लिए चलित आरती दर्शन

महाकाल मंदिर प्रशासक प्रथम कौशिक के अनुसार, इस साल भी सभी आरतियों में कार्तिक मंडप की पहली तीन पंक्तियों से श्रद्धालुओं को चलित आरती दर्शन कराए जाएंगे। सभी सवारियों में जनजातीय सांस्कृतिक दल प्रस्तुति देंगे।

देहरादून में दर्दनाक हादसा:

बरसाती नाले में डूबने से दो मासूम बहनों की मौत

देहरादून।क्लेमेंटटाउन क्षेत्र की नई बस्ती में गुरुवार शाम दर्दनाक हादसा हो गया। बरसाती नाले के तेज बहाव में बहने से दो सगी मासूम बहनों की मौत हो गई। दोनों बच्चियां नाले के ऊपर बने रैंप के नीचे फंस गई थीं। स्थानीय लोगों ने उन्हें बाहर तो निकाल लिया, लेकिन तब तक उनकी जान जा चुकी थी।

पुलिस के अनुसार, गुरुवार शाम करीब चार बजे राजेश मित्तल ने क्लेमेंटटाउन थाने को सूचना दी कि दुर्गा मंदिर, नई बस्ती के पास दो बच्चियां बरसाती नाले में बहकर रैंप के नीचे फंस गई हैं। सूचना मिलते ही थाना पुलिस मौके पर पहुंची। तब तक स्थानीय लोगों ने दोनों बच्चियों को बाहर निकाल लिया था, लेकिन डूबने से उनकी मौके पर ही मृत्यु हो चुकी थी।

मृतक बच्चियों की पहचान लक्ष्मी कुमारी (7 वर्ष) और सोनाक्षी कुमारी (3 वर्ष) के रूप में हुई है। उनकी मां रीना कुमारी ने पुलिस को बताया कि दोनों बेटियां दोपहर में घर के बाहर बरसाती नाले में नहाने गई थीं। इसी दौरान अचानक पानी का बहाव तेज हो गया और दोनों बहकर रैंप के नीचे फंस गईं। कुछ देर बाद तलाश करने पर बड़ी बेटी के पैर दिखाई दिए, जिसके बाद आसपास के लोगों की मदद से दोनों को बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी।

संक्षिप्त समाचार

संसद भवन में पीएम मोदी ने की बड़ी बैठक

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में संसद में एक उच्चस्तरीय बैठक की। प्रदर्शनकारी छात्रों के खिलाफ कथित पुलिस एक्शन को लेकर सरकार और विपक्ष के बीच राजनीतिक टकराव चल रहा है। बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, राज्यसभा में सदन के नेता जेपी नड्डा, वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल, विदेश मंत्री एस जयशंकर, पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी, बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल और नेशनल सिक्योरिटी एडवाइजर अजीत डोभाल मौजूद थे।

राजा मर्डर केस- सोनम रघुवंशी फिर जेल गई

शिलॉन्ग कोर्ट में सरेंडर; सुप्रीम कोर्ट बोला था- तकनीकी खामी के आधार पर जमानत देना सही नहीं

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी हत्याकांड में मुख्य आरोपी सोनम रघुवंशी ने बुधवार को मेघालय के शिलॉन्ग कोर्ट में सरेंडर कर दिया। उसे जेल भेज दिया गया।

सुप्रीम कोर्ट ने 23 जुलाई को सोनम की जमानत रद्द करते हुए उसे तीन हफ्ते के भीतर संबंधित अदालत में सरेंडर करने का निर्देश दिया था। ये अवधि पूरी होने से पहले ही सोनम सरेंडर करने कोर्ट पहुंच गई। सोनम के सरेंडर पर राजा के भाई विपिन रघुवंशी ने कहा- मैं मेघालय सरकार को धन्यवाद देता हूं। उनकी वजह से आज हमें न्याय मिलने की उम्मीद जगी है। इससे पहले 23 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट ने सोनम को तीन हफ्ते में सरेंडर करने का आदेश दिया था। कोर्ट ने कहा था- हाईकोर्ट और ट्रायल कोर्ट ने गिरफ्तारी के आधारों की जानकारी दिए जाने में कथित खामियों के आधार पर जमानत देकर गलती की थी।

ईरान-अमेरिका जंग में पहली बार मिस्र पर हमला

दमियाता पोर्ट पर ड्रोन अटैक, गैस से लदे दो जहाजों में आग लगी; ईरान पर आरोप

वॉशिंगटन डीसी/ तेहरान/ तेल अवीव (एजेंसी)। ईरान-अमेरिका के बीच जारी जंग अब मिस्र तक पहुंच गई है। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक मिस्र सरकार ने गुरुवार को बताया कि दमियाता पोर्ट पर दो गैस टैंकरों में लगी आग हादसा नहीं, बल्कि ड्रोन हमले का नतीजा थी।रिपोर्ट्स के मुताबिक ड्रोन ने अमेरिकी कंपनी के नैचुरल गैस स्टोरेज टैंकर एनरगोस विंटर को निशाना बनाया, जिसके बाद आग पास में खड़े दूसरे टैंकर गैसलॉग सलेम तक फैल गई।

सुप्रीम कोर्ट बोला

पैलेट गन से घायल प्रदर्शनकारियों का इलाज कराएं

- दिल्ली सरकार को आदेश, केंद्र जंतर-मंतर प्रोटेस्ट में इस्तेमाल हथियारों का रिकॉर्ड रखे
- राहुल गांधी का आरोप- पैलेट गन से छात्र की आंख की रोशनी गई- राहुल गांधी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा था कि अमित शाह ने छात्रों पर फायरिंग और पैलेट गन चलाने का आदेश दिया। एक छात्र की आंख की रोशनी चली गई। राहुल गांधी ने 24 जुलाई को अपने आवास 10 जनपथ पर संसद मार्च में घायल स्टूडेंट के हाथ, पीठ और छाती में लगे घाव दिखाए।

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को दिल्ली सरकार को आदेश दिया कि 20 जुलाई को कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संसद मार्च में बैलेट गन से घायल प्रदर्शनकारियों का इलाज कराया जाए। वहीं कोर्ट ने केंद्र से कहा कि जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान तैनात आरएएफ के हथियारों और गोला-बारूद के इस्तेमाल का पूरा रिकॉर्ड सुरक्षित रखा जाए।

सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहन की बेंच ने पैलेट गन के इस्तेमाल पर फिलहाल रोक लगाने से इनकार कर दिया है।

मप्र धार-भोजशाला से सटी जमीन पर नमाज की अनुमति

सुप्रीम कोर्ट बोला- हर शुक्रवार दोपहर 1 से 3 बजे तक अदा की जा सकेगी नमाज

सुप्रीम कोर्ट ने भोजशाला-कमाल मौला विवाद में अपने अंतरिम आदेश को स्पष्ट करते हुए मुस्लिम समुदाय को शुक्रवार की नमाज के लिए भोजशाला परिसर से सटे एक प्लाट पर अनुमति दी है। कोर्ट ने कहा कि दर्गाह की जमीन पर स्थित प्लाट खसरा नंबर 596 पर प्रत्येक शुक्रवार दोपहर 1 बजे से 3 बजे तक नमाज अदा की जा सकेगी। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि चयनित प्लाट तक अलग रास्ता है। वह विवादित परिसर के बिल्कुल पास है, इसलिए यह उपयुक्त स्थान है। कोर्ट ने मध्य प्रदेश सरकार को आवश्यक व्यवस्थाएं करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने कहा- अगर दोनों पक्ष आपसी सहमति से कोई अन्य उपयुक्त स्थान तय करते हैं, तो उस पर भी रोक नहीं होगी। यह आदेश उस याचिका पर आया, जिसमें मुस्लिम पक्ष ने हाईकोर्ट के फैसले के बाद शुक्रवार की नमाज के लिए भोजशाला के निकट वैकल्पिक स्थान उपलब्ध कराने की मांग की थी।

जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड में लैंडस्लाइड, केदारनाथ यात्रा रोकी गई

- हरिद्वार में कांवड़िया बहा, राजस्थान, मप्र समेत 16 राज्यों में बारिश का ऑरेंज अलर्ट

नईदिल्ली/भोपाल/जयपुर/लखनऊ/पटना (एजेंसी)। देशभर में तेज बारिश का दौर जारी है। मौसम विभाग ने आज राजस्थान समेत 16 राज्यों में बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा, विदर्भ और तेलंगाना में रेड अलर्ट है। मप्र में भारी संभावना जताई है। रेड अलर्ट का मतलब है 24 घंटे में 204 किमी से ज्यादा बारिश। उत्तराखंड में रुद्रप्रयाग के गौरीकुंड के पास लैंडस्लाइड होने से केदारनाथ यात्रा लगातार तीसरे दिन बंद है।

पहाड़ी-मैदानी इलाकों में लगातार हो रही बारिश से हरिद्वार में गंगा खतरे के निशान के करीब पहुंच गई है। गंगाजल भरने गए कांवड़िए को एसटीआरएफ टीम ने बहने से बचा लिया।

सरयू नदी का कटाव तेज हो गया है। पानी गांवों में घुसा -उत्तर प्रदेश के बलिया में सरयू नदी का कटाव तेज हो गया है। पानी गांवों में घुस गया है। गोंडा में घाघरा नदी का जलस्तर घटने से कटान और तेज हो गया है।

असम में बाढ़ प्रभावित 13000 परिवार 11 दिन बाद भी अंधेरे में

असम के बाढ़ प्रभावित इलाकों में करीब 13 हजार परिवारों के घरों में अभी भी बिजली नहीं है। राज्य में आई भीषण बाढ़ के 11 दिन बाद भी ये परिवार अंधेरे में रहने को मजबूर हैं। बाढ़ के कारण कई जिलों में भारी तबाही हुई थी और घरों में कीचड़ भर गया था। प्रभावित इलाकों में गौरीसागर, शिवसागर, नजीरा, अमगुरी और डेमों शामिल हैं।

उत्तर प्रदेश : गोंडा में पेड़ नदी में समाए, बलिया में 100 परिवारों ने घर छोड़ा- यूपी के बलिया में सरयू नदी का पानी गांवों में घुस गया है। करीब 100 परिवार घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर चले गए हैं। वाराणसी में गंगा का जलस्तर बढ़ने से 50 से ज्यादा छोटे-बड़े मंदिरों में पानी भर गया है।

राजस्थान : जयपुर, प्रतापगढ़ और दौसा में एक इंच तक बारिश- बंगाल की खाड़ी में बने डीप डिप्रेशन सिस्टम के असर से राजस्थान में लगातार बरसात हो रही है। इस सिस्टम का सर्वाधिक असर देखने को मिलेगा। आज 11 जिलों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। वहीं, बीते 24 घंटे में जयपुर, प्रतापगढ़, दौसा और अलवर में एक इंच तक बरसात हुई।

पत्थर कारोबारी के घर 28 करोड़ कैश, 15 किलो सोना मिला

नोट गिनते-गिनते 5 मशीनें खराब हुईं, आरोपी गिरफ्तार; बंगाल के बीरभूम में बस चलाता था

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले में पुलिस ने बुधवार रात एक छापेमारी में 28.5 करोड़ से ज्यादा कैश और 15 किलो सोना बरामद किया। सोने की कीमत करीब 21.5 करोड़ आंकी गई है। इस तरह कुल बरामदगी करीब 50 करोड़ की है। नोटों का ढेर इतना बड़ा था कि उन्हें गिनते-गिनते 5 करेंसी काउंटिंग मशीनें खराब हो गईं।

पुलिस ने आरोपी मिनार मंडल को गिरफ्तार किया है। वह पहले राज्य परिवहन विभाग में बस ड्राइवर था और बाद में स्टोन कारोबार से जुड़ गया। आरोपी फरार पत्थर कारोबारी तुलु मंडल उर्फ मोहम्मद नजीबुद्दीन का मैनेजर और साला है।

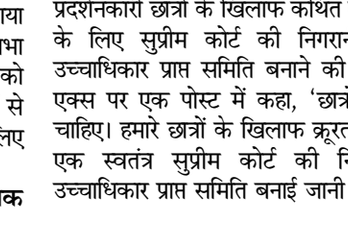

बदरीनाथ धाम से चोरी हुआ भगवान नारायण का स्वर्ण मुकुट बरामद

आरोपी यूपी से गिरफ्तार

चमोली (एजेंसी)। उत्तराखंड के विश्व प्रसिद्ध बदरीनाथ धाम स्थित ब्रह्मर्षि साधना संघ आश्रम से भगवान नारायण का करीब पांच लाख रुपए की कीमत का स्वर्ण मणि जड़ित मुकुट चोरी करने के मामला सामने आया है। इस मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, जिसके पास से चोरी का मुकुट और नकदी बरामद हुई है। पुलिस के अनुसार 27 जुलाई को ब्रह्मर्षि साधना संघ आश्रम ब्रह्मकपाल के ब्रह्मचारी भगवत दास ने बदरीनाथ कोतवाली में तहरीर दी थी. उन्होंने बताया कि आश्रम में ठहरे साधु राघवदास ने 24 जुलाई की रात मंदिर से भगवान नारायण का लगभग पांच लाख रुपए के मूल्य का सोने का मणि जड़ित मुकुट व नकदी चोरी कर ली. शिकायत के आधार पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 305(ए) के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की।

राज्यसभा के बाद लोकसभा में पास हुआ वंदे मातरम् बिल, विपक्ष का भारी हंगामा

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा के बाद लोकसभा में भी वंदे मातरम् बिल पास हो गया है। विपक्ष के हंगामे के बावजूद दोनों सदनों में वंदे मातरम् बिल पास हो गया है। वंदे मातरम् बिल को बुधवार, 29 जुलाई को राज्यसभा से अनुमति मिली थी। वहीं गुरुवार, 30 जुलाई को लोकसभा से भी ये बिल पास हो गया है। दोनों सदनों से पास होने के बाद अब ये बिल राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए भेजा जाएगा

राज्यसभा में लोक परीक्षा संशोधन विधेयक पेश- राज्यसभा में, केंद्रीय राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने लोक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक 2026 को विचार और पास करने के लिए पेश किया। बुधवार को लोकसभा में पास हुए इस बिल का मकसद पेपर लीक के लिए सजा बढ़ाकर, जांच के लिए एक स्पेशल टास्क फोर्स बनाकर और समय पर ट्रायल के लिए स्पेशल फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाकर परीक्षा से जुड़ी गड़बड़ियों के खिलाफ कानूनी ढांचे को मजबूत करना है।

सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में एक स्वतंत्र उच्चाधिकार प्राप्त समिति बनाए: राहुल गांधी- इससे पहले दिन में, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रदर्शनकारी छात्रों के खिलाफ कथित बल प्रयोग की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में एक स्वतंत्र उच्चाधिकार प्राप्त समिति बनाने की मांग की। गांधी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'छात्रों को न्याय मिलना चाहिए। हमारे छात्रों के खिलाफ क्रूरता की जांच के लिए एक स्वतंत्र सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में स्वतंत्र उच्चाधिकार प्राप्त समिति बनाई जानी चाहिए।'

राज्यसभा में खड़गे ने कहा- ये एंटी पेपर लीक बिल कुर्सी बचाने के लिए लाया गया

संसद के मानसून सत्र के आज 9वें दिन की शुरुआत हंगामेदार हुई। विपक्षी सांसदों ने 20 जुलाई को दिल्ली के जंतर-मंतर पर स्टूडेंट प्रोटेस्टर्स के खिलाफ कथित पुलिस एक्शन के विरोध में हंगामा किया जिससे सदनों - लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही में रुकावट आई। लोकसभा शुरू होने के कुछ मिनट बाद, विपक्षी सांसदों ने नारे लगाए। राज्यसभा में भी सदन के नेता और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा द्वारा विपक्ष पर जानबूझकर संसद को रोकने का आरोप लगाने के बाद गुस्सा भड़क गया, जिससे विपक्षी सदस्यों ने वॉकआउट कर दिया।

खड़गे बोले-12 साल में सवा लाख छात्रों ने सुसाइड किया - कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने राज्यसभा में दावा किया कि पीएम मोदी के 12 साल के कार्यकाल में सवा लाख छात्रों ने सुसाइड किया है।

जन शिकायतों के समाधान में लापरवाही पर होगी सख्त कार्रवाई

शून्य प्रतिशत कार्यवाही वाले अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को सचिवालय में मुख्यमंत्री हेल्पलाइन-1905 की समीक्षा बैठक के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिए कि हेल्पलाइन पर प्राप्त प्रत्येक जन शिकायत का समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण एवं संतोषजनक निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेल्पलाइन प्रदेशवासियों की समस्याओं के त्वरित समाधान का प्रभावी माध्यम है। शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही अथवा उदासीनता स्वीकार नहीं की जाएगी तथा जवाबदेही हर स्तर पर सुनिश्चित की जाएगी। मुख्यमंत्री ने पेयजल विभाग एवं जल जीवन मिशन से संबंधित अधिक संख्या में प्राप्त शिकायतों पर

नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि एक सप्ताह के भीतर सभी लंबित शिकायतों का प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि समय पर जन शिकायतों का निस्तारण न होने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि सीएम हेल्पलाइन पर प्राप्त शिकायतों के निस्तारण में जिन अधिकारियों की कार्यवाही शून्य प्रतिशत है, उन्हें संबंधित विभागाध्यक्ष तत्काल कारण बताओ नोटिस जारी करें। यदि संतोषजनक स्पष्टीकरण प्राप्त नहीं होता है तो उनके विरुद्ध नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन शिकायतों का निर्धारित समयावधि में समाधान नहीं हो पा रहा है, उनकी नियमित समीक्षा विभागाध्यक्ष एवं जिलाधिकारी स्तर पर की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि स्पेशल क्लोज, डिमांड, सजेशन तथा अन्य श्रेणियों में परिवर्तित की गई शिकायतों का भी गंभीरता से परीक्षण किया जाए, ताकि किसी भी वास्तविक शिकायत का निस्तारण प्रभावित न हो। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि प्रत्येक सोमवार को जनपद स्तर पर जिलाधिकारी, मंडल स्तर पर दोनों मंडलायुक्त तथा शासन स्तर पर सभी सचिव समाधान दिवस के माध्यम से जन समस्याओं की नियमित सुनवाई एवं समाधान सुनिश्चित करें।

मेडिकल कॉलेज नरेंद्रनगर के फिफल्टी में बनाने का प्रस्ताव पारित

नई टिहरी। नरेंद्रनगर विधानसभा में फिफल्टी क्षेत्र के ग्रामीणों ने सीएम को भेजे ज्ञापन में मेडिकल कॉलेज फिफल्टी में ही खोलने की मांग की है। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत फिफल्टी और पलाम में सिविल सोयम की करीब आठ सौ नाली जमीन मेडिकल कॉलेज के लिए देने का प्रस्ताव भी दे दिया गया है। मखलोगी पट्टी, धारअकरिया, क्वैली, कुंजणी, पालकोट और पौड़ीखाल क्षेत्र के लोगों ने मेडिकल कॉलेज के लिए फिफल्टी का प्रस्ताव पारित किया है। मेडिकल कॉलेज के लिए नरेंद्रनगर विधानसभा के फिफल्टी में जमीन का चयन करने पर क्षेत्र के लोगों ने कॉलेज फिफल्टी में ही खोलने का प्रस्ताव पारित कर सीएम को ज्ञापन भेजा है। उन्होंने कहा कि 24 जुलाई को उत्तराखंड शासन के चिकित्सा स्वास्थ्य एवं शिक्षा अनुभाग के द्वारा मेडिकल कॉलेज के लिए टिहरी जिले के फिफल्टी, पलाम और भासौं में जगह का चयन किया गया है। चिकित्सा शिक्षा अनुभाग को फिफल्टी में कॉलेज खोलने की कार्यवाही शुरू करनी चाहिए।

कांवड़ यात्रा रूट पर आठ एंबुलेंस तैनात

उत्तरकाशी। कांवड़ यात्रा और मानसून के मद्देनजर जिला व पुलिस प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सुरक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग से लेकर गंगोत्री धाम तक पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया। वहीं, यात्रा मार्ग पर आठ एंबुलेंस, स्क्रीनिंग केंद्र और चिकित्सा टीमें 24 घंटे तैनात कर दी गई हैं। पुलिस उपाधीक्षक जनक सिंह पंवार ने उत्तरकाशी से गंगोत्री धाम तक कांवड़ रूट और धाम क्षेत्र का विस्तृत सुरक्षा ऑडिट कर पुलिस व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान संवेदनशील स्थलों, यातायात प्रबंधन, भीड़ नियंत्रण और मानसून के दौरान संभावित जोखिम वाले क्षेत्रों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए।

इस दौरान प्रभारी निरीक्षक हर्षिल प्रदीप तोमर, निरीक्षक अभिसूचना विकास नौटियाल, चौकी प्रभारी गंगोत्री प्रमोद उनियाल, चौकी प्रभारी लंका सुरेंद्र रावत, मंदिर समिति के सदस्य व पुलिस एवं अभिसूचना इकाई के अधिकारी मौजूद रहे।

एक नजर

हरिद्वार में अभेद्य सुरक्षा घेरे में रहेंगे शिवभक्त

देहरादून।श्रावण मास की कांवड़ यात्रा का विधिवत आगाज आज बृहस्पतिवार से होगा। 11 अगस्त तक चलने वाली इस यात्रा के लिए पुलिस और प्रशासन ने कड़े सुरक्षा इंतजाम किए हैं। कांवड़ पटरी मार्ग, राष्ट्रीय राजमार्ग, प्रमुख घाटों, मंदिरों और संवेदनशील स्थानों पर पुलिस के साथ अर्द्धसैनिक बल की तैनाती भी कर दी गई है। करीब छह हजार जवानों के अभेद्य सुरक्षा घेरे के बीच शिवभक्त अपने गंतव्यों की ओर रवाना होंगे। दरअसल, यात्रा शुरू होने से पहले ही बड़ी संख्या में कांवड़ यात्री गंगाजल भरकर लौटने लगे थे लेकिन कांवड़ यात्रा की शुरुआत आज से होगी। यात्रा के दौरान करोड़ों शिवभक्त गंगाजल लेने हरिद्वार पहुंचेंगे। इसे देखते हुए पूरे मेला क्षेत्र को 18 सुपर जोन, 40 जोन और 141 सेक्टरों में विभाजित कर सुरक्षा व्यवस्था लागू की गई है। कांवड़ पटरी मार्ग पर लगातार पुलिस गश्त रहेगी जबकि ड्रोन कैमरों, सीसीटीवी और कंट्रोल रूम के माध्यम से हर गतिविधि पर नजर रखी जाएगी। यातायात को सुचारु बनाए रखने के लिए डायवर्जन योजना लागू की गई है। साथ ही भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। आपात स्थिति से निपटने के लिए चिकित्सा, अग्निशमन व आपदा राहत दल भी अलर्ट मोड पर रहेंगे।

रुद्रेश्वर महाराज की बाजार जातर में उमड़ा आस्था का सैलाब

नौगांव (उत्तरकाशी)। क्षेत्र के आराध्य देव रुद्रेश्वर महाराज की बाजार जातर बृहस्पतिवार को आस्था और उत्साह के साथ संपन्न हुई। दो वर्ष बाद बाजार जातर में देव डोली के आगमन से श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला।

एक माह से क्षेत्र भ्रमण पर निकले रुद्रेश्वर महाराज की देव डोली अपने 29वें पड़ाव पर नगर पंचायत स्थित शिव मंदिर पहुंची। व्यापारियों और स्थानीय लोगों ने देव डोली पर पुष्पवर्षा कर भव्य स्वागत किया। मंदिर के गर्भगृह में रुद्रेश्वर महाराज के नाम की अखंड ज्योति प्रज्ज्वलित कर विधि–विधान से पूजा–अर्चना और आरती की गई।

दोपहर में आयोजित विशेष पूजा के दौरान देव माली अमित नौटियाल ने श्रद्धालुओं को क्षेत्र की खुशहाली और समृद्धि का आशीर्वाद दिया। अब रुद्रेश्वर महाराज आगामी आठ अगस्त को कंडाऊ गांव स्थित मंदिर के गर्भगृह में वर्षभर के लिए विराजमान होंगे। इस मौके पर संत मोहन गिरी महाराज, पुजारी सुनील नौटियाल, व्यापार मंडल अध्यक्ष विपिन रमोला मौजूद रहे।

बंद नहीं होंगे जरूरतमंदों के लिए बने 114 आरोग्य मंदिर

देहरादून। मलिन बस्तियों और शहरी क्षेत्रों में रहने वाले आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के लिए प्रदेश में 114 शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिर बंद नहीं होंगे। एक अगस्त से इनका संचालन अस्थायी तौर पर नगर निकाय करेंगे। निदेशक शहरी विकास विनोद गोस्वामी ने ब्रेथवेट कंपनी के पदाधिकारियों को एक पत्र भेजा है। इसमें साफ कर दिया है कि 29 मई को अनुबंध खत्म होने के बाद 17 जुलाई तक ही वह आरोग्य मंदिरों का संचालन कर सकते थे। नए वित्तीय वर्ष 2026–27 में इनके संचालन के लिए शहरी विकास विभाग ने ब्रिज, रोपवे, टनल एंड अदर इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कारपोरेशन ऑफ उत्तराखंड लिमिटेड (ब्रिडकुल) को कार्यदायी संस्था नामित करते हुए 79 करोड़ का बजट शहरी निकायों को जारी कर दिया है।

महिला डॉक्टर को नर्सिंग अधिकारी ने भेजे अश्लील संदेश

देहरादून। उत्तराखंड के सबसे बड़े सरकारी चिकित्सा संस्थानों में शामिल दून मेडिकल कॉलेज अस्पताल में एक नर्सिंग अधिकारी पर महिला एमबीबीएस इंटर्न डॉक्टर को कथित रूप से अशोभनीय संदेश भेजने और लगातार फोन कर परेशान करने का आरोप लगा है। मामले की लिखित शिकायत मिलने के बाद अस्पताल प्रशासन ने दो सदस्यीय जांच समिति गठित कर दी है। साथ ही संबंधित नर्सिंग अधिकारी को कारण बताओ नोटिस जारी कर दो दिन के भीतर स्पष्टीकरण देने के निर्देश दिए गए हैं।

वार्ड ड्यूटी के दौरान मिला मोबाइल नंबर

शिकायत के अनुसार, महिला इंटर्न डॉक्टर मेडिसिन विभाग में इंटर्नशिप कर रही थीं। आरोप है कि इसी दौरान विभाग में तैनात नर्सिंग अधिकारी ने वार्ड ड्यूटी के समय उनका मोबाइल नंबर प्राप्त किया। इसके बाद वह लगातार फोन करने लगा और कथित रूप से अश्लील व अमर्यादित संदेश भेजकर उन्हें परेशान करता रहा। पीड़िता का कहना है कि आरोपी का व्यवहार पूरी तरह गैर–पेशेवर था, जिससे उन्हें मानसिक असहजता का सामना करना पड़ा और कार्यस्थल का माहौल भी प्रभावित हुआ।

27 जुलाई को दी लिखित शिकायत

लगातार कथित उत्पीड़न से परेशान होकर महिला इंटर्न डॉक्टर ने 27 जुलाई को अस्पताल प्रशासन को लिखित शिकायत सौंपी। शिकायत में पूरे घटनाक्रम का उल्लेख करते हुए संबंधित नर्सिंग अधिकारी के खिलाफ सख्त विभागीय कार्रवाई की मांग की गई है।

दो सदस्यीय जांच समिति गठित

मामले की गंभीरता को देखते हुए अस्पताल प्रबंधन ने निष्पक्ष जांच के लिए मेडिसिन विभागाध्यक्ष डॉ. विवेकानंद सत्यवली और एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सोनिया सिंह की दो सदस्यीय समिति बनाई है। समिति सभी पक्षों के बयान और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर अपनी रिपोर्ट अस्पताल प्रशासन को सौंपेगी।

देहरादून में मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान ने पकड़ी रफ्तार

देहरादून। आगामी चुनावों को देखते हुए देहरादून जिले में मतदाता सूची को पूरी तरह शुद्ध, अद्यतन और त्रुटिरहित बनाने के लिए विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान तेज कर दिया गया है। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने गुरुवार को ऋषिपर्णा सभागार में आयोजित बैठक में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ अभियान की प्रगति की समीक्षा की और सभी दलों से सक्रिय सहयोग की अपील की। जिलाधिकारी ने बताया कि 14 जुलाई 2026 को प्रकाशित ड्राफ्ट निर्वाचक नामावली के अनुसार जिले में अब तक 11,90,805 मतदाताओं की मैपिंग पूरी की जा चुकी है। वर्ष 2003 और 2026 की मतदाता सूचियों के मिलान के दौरान कई स्थानों पर विवरण में विसंगतियां, अधूरी जानकारी और डेटा मिलान संबंधी समस्याएं सामने आई हैं। इन्हीं कमियों को दूर करने के लिए 5.47 लाख मतदाताओं को व्यक्तिगत नोटिस जारी किए जा रहे हैं।

घर–घर पहुंच रहे बीएलओ, ऐप पर अपलोड हो रही रिपोर्ट

मतदाता सूची पुनरीक्षण प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी बनाने के लिए बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) घर–घर जाकर संबंधित मतदाताओं को नोटिस तामील करा रहे हैं। प्रत्येक नोटिस वितरण की फोटो निर्वाचन आयोग के निर्धारित मोबाइल ऐप पर अपलोड की जा रही है, ताकि पूरी प्रक्रिया की ऑनलाइन निगरानी की जा सके।

जिलाधिकारी ने बताया कि 30 जुलाई तक लगभग 74 हजार नोटिस वितरित किए जा चुके हैं, जबकि शेष सभी नोटिस अगले दो से तीन दिनों के भीतर संबंधित मतदाताओं तक पहुंचा दिए जाएंगे।

3 अगस्त से 29 अगस्त तक लगेंगे विशेष सुनवाई शिविर

नोटिस प्राप्त करने वाले मतदाता अपने नाम, पता, आयु या अन्य विवरण में सुधार कराने के लिए 3 अगस्त से 29 अगस्त तक आयोजित होने वाले बूथ स्तर के विशेष शिविरों में आवेदन कर सकेंगे।

रुद्रपुर में गैस रेगुलेटर बना विवाद की वजह

रुद्रपुर। उधम सिंह नगर जिले के रुद्रपुर स्थित ट्रांजिट कैंप थाना क्षेत्र में गैस रेगुलेटर की खराबी को लेकर शुरू हुआ मामूली विवाद हिंसक झड़प में बदल गया। शिकायत लेकर दुकान पहुंचे दो भाइयों के साथ कथित तौर पर दुकानदार, उसकी पत्नी और उनके साथियों ने मारपीट की। आरोप है कि हमले के दौरान गैस चूल्हे से भी वार किया गया, जिससे दोनों घायल हो गए। पीड़ित परिवार की शिकायत पर पुलिस ने दुकानदार दंपति समेत कई लोगों के खिलाफ जानलेवा हमले सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, पीड़ित पक्ष गैस रेगुलेटर में आई खराबी की शिकायत लेकर दुकान पर पहुंचा था। इसी दौरान दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हुई, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गई। आरोप है कि दुकानदार पक्ष ने अपने साथियों के साथ मिलकर दोनों भाइयों पर हमला कर दिया, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा। पुलिस का कहना है कि मामले में दोनों पक्षों से पूछताछ की जा रही है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

सूखी नदी में अचानक आया सैलाब, बह गईं तीन कारें

देहरादून। सूखी नदी में अचानक आए तेज बहाव के कारण बृहस्पतिवार को तीन कारें बह गईं। घटना उस समय हुई जब करीब आधे से एक घंटे की बारिश के बाद पहाड़ों से आया पानी नदी में तेज गति से पहुंच गया। वाहन चालकों ने बिना खतरे का आकलन किए अपनी कारें नदी के बहाव क्षेत्र में खड़ी कर दी थीं। हालांकि, हादसे के समय किसी वाहन में कोई व्यक्ति मौजूद नहीं था।

गौशाला में गंदगी पर भड़के विधायक सुमित हृदयेश

हल्द्वानी , विधायक सुमित हृदयेश ने शुक्रवार को राजपुरा स्थित गौशाला का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान गौशाला में कई स्थानों पर कीचड़ और गंदगी मिलने पर उन्होंने नाराजगी जताई। उन्होंने नगर निगम के अधिकारियों को नियमित साफ–सफाई, बेहतर जल निकासी, पर्याप्त चारा, स्वच्छ पेयजल और चिकित्सकीय सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि गौशाला हमारी संस्कृति और आस्था का प्रतीक है तथा गोवंश को स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना नगर निगम की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि गोसेवा केवल नारों से नहीं, बल्कि जिम्मेदारी के साथ कार्य करने से होती है और गोवंश की सुरक्षा व सम्मान से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान मलय बिष्ट, पार्षद प्रीति आर्य, राजो टंडन, त्रिलोक बनौली, हेमंत साहू, सुमित कुमार, सूरज प्रकाश, सचिन गुप्ता, अमित रावत आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सड़क को लेकर सहसपुर विधायक आवास पर धरना

देहरादून। सहसपुर विधानसभा क्षेत्र में सड़क निर्माण की मांग को लेकर शनिवार को माहौल गरमा गया। उत्तरांद के पदाधिकारी निरंजन चौहान के नेतृत्व में बड़ी संख्या में स्थानीय लोग सहसपुर विधायक सहदेव पुंडीर के आवास पहुंचे और अपनी समस्याओं को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि लंबे समय से सड़क निर्माण की मांग किए जाने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की गई। उनका कहना है कि संबंधित सड़क के निर्माण के लिए विधायक की संस्तुति नहीं दिए जाने के कारण शासन स्तर पर भी प्रस्ताव आगे नहीं बढ़ पा रहा है। (यह आरोप प्रदर्शनकारियों द्वारा लगाया गया है।

बताया जा रहा है कि जब लोगों की बात नहीं सुनी गई तो वे विधायक आवास पर ही धरने पर बैठ गए। इस दौरान विधायक और प्रदर्शनकारियों के बीच तीखी नोकझोंक भी हुई।

उत्तराखंड अल्पसंख्यक आयोग में 11 शिकायतों की सुनवाई

देहरादून। उत्तराखंड अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष संजय नेगी की अध्यक्षता में गुरुवार को आयोग कार्यालय में विभिन्न जनशिकायतों की सुनवाई की गई। इस दौरान हरिद्वार, चमोली, देहरादून, टिहरी गढ़वाल और उधमसिंहनगर सहित विभिन्न जनपदों से संबंधित कुल 11 शिकायतों पर सुनवाई कर संबंधित विभागों को नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। सुनवाई के दौरान श्रीमती माया देवी के ज्येष्ठता निर्धारण संबंधी प्रकरण में कृषि विभाग के प्रतिनिधि को मामले का पुनः परीक्षण कर स्पष्ट आख्या आयोग को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। श्रीमती नंदिनी गुसाईं के भूमि विवाद मामले में आयोग ने प्रशासन और पुलिस विभाग को सकारात्मक कार्रवाई करते हुए नियमानुसार भूमि पर कब्जा दिलाने तथा विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। अहसान अंसारी के राशन की दुकान खोले जाने से संबंधित प्रकरण में खाद्य विभाग को आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया, जबकि श्रीमती शोभना के पैतृक भूमि विवाद मामले में तहसीलदार हरिद्वार को सहानुभूतिपूर्वक एवं नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। श्री कुलदीप सिंह के अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) जाति प्रमाण पत्र से जुड़े मामले में आयोग ने विभाग को नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करने को कहा। वहीं श्री सरोज कुमार के सामान वापस दिलाने संबंधी मामले में पुलिस की रिपोर्ट के आधार पर प्रकरण का निस्तारण करने के निर्देश दिए गए।

सितारगंज में 20 घंटे तक चला हाईवोल्टेज ड्रामा

उधम सिंह नगर, उधम सिंह नगर के सितारगंज तहसील में कथित रिश्वतखोरी के मामले ने गुरुवार को बड़ा मोड़ ले लिया। लगभग 20 घंटे तक चले हाईवोल्टेज घटनाक्रम के बाद विजिलेंस टीम हिरासत में लिए गए वरिष्ठ सहायक भूपेंद्र सिंह राणा और संग्रह अमीन को छोड़कर बिना किसी गिरफ्तारी के वापस लौट गई। हालांकि विजिलेंस विभाग ने स्पष्ट किया है कि मामले की विवेचना अभी जारी है और जांच पूरी होने के बाद उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

किसान की शिकायत पर हुई थी कार्रवाई

जानकारी के अनुसार बुधवार को एक किसान की शिकायत पर विजिलेंस टीम ने सितारगंज तहसील में छापेमारी की। आरोप था कि राजस्व संबंधी कार्य के बदले रिश्वत की मांग की गई थी। शिकायत के आधार पर विजिलेंस ने वरिष्ठ सहायक और संग्रह अमीन को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की।

कर्मचारियों ने शुरू कर दिया धरना

कार्रवाई की सूचना मिलते ही तहसील परिसर में राजस्व कर्मचारियों का विरोध शुरू हो गया। कर्मचारियों ने इसे एकतरफा कार्रवाई बताते हुए धरना शुरू कर दिया। देखते ही देखते जिले के विभिन्न तहसीलों से राजस्व कर्मचारी भी सितारगंज पहुंच गए और आंदोलन तेज हो गया। इसी बीच वरिष्ठ सहायक भूपेंद्र सिंह राणा के गांव से भी बड़ी संख्या में ग्रामीण तहसील परिसर पहुंच गए और कर्मचारियों के समर्थन में नारेबाजी करने लगे। इससे पूरे तहसील परिसर का माहौल तनावपूर्ण हो गया।

20 घंटे तक चला गतिरोध

कर्मचारियों के विरोध के चलते विजिलेंस टीम करीब 20 घंटे तक तहसील परिसर में ही रुकी रही। इस दौरान प्रशासन ने किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए भारी पुलिस बल तैनात रखा।

जिला बदर आरोपी समय से पहले जिले में दाखिल, गिरफ्तार

देहरादून। जिला मजिस्ट्रेट के आदेश पर छह माह के लिए जिला बदर किया गया आरोपी तय समय से पहले ही जिले की सीमा में दाखिल हो गया। चोरी की नीयत से शहर की गलियों में घूम रहे आरोपी आसिफ निवासी मुस्लिम बस्ती को कोतवाली पुलिस ने बृहस्पतिवार रात सिनेमा गली से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसके खिलाफ गुंडा नियंत्रण अधिनियम के तहत नई प्राथमिकी दर्ज की है।

कोतवाली प्रभारी राजीव रौथाण ने बताया कि जिला मजिस्ट्रेट के आदेश पर चार मई को आरोपी आसिफ को छह महीने के लिए जिले की सीमा से निष्कासित किया गया था। बृहस्पतिवार रात सूचना मिली कि जिला बदर की शर्तों का उल्लंघन कर आरोपी कोतवाली क्षेत्र में प्रवेश कर चुका है और चोरी की नीयत से संदिग्ध परिस्थितियों में घूम रहा है। सूचना पर पुलिस टीम ने रात करीब नौ बजे घेराबंदी कर उसे सिनेमा गली से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, उसके खिलाफ पूर्व में भी हत्या, लूट, चोरी और अवैध हथियार रखने समेत कई गंभीर मामलों में मुकदमे दर्ज हैं। वह वर्तमान में विभिन्न मामलों में जमानत पर बाहर चल रहा था।

गुलदार के आतंक से परेशान ग्रामीणों का वन विभाग पर फूटा गुस्सा

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : पर्वतीय क्षेत्रों में गुलदार की दहशत थमने का नाम नहीं ले रही। गुरुवार को यमकेश्वर विकासखंड के देवराना गांव में गुलदार की बढ़ती गतिविधियों से परेशान ग्रामीणों ने वन विभाग के खिलाफ प्रदर्शन किया। कहा कि गुलदार के डर से उनका घरों से बाहर निकलना भी मुश्किल हो गया है।

कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष विनोद डबराल के नेतृत्व में लोगों ने वन विभाग कार्यालय में प्रदर्शन किया। आरोप है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद वन विभाग की ओर से प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई, जिससे गांव में दहशत का माहौल बना हुआ है। विनोद डबराल ने बताया कि गुलदार अब तक गांव के दर्जनों मवेशियों को अपना शिकार बना चुका है।

इसके अलावा ग्रामीण राजेंद्र सिंह, उर्मिला देवी और प्रमिला देवी पर भी हमला कर चुका है। उन्होंने कहा कि लगातार बढ़ रही घटनाओं के बावजूद विभाग की ओर से ठोस कदम

वन विभाग के खिलाफ प्रदर्शन करते ग्रामीण

नहीं उठाए गए हैं। ग्रामीणों ने वन विभाग से गांव में गश्त बढ़ाने, गुलदार को पकड़ने के लिए पिंजरा लगाने तथा प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो ग्रामीण उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। प्रदर्शन में ग्राम प्रधान दीपक, प्रीति देवी, निशा जोशी, बबीता बिष्ट, भगत सिंह, कमलेश ग्वाड़ी, अमित देवरानी, करूणा रावत, नीलम देवी, पिंकी देवी, मनोज ग्वाड़ी, सुनील उनियाल, सुमंती देवी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

अनंता राष्ट्रीय बैडमिंटन चैंपियनशिप में दिखाई प्रतिभा

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : सेंट थॉमस कॉन्वेंट स्कूल की छात्रा अनंता रावत ने क्षेत्रीय स्तर की प्रतियोगिता में अंडर-19 बालिका वर्ग में स्वर्ण पदक जीता है। प्रतियोगिता में प्रदर्शन के आधार पर अनंता का चयन सीआईएससीई के तहत राष्ट्रीय बैडमिंटन चैंपियनशिप के लिए हुआ है।

सीआईएससीई रीजनल गेम्स एंड स्पोर्ट्स के तहत आयोजित बैडमिंटन प्रतियोगिता में कक्षा 12 की छात्रा अनंता ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए चयन हासिल किया। यह प्रतियोगिता 24 और 25 जुलाई को सेंट जॉर्ज कॉलेज मसूरी में आयोजित हुई थी। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उन्हें राष्ट्रीय बैडमिंटन चैंपियनशिप के लिए चयनित किया गया है। छात्रा अनंता रावत ने बताया कि राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए तैयारियां शुरू कर दी है। विद्यालय प्रबंधक जीजो पालाथिंकल व प्रधानाचार्य सिस्टर सौमिनी ने बताया कि प्रतियोगिता में 16 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया था। शिक्षक संजय जुयाल ने बताया कि राष्ट्रीय स्तर की चैंपियनशिप बंगलूरू में सितंबर में प्रस्तावित है।

गुरु रविदास समरसता अभियान के तहत चलाया स्वच्छता अभियान

स्वच्छता अभियान चलाते भाजपा कार्यकर्ता व पदाधिकारी

जयन्त प्रतिनिधि कोटद्वार : संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज की 650वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी की ओर से स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस दौरान गुरु रविदास के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का भी संकल्प लिया गया।

कौड़िया स्थित गुरु रविदास महाराज के मंदिर के आसपास स्वच्छता अभियान चलाया गया। जिलाध्यक्ष राजगौरव नौटियाल ने कहा कि गुरु रविदास महाराज ने सामाजिक समरसता, समानता और मानवता का संदेश दिया। जिसे जन-जन तक पहुंचाना अभियान का मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अभियान को जनभागीदारी के साथ सफल बनाने का आह्वान किया। जिलाध्यक्ष ने बताया कि कलश वंदन अभियान के तहत गुरु रविदास महाराज की जन्मस्थली सीर गोवर्धनपुर (वाराणसी) की पावन मिट्टी से भरा कलश उत्तराखंड के विभिन्न जिलों का भ्रमण करेगा। उन्होंने कहा कि कोटद्वार पहुंचने पर पवित्र कलश का भव्य स्वागत एवं नागरिक अभिनंदन किया जाएगा। इसके बाद कलश को जिले के विभिन्न मंडलों और गांवों तक ले जाकर सामाजिक समरसता का संदेश प्रसारित किया जाएगा। कार्यशाला में अभियान के सफल संचालन, जनसंपर्क और विभिन्न कार्यक्रमों की विस्तृत कार्ययोजना पर भी चर्चा की गई। इस अवसर पर मोहन सिंह नेगी, सुरेंद्र आर्य, विकासदीप मित्तल, शशिबाला केष्टवाल, मनीष भट्ट, सुरेंद्र सैनी, विजय सिंह, विजय रावत, यशोदा नेगी सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

श्रद्धांजलि कार्यक्रम दो अगस्त को

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : शिक्षा के क्षेत्र में अपना महत्वपूर्ण योगदान देने वाले स्व. सत्यप्रकाश थपलियाल की याद में दो अगस्त को श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम उत्तराखंड लोक साहित्यिक एवं सांस्कृति मंच की ओर से आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम बालासौड़ स्थित एक बारात घर में होगा।

केदारनाथ पैदल मार्ग बंद, यात्रियों की आवाजाही रोकी

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : केदारनाथ यात्रा मार्ग पर एक बार फिर भूस्खलन ने मुश्किलें बढ़ा दी हैं। गौरीकुंड गेट से करीब 200 मीटर आगे भारी मात्रा में मलबा और पत्थर आने से पैदल मार्ग पूरी तरह बाधित हो गया है। सुरक्षा के मद्देनजर यात्रियों की आवाजाही रोक दी गई है। लगातार हो रही बारिश के बीच केदारनाथ पैदल यात्रा मार्ग पर गौरीकुंड गेट से लगभग 200 मीटर आगे पहाड़ी से भारी मात्रा में मलबा और बोल्डर गिरने से मार्ग पूरी तरह बंद हो गया। प्रशासन ने तत्काल यात्रियों की आवाजाही रोकते हुए उन्हें सुरक्षित स्थानों पर ठहरा दिया है। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने बताया कि यात्रा मार्ग बाधित होने की सूचना मिलते ही संबंधित विभागों, राहत एवं बचाव दलों को तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना कर दिया गया है। मार्ग से मलबा हटाने एवं आवागमन बहाल करने का कार्य युद्धस्तर पर किया जा रहा है। हालांकि, क्षेत्र में लगातार हो रही वर्षा और पहाड़ी से रुक-रुक कर मलबा एवं पत्थर गिरने के कारण राहत एवं मार्ग बहाली कार्य में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने श्रद्धालुओं एवं यात्रियों से अपील की है कि वे धैर्य बनाए रखें, बिना अनुमति के आगे बढ़ने का प्रयास न करें तथा जिला प्रशासन, पुलिस एवं संबंधित विभागों द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पूर्णतः पालन करें।

उत्तरकाशी की प्राचीन धरोहर होगी सुरक्षित

उत्तरकाशी। जनपद में छिपी प्राचीन ज्ञान और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने के लिए अब बड़े स्तर पर पांडुलिपियों का सर्वेक्षण किया जाएगा। जनपद के मंदिरों, आश्रमों, संस्कृत महाविद्यालयों, पुस्तकालयों, संग्रहालयों और निजी संग्रहों में रखी दुर्लभ पाण्डुलिपियों, ताम्रपत्रों और ऐतिहासिक दस्तावेजों की पहचान कर उनका संरक्षण एवं डिजिटलीकरण किया जाएगा। राष्ट्रीय पाण्डुलिपि सर्वेक्षण अभियान को लेकर जिला स्तरीय समिति की बैठक में इस संबंध में कार्ययोजना तैयार की गई। सीडीओ जय भारत सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में निर्णय लिया गया कि जिले में उपलब्ध पाण्डुलिपियों का व्यापक सर्वेक्षण कर उन्हें अभिलेखीय रूप में सुरक्षित किया जाएगा।

कांवड़ यात्रा शुरू होते ही नीलकंठ में ठप हुई इंटरनेट सेवा

यमकेश्वर। नीलकंठ क्षेत्र में इंटरनेट सेवा पूरी तरह ठप हो गई है। इसकी वजह से हजारों श्रद्धालु अपने परिजनों से संपर्क नहीं कर पा रहे हैं। वहीं सुरक्षा और निगरानी में लगे प्रशासन के लिए भी सूचनाएं समय पर भेजना मुश्किल हो गया है।

बृहस्पतिवार को नीलकंठ क्षेत्र में इंटरनेट सुविधा ठप हो गई। नीलकंठ कांवड़ यात्रा में इस बार 1200 पुलिस कर्मी एवं अन्य प्रशासनिक अधिकारी-कर्मचारी तैनात किए गए हैं। कांवड़ यात्रियों की भारी भीड़ के कारण मोबाइल टावरों पर अचानक लोड बढ़ गया है।

टावर ऑपरेटरों का कहना है कि नीलकंठ क्षेत्र में क्षमता के अनुरूप टावर लगाए गए हैं। कांवड़ यात्रा के दौरान अचानक उपभोक्ताओं की संख्या क्षमता से कई गुना बढ़ जाती है, जिससे नेटवर्क जाम हो जाता है।

इंटरनेट न चलने से श्रद्धालु अपने घर परिजनों को अपनी कुशलता की सूचना नहीं दे पा रहे। ऑनलाइन पेमेंट और जरूरी काम भी प्रभावित हो रहे हैं। अधिकांश यात्री ऑनलाइन भुगतान करने का प्रयास करते हैं लेकिन इंटरनेट न चलने से कई बार विवाद की नौबत हो रही है।

ऑनलाइन पार्किंग शुल्क देने में दिक्कतें आ रही हैं। जिस कारण यात्रियों एवं पार्किंग संचालकों के बीच विवाद की समस्या देखी जा रही है। पार्किंग संचालकों ने इंटरनेट दुरुस्त करने की मांग की है। वहीं पुलिस और प्रशासन को कंट्रोल रूम में समय पर सूचनाएं भेजने में दिक्कत आ रही हैं।

आपदा से बचाव को विभाग रहें अलर्ट मोड पर

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : उत्तराखंड विधानसभा अध्यक्ष एवं कोटद्वार विधायक ऋतु खंडूड़ी भूषण ने कहा कि मानसून के दौरान संभावित आपदाओं से निपटने के लिए सभी सरकारी विभागों का हर समय अलर्ट मोड पर रहना आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कहीं से भी आपदा की सूचना मिलते ही तत्काल मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य शुरू करें और प्रभावित लोगों की हरसंभव सहायता सुनिश्चित करें।

गुरुवार को विधानसभा अध्यक्ष ने अधिकारियों के साथ मालन, सुखरौ और खोह नदी का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने नदी किनारे सुरक्षा दीवारों, भू-कटाव प्रभावित क्षेत्रों और अन्य सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। अधिकारियों से मानसून के मद्देनजर की गई तैयारियों और संवेदनशील स्थलों की जानकारी भी प्राप्त की। ऋतु खंडूड़ी भूषण ने कहा कि नदी किनारे बसे क्षेत्रों, पुलों और संपर्क मार्गों पर विशेष निगरानी रखी जाए। जहां कटाव, जलभराव या बाढ़ का खतरा हो, वहां तत्काल सुरक्षात्मक कार्य कराए जाएं। उन्होंने कहा कि जन-धन की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और आपदा आने के बाद राहत कार्य करने से अधिक जरूरी समय रहते प्रभावी तैयारियां सुनिश्चित करना है।

उन्होंने अधिकारियों को नदी क्षेत्रों की नियमित निगरानी, जल प्रवाह में किसी भी प्रकार की बाधा उत्पन्न होने पर तत्काल कार्रवाई, संवेदनशील स्थानों पर चेतावनी बोर्ड, बैरिकेडिंग और अन्य सुरक्षा इंतजाम सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए आपदा प्रबंधन से जुड़े संसाधनों और मशीनरी को पूरी तरह तैयार रखने को कहा। निरीक्षण के दौरान उपजिलाधिकारी संदीप कुमार, सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता अनिल कुमार राठौर, विधायक प्रतिनिधि कमल नेगी, प्रमोद केष्टवाल, मंडल अध्यक्ष आशीष रावत, दीपक गौड़, महेश नेगी, अमित रावत सहित अन्य अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

लगातार खराब मौसम से हेलिकॉप्टर सेवा पर लगा ब्रेक

श्रीनगर गढ़वाल : पहाड़ में लगातार खराब मौसम ने हेलिकॉप्टर सेवा की रफ्तार पर ब्रेक लगा दिया है। देहरादून, टिहरी, श्रीनगर और गौचर के बीच क्षेत्रीय संपर्क योजना (आरसीएस-उड़ान) के तहत संचालित हेरिटेज एविएशन की उड़ानें बुधवार को ठप रहीं, जबकि गुरूवार को सुबह भी मौसम की बेरुखी के कारण हेलिकॉप्टर उड़ान नही भर सका। ऐसे में यात्रियों को सड़क से सफर करना पड़ा। हेरिटेज एविएशन के ऑपरेशन मैनेजर अभिलाष पटवाल ने बताया कि हेलिकॉप्टर संचालन के लिए कम से कम 1500 मीटर दृश्यता जरूरी होती है।

सीटी व एआई आधारित शिक्षण पर शिक्षकों ने साझा किए नवाचार

आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते शिक्षक व अन्य

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : द डैफोडिल्स पब्लिक स्कूल में सीबीएसई के तत्वावधान में डिस्ट्रिक्ट लेवल डिलिबरेशन (डीएलडी) विषय कम्प्यूटेशनल थिंकिंग एंड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (सीटी एंड एआई) पर कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में विभिन्न विद्यालयों से पहुंचे शिक्षकों ने आधुनिक शिक्षण पद्धतियों और नवाचारी प्रयोगों पर विचार साझा किए।

कार्यशाला का उद्देश्य शिक्षकों को कम्प्यूटेशनल थिंकिंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित शिक्षण के प्रभावी उपयोग के लिए प्रेरित करना तथा नई शिक्षा पद्धतियों से परिचित कराना था। इस दौरान प्रतिभागियों ने सीटी एवं एआई के विभिन्न विषयों पर तैयार किए गए अपने केस पेपर प्रस्तुत किए। केस पेपरों का मूल्यांकन अनिल बिंजोला, सुभाष चंद्र और विकास गुप्ता ने किया। प्रतिभागियों ने अपने शोध, गतिविधि आधारित शिक्षण, नवाचारी प्रयोगों, मूल्यांकन पद्धतियों तथा कक्षा में सीटी एवं एआई के प्रभावी क्रियान्वयन से जुड़े अनुभव साझा किए। मूल्यांकन समिति के सदस्यों ने प्रतिभागियों के नवाचारों की सराहना करते हुए शोध आधारित और प्रभावी शिक्षण पद्धतियों को विद्यालयों में अपनाने पर बल दिया।

शिक्षकों ने भी कार्यशाला को उपयोगी एवं प्रेरणादायक बताते हुए यहां प्राप्त अनुभवों और रणनीतियों को अपने-अपने विद्यालयों में लागू करने का संकल्प लिया। विद्यालय प्रबंधन ने आयोजन को सफल बनाने में सहयोग देने वाले विशेषज्ञों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार की शैक्षणिक पहल शिक्षकों के व्यावसायिक विकास के साथ-साथ विद्यार्थियों में 21वीं सदी के आवश्यक कौशल विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

शरीर पर बने टैटू से शव की पहचान में जुटी पुलिस

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : स्टेशन रोड स्थित यात्री शेड में मिले अज्ञात युवक के शव की पहचान के लिए कोटद्वार पुलिस अब उसके शरीर पर बने टैटू का सहारा ले रही है। शव मिलने के दो दिन बाद भी मृतक की शिनाख्त नहीं हो सकी है, जिसके चलते पुलिस ने विशेष टीम गठित कर आसपास के थाना क्षेत्रों में भी जानकारी साझा की है।

दो दिन पूर्व बाजार चौकी से कुछ दूरी पर स्थित यात्री शेड के नीचे एक युवक का शव मिला था। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के बाद शिनाख्त के लिए सुरक्षित रख दिया। तलाशी के दौरान मृतक के पास कोई पहचान पत्र या अन्य दस्तावेज नहीं मिले, जिससे उसकी पहचान हो सके। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक प्रदीप नेगी ने बताया कि मृतक के शरीर के विभिन्न हिस्सों पर कई टैटू बने हुए हैं। इनमें एक युवती के नाम का टैटू और हाथ पर ह्यॐह्ल का चिन्ह भी अंकित है। पुलिस को उम्मीद है कि इन टैटू के आधार पर मृतक की पहचान करने में सफलता मिल सकती है। उन्होंने बताया कि शव की पहचान के लिए विशेष टीम गठित की गई है। मृतक की तस्वीर और उसके शरीर पर बनें प्रमुख टैटू के फोटो आसपास के थानों और पुलिस चौकियों को भेजे गए हैं। साथ ही स्थानीय लोगों से भी अपील की जा रही है कि यदि कोई युवक इन टैटू के आधार पर पहचान में आता हो तो तत्काल पुलिस को सूचना दें।

अदालती सूचना

न्यायालय श्रीमान सिनियर सिविल जज महोदय, कोटद्वार

दी0वाद संख्या 65 सन 2023

राजेन्द्र शर्मा पुत्र श्री मंगू राम उर्फ गंगूराम

निवासी- ग्राम सिन्दूडी, पट्टी-उदयपुर तल्ला, तहसील-यमकेश्वर, जिला-पौड़ी गढ़वाल (उत्तराखण्ड)

वादी

बनाम्

सुभाष भट्ट पुत्र श्री जगदीश चन्द्र निवासी- ग्राम सिन्दूडी, पट्टी-उदयपुर तल्ला, तहसील-यमकेश्वर, जिला पौड़ी गढ़वाल (उत्तराखण्ड)

दीपक सिंह बिष्ट पुत्र जगमोहन सिंह बिष्ट निवासी ग्राम-जौग्याणा, तहसील-जाखणीखाल, पौड़ी गढ़वाल (उत्तराखण्ड)

सुशील कुमार पुत्र श्री किशोरी लाल निवासी ग्राम-104/27, सदानन्द मार्ग, ऋषिकेश, जनपद-देहरादून (उत्तराखण्ड)

प्रतिवादीगण

हरगाह वादी ने इस न्यायालय में आपके विरूद्ध एक वाद दावा वास्ते-घोषणात्मक (धारा 34 विशिष्ट अनुतोश अधिनियम) प्रस्तुत किया गया है। जिसमें सुनवाई हेतु तिथि 01/08/2026 नियत है।

अतः जिस किसी व्यक्ति (आम व खास) उक्त वाद में कोई आपत्ति हो तो आप नियत तिथि 01/08/2026 को प्रातः 10 बजे असालतन व वकालतन न्यायालय में उपस्थित होकर पैरवी करना सुनिश्चित करे। अन्यथा एक पक्षीय कार्यवाही अमल में ली जायेगी।

आज दि0 15-07-2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से जारी।

न्यायालय सिनियर सिविल जज कोटद्वार (गढ़वाल)

4 अगस्त को जिलासू में आयोजित होगा जिला स्तरीय तहसील दिवस

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : जनसामान्य की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी समाधान के उद्देश्य से आगामी 04 अगस्त (प्रथम मंगलवार) को तहसील जिलासू में जिला स्तरीय तहसील दिवस का आयोजन किया जाएगा। तहसील दिवस का आयोजन पूर्वाह्न 11:00 बजे से अपराह्न 02:00 बजे तक होगा। अपर जिलाधिकारी विवेक प्रकाश द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार तहसील दिवस में सभी जिला स्तरीय अधिकारियों की उपस्थिति अनिवार्य रहेगी। अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे निर्धारित समय पर उपस्थित होकर आमजन की शिकायतों एवं समस्याओं का मौके पर ही सुनवाई कर उनके त्वरित निस्तारण के लिए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें।

नागरिक को अपने कानूनी अधिकारों और कर्तव्यों की जानकारी होना जरूरी

जयन्त प्रतिनिधि। सतपुली : सतपुली जिला विधिक सेवा प्राधिकरण पौड़ी के दिशा निर्देशन पर ठाकुर सुंदर सिंह चौहान वृद्ध आश्रम मलेठी में विधिक शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में मौजूद लोगों ने पेंशन, विकलांग प्रमाण पत्र, घरेलू हिंसा सहित अन्य समस्याओं के बारे में बताया।

इस अवसर पर न्यायिक मजिस्ट्रेट कोटद्वार श्रीमती सोनिया सहित अन्य लोगों ने फलदार वृक्षों का रोपण किया। साथ ही पर्यावरण संरक्षण के लिए लोगों से आगे आने की अपील की। इस दौरान न्यायिक मजिस्ट्रेट सोनिया ने लोगों की समस्याओं को सुना और मौके पर निस्तारण करने के लिए विभागीय अधिकारियों को सूचित भी किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक को अपने कानूनी अधिकारों और कर्तव्यों की जानकारी होना आवश्यक है।

उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से पात्र लोगों को निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराई जाती है, ताकि कोई भी व्यक्ति आर्थिक या सामाजिक कारणों से न्याय से वंचित न रहे। शिविर में आश्रम के प्रबंधक पुनीत रावत, विक्रम सिंह रावत, तेज सिंह, रईस अहमद आदि मौजूद थे।

अस्पताल प्रबंधन पर लगाया लापरवाही का आरोप, कार्रवाई की मांग

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : मुख्यालय स्थित उत्तरा केयर अस्पताल में ऑपरेशन के बाद देहरादून रेफर हुई प्रसूता की मौत के मामले में आक्रोशित परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाया है। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग और जिला प्रशासन से मामले की जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग उठाई है। वही सामाजिक कार्यकर्ता विनोद दनौसी ने स्वास्थ्य विभाग व जिला प्रशासन से अस्पताल की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए मामले की जांच व कार्रवाई की मांग की है। मृतका रेनू थपलियाल लिंगवाल के पति रजनीश लिंगवाल ने बताया कि बीते सोमवार को वह पत्नी को नियमित जांच के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे थे। पति अनुसार उस समय पत्नी की स्थिति सामान्य थी और वह स्वयं अस्पताल पहुंची थी। जांच के बाद चिकित्सकों ने भर्ती होने की सलाह दी, जबकि प्रसव पीड़ा शुरू नही हुई थी। इस पर वे पत्नी को घर ले आए। बताया कि बाद में अस्पताल से फोन कर उसी दिन भर्ती कराने के लिए कहा गया। रजनीश का आरोप है कि सोमवार शाम करीब साढ़े सात से आठ बजे के बीच प्रसव पीड़ा बढ़ाने के लिए इंजेक्शन लगाया गया। साथ ही प्रसव दर्द कम करने के लिए 10 हजार का एक इंजेक्शन भी मंगवाया।

कार्यालय नगर पंचायत सतपुली, पौड़ी गढ़वाल

संख्या-296/ न0प0स0/2026-27/ नि0सू/ दिनांक 30 जुलाई 2026

कोटेशन सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पंचायत सतपुली के द्वारा अपने पंजीकृत ठेकेदारों से नगर पंचायत सतपुली के अन्तर्गत वार्डो 01 में होने वाले निर्माण कार्यो की कोटेशन दिनांक 13.08.2026 को 12.00 बजे पूर्वाहन तक आमंत्रित की जाती है। जो कि दिनाक 13.08.2026 को समय 3:00 बजे अपहरान को कोटेशनदाताओं एवं अधोहस्ताक्षरी / गठित चयन समिति के सम्मुख खोली जायेगी। किसी भी कोटेशन या समस्त कोटेशनों को बिना किसी कारण बताये निरस्त / स्थागित करनें का अधिकार अधोहस्ताक्षरी / गठित चयन समिति को सुरक्षित रहेगा। यदि किन्ही अपरिहार्य कारणो से उक्त तिथि को राजकीय अवकाश घोषित होता है तो कोटेशन अगले दिवस को पूर्व निर्धारित समय पर खोली जायेगी।

क्र0 सं0	कार्य का नाम	कार्य की आंगणन की लागत जी0एस0टी सहित	धरोहर धनराशि	वैधता	पंजीयन श्रेणी
1	नगर पंचायत सतपुली के अन्तर्गत वार्ड न0 01 में नौगाई जी के घर के समाने से श्री कुलदीप रावत, प्रदीप नैथानी के घर से होते हुए सिंचाई विभाग कार्यालय के गेट तक इंटरलाकिंग टाईल्स लगाने का कार्य।	3.94 लाख	-	45	सी0
2	नगर पंचायत सतपुली के अन्तर्गत वार्ड न0 1 में श्री किशन जोशी के घर से श्री कुलदीप रावत, प्रदीप नैथानी के घर से होते हुए सिंचाई विभाग कार्यालय तक पी0वी0सी द्वारा जल निकासी एवं पुश्ता निर्माण कार्य।	रू0 4.21 लाख	-	45	सी0

अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत सतपुली

अध्यक्ष
नगर पंचायत सतपुली
पौड़ी गढ़वाल

संपादकीय

नजरअंदाज करना होगा घातक

उत्तराखंड में बिगड़ते मौसम को देखते हुए चार धाम यात्रा के आयोजन को लेकर राज्य सरकार बेहद सतर्क है और यही कारण है कि एक बार फिर दो दिन के लिए केदारनाथ यात्रा को स्थगित कर दिया गया है। सुरक्षा की दृष्टि से यह जरूरी भी है और पहाड़ों में सफर करने वालों को ऐसी चेतावनी को हल्के में नहीं लेना चाहिए। पिछले कुछ दिनों में पहाड़ों से हो रहे भूस्खलन की कई भयावह तस्वीर सामने आई है जो यह इस पर दर्शाती है कि इस मौसम में राज्य सरकार और मौसम विभाग की एडवाइजरी का पालन करना बेहद जरूरी है। उत्तराखंड के पहाड़ी मार्ग जहां देखने में बहुत सुंदर लगते हैं वही चुनौतियों से भरे हुए हैं। थोड़ी सी लापरवाही बड़े हादसे का कारण बन सकती है। इसलिए पहाड़ी क्षेत्रों में यात्रा करते समय विशेष सावधानी बरतना आवश्यक है। मानसून के दौरान उत्तराखंड के कई इलाकों में भूस्खलन, पत्थर गिरने, सड़क धंसने और अचानक जलभराव जैसी समस्याएं सामने आती हैं। पहाड़ों की ढलानों पर लगातार बारिश होने से मिट्टी कमजोर पड़ जाती है, जिससे चट्टानें और मलबा सड़क पर आ सकता है। कई बार साफ दिखाई देने वाली सड़क कुछ ही मिनटों में अवरुद्ध हो जाती है। इसलिए यात्रा शुरू करने से पहले मौसम और सड़क की स्थिति की जानकारी अवश्य प्राप्त करनी चाहिए। वाहन चालकों को बरसात में सामान्य दिनों की अपेक्षा अधिक सतर्क रहना चाहिए। तेज गति से वाहन चलाने से बचना चाहिए, क्योंकि गीली सड़क पर ब्रेक लगने की दूरी बढ़ जाती है। मोड़ों पर विशेष सावधानी बरतनी चाहिए और ओवरटेक करने से बचना चाहिए। रात के समय यात्रा केवल अत्यंत आवश्यक होने पर ही करनी चाहिए, क्योंकि अंधेरे और बारिश के कारण दृश्यता कम हो जाती है। यात्रियों को भी अपनी सुरक्षा के प्रति जागरूक रहना चाहिए। वाहन से उतरकर भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों में अनावश्यक रूप से खड़े नहीं होना चाहिए। पहाड़ी ढलानों के नीचे या पत्थर गिरने वाले स्थानों पर फोटो खिंचवाने की प्रवृत्ति भी जोखिमपूर्ण साबित हो सकती है। आपदा की स्थिति में प्रशासन और पुलिस के निर्देशों का पालन करना ही समझदारी है। बरसात के मौसम में यात्रा के दौरान आवश्यक सामान साथ रखना भी महत्वपूर्ण है। उत्तराखंड में हर वर्ष लाखों श्रद्धालु और पर्यटक चारधाम, हेमकुंड साहिब तथा अन्य पर्यटन स्थलों की यात्रा करते हैं। इन यात्राओं की सफलता केवल गंतव्य तक पहुंचने में नहीं, बल्कि सुरक्षित लौटने में भी निहित है। प्रकृति का आनंद तभी लिया जा सकता है जब सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। बरसात के मौसम में पहाड़ी मार्गों पर सफर करते समय धैर्य, सतर्कता और जिम्मेदारी सबसे बड़े सुरक्षा कवच हैं। यदि यात्री और चालक सावधानियों का पालन करें तो कठिन परिस्थितियों में भी यात्रा को सुरक्षित और सुखद बनाया जा सकता है। पहाड़ हमें सौंदर्य के साथ-साथ संयम और सावधानी का भी संदेश देते हैं, जिसे समझना और अपनाना हम सभी की जिम्मेदारी है।

चिंतन-मनन

प्रजा का खजाना

फारस के शासक साइरस अपनी प्रजा की भलाई में जुटे रहते थे। लेकिन खुद उनका जीवन सादगी से भरा था। वह रियासत की सारी आमदनी व्यापार, उद्योग और खेतीबाड़ी में लगा देते थे। इस कारण शाही खजाना हल्का रहता था। लेकिन प्रजा खुशहाल थी। एक दिन साइरस के दोस्त और पड़ोसी शासक प्रोशियस उनके यहां आए। उनका मिजाज साइरस से बिल्कुल अलग था। उन्हें प्रजा से ज्यादा अपनी खुशहाली की चिंता रहती थी। उनका खजाना हमेशा भरा रहता था। बातों-बातों में जब प्रोशियस को साइरस के खजाने का हाल मालूम हुआ तो उन्होंने साइरस से कहा, अगर आप इसी तरह प्रजा के लिए खजाना लुटाते रहोगे तो एक दिन वह एकदम खाली हो जाएगा। आप कंगाल हो जाओगे। अगर आप भी मेरी तरह खजाना भरने लगें तो आपकी गिनती मेरी तरह सबसे धनी शासकों में होने लगेगी। साइरस मुस्कराए फिर बोले आप दो दिन ठहरिए मैं इस मामले में लोगों का इम्तिहान लेना चाहता हूं। उन्होंने घोषणा करवा दी कि एक बहुत बड़े काम के लिए साइरस को दौलत की निहायत जरूरत है। उन्हें पूरी उम्मीद है कि प्रजा मदद करेगी। दो दिन पूरा होने से पहले ही शाही महल के बाहर मोहरों, सिक्कों व जेवरों का बड़ा ढेर लग गया। यह देख प्रोशियस हैरत में पड़ गए। साइरस ने कहा, मैंने रियासत का खजाना लोगों की खुशहाली पर खर्च करके एक तरह से उन्हीं को सौंप दिया है। लोग उसमें इजाफा करते रहते हैं। मुझे जब जरूरत होगी वे मुझे लौटा देंगे जबकि तुम्हारा खजाना बांझ है, वह कोई बढ़ोतरी नहीं कर रहा है।

साहित्य के अमर शिल्पकार मुंशी प्रेमचंद और उनकी कालजयी विरासत

दिलीप कुमार पाठक

आज इकतीस जुलाई को हिंदी और उर्दू साहित्य के सबसे बड़े लेखक मुंशी प्रेमचंद की जयंती है। जब हम प्रेमचंद का नाम सुनते हैं तो हमारे दिमाग में एक ऐसे सीधे-साधे इंसान की तस्वीर उभरती है जिसने हमेशा आम जनता की बात की। उन्होंने राजा-रानियों और परियों की काल्पनिक कहानियों को छोड़कर समाज के सबसे गरीब और बेबस लोगों को अपनी लेखनी का हीरो बनाया। प्रेमचंद केवल कहानियां लिखने वाले लेखक नहीं थे बल्कि वे अपने समय से बहुत आगे की सोचने वाले एक सच्चे युग द्रष्टा थे। उन्होंने समाज को देखने और समझने का एक नया नजरिया दिया। उनकी सबसे बड़ी खूबी यह थी कि उन्होंने करीब सौ साल पहले जिन सामाजिक बुराइयों और इंसानी स्वभाव को पहचाना था वे सारी बातें आज भी हमारे समाज में सच साबित हो रही हैं। उन्होंने अपनी रचनाओं के जरिए एक ऐसी साहित्यिक विरासत हमारे बीच छोड़ी है जो हमेशा हमारा रास्ता रोशन करती रहेगी।

प्रेमचंद के पूरे साहित्य की सबसे बड़ी ताकत उसकी सादगी और जमीन से जुड़ी सच्चाई थी। उन्होंने भारत के गांवों, वहां के किसानों और मेहनत करने वाले मजदूरों के दुख-दर्द को बहुत करीब से देखा और महसूस किया था। उनका साहित्य केवल समाज की कमियां नहीं गिनाता बल्कि हमें अंदर से झकझोर कर सोचने पर मजबूर कर देता है। उन्होंने गोदान, गबन और रंगभूमि जैसे महान उपन्यासों के जरिए उस समय के जमींदारों और सूदखोरों पर सीधा हमला किया जो गरीब जनता का खून चूस रहे थे। प्रेमचंद ने पैसों की भूख, जातिवाद, छुआछूत और महिलाओं के साथ होने वाले भेदभाव के खिलाफ अपनी कलम को सबसे बड़ा हथियार बनाया। उनकी दूरदर्शिता इसी बात से समझ आती है कि वे बहुत पहले जान गए थे कि जब तक हमारे देश का किसान खुशहाल नहीं होगा तब तक देश की तरक्की की बातें बिल्कुल अधूरी हैं। उनकी छोटी-छोटी कहानियों का असर इतना गहरा है कि वे सीधे पाठक के दिल में उतर जाती हैं। पूस की रात, कफन और ठाकुर का कुआं जैसी कहानियां मनोरंजन के लिए नहीं लिखी गई थीं बल्कि वे समाज का आईना थीं। कफन कहानी में भूख और तंगहाली के कारण संवेदनहीन हो चुके बाप-बेटे के जरिए उन्होंने दिखाया कि भयंकर गरीबी कैसे इंसान के भीतर की दया और ममता को मार देती है। वहीं ठाकुर का कुआं कहानी में उन्होंने जाति के नाम पर होने वाले उस भेदभाव को दिखाया जो आज भी हमारे समाज में किसी न किसी रूप में दिखाई दे जाता है। प्रेमचंद ने इंसानी दिमाग और उसकी भावनाओं को इतनी गहराई से समझा था कि उनके बनाए किरदार वक्त के साथ पुराने नहीं हुए बल्कि आज भी हमारे आसपास जीते-जागते नजर आते हैं। अगर हम उनके साहित्यिक प्रभाव की बात करें तो प्रेमचंद ने अपने बाद आने वाले लेखकों की कई पीढ़ियों की सोच को पूरी तरह बदल दिया। उन्होंने साहित्य की भाषा को बड़े-बड़े विद्वानों के कमरों से निकालकर आम लोगों की बोलचाल की भाषा बनाया। उन्होंने हिंदी और उर्दू के शब्दों को मिलाकर एक बेहद सरल हिंदुस्तानी भाषा तैयार की जिसे पढ़ना और समझना हर किसी के लिए आसान था। प्रेमचंद का मानना था कि लेखक का काम सिर्फ सुंदर शब्द लिखना नहीं है बल्कि समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाना भी है। उन्होंने साहित्य को समाज में बदलाव लाने का एक जरिया बना दिया जिससे प्रेरणा लेकर बाद के अनगिनत लेखकों ने सच लिखने का रास्ता चुना। प्रेमचंद ने अपना पूरा जीवन बहुत तंगी और अभावों में गुजारा लेकिन उन्होंने कभी अपने स्वाभिमान और सच का साथ नहीं छोड़ा। उन्होंने महलों की सुख-सुविधाओं के आगे झुकने के बजाय विपरीत परिस्थितियों में रहकर सच लिखना ज्यादा ठीक समझा। उनकी यही दूरदर्शिता और आम जनता से जुड़ाव उन्हें साहित्य जगत का असली साहित्य सम्राट बनाता है। उनकी छोड़ी हुई विरासत हमें सिखाती है कि सच्चा साहित्य वही है जो हर दौर में सच का साथ दे और इंसानी भावनाओं को जिंदा रखे। उनका यह प्रभाव आने वाले कई युगों तक ऐसे ही बना रहेगा।

(लेखक पत्रकार हैं)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

धरती तप रही है : बढ़ती गर्मी और मानव जीवन पर मंडराता खतरा

सुनील कुमार महला

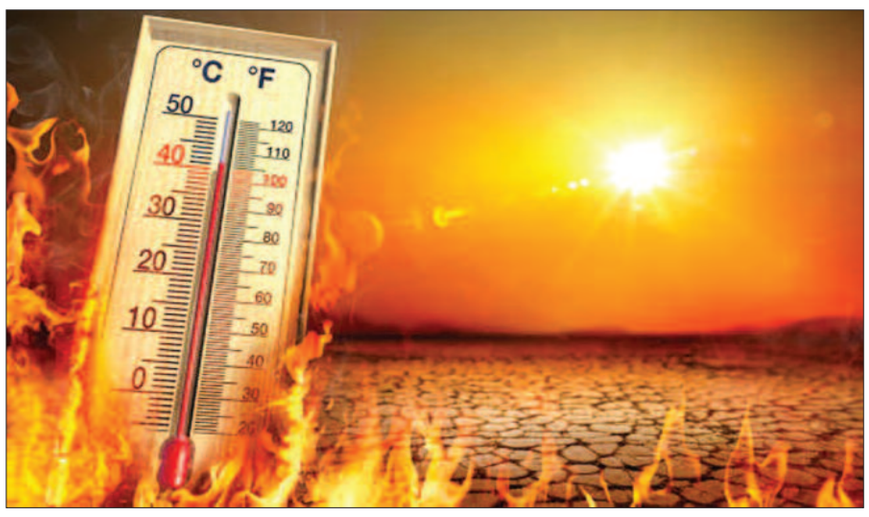

आज धरती का तापमान लगातार बढ़ता ही चला जा रहा है। वास्तव में, कहना गलत नहीं होगा कि वैश्विक तापमान में लगातार हो रही वृद्धि आज पूरी मानवता के लिए एक गंभीर चुनौती बन चुकी है। जीवाश्म ईंधनों के अत्यधिक उपयोग, वनों की अंधाधुंध कटाई, तेजी से बढ़ते औद्योगीकरण, शहरीकरण और कार्बन उत्सर्जन के कारण पृथ्वी का औसत तापमान लगातार बढ़ रहा है। इसका प्रभाव पूरी दुनिया में हीटवेव, सूखा, बाढ़, अनियमित वर्षा, समुद्र-स्तर में वृद्धि और जंगलों में भीषण आग जैसी घटनाओं के रूप में स्पष्ट दिखाई दे रहा है। बढ़ती गर्मी का सबसे अधिक दुष्प्रभाव बच्चों, बुजुर्गों, श्रमिकों तथा गरीब और विकासशील देशों की आबादी पर पड़ रहा है।

इसी संदर्भ में शिकागो विश्वविद्यालय के ऊर्जा नीति संस्थान (इपीआइसी) के अंतर्गत कार्यरत क्लाइमेट इंपैक्ट लैब ने मार्च 2026 में अडैप्टेशन रोडमैपः ह्यूमन हेल्थ-बढ़ते तापमान का मौत पर असर मापना ताकि अडैप्टेशन प्लानिंग को टारगेट किया जा सके शीर्षक से एक महत्वपूर्ण रिपोर्ट प्रकाशित की है। यह रिपोर्ट बढ़ते वैश्विक तापमान के कारण होने वाली ताप-जनित (हीट-रिलेटेड) मौतों तथा उनसे बचाव के उपायों का विस्तृत आकलन प्रस्तुत करती है। रिपोर्ट के अनुसार यदि वैश्विक तापमान वर्तमान गति से बढ़ता रहा, तो अत्यधिक गर्मी के कारण हर वर्ष लगभग 4.3 लाख (430,000) अतिरिक्त लोगों की मृत्यु हो सकती है। इसका सबसे अधिक प्रभाव गरीब देशों पर पड़ेगा, क्योंकि वहाँ जलवायु अनुकूलन (एडैप्टेशन) के लिए आवश्यक संसाधन सीमित हैं। रिपोर्ट यह भी स्पष्ट करती है कि मृत्यु दर केवल तापमान बढ़ने पर निर्भर नहीं करती, बल्कि इस बात पर भी निर्भर करती है कि लोगों को विश्वसनीय बिजली, एयर कंडीशनर, शीतल आवास, स्वास्थ्य सेवाएँ और प्रभावी हीट-एक्शन प्लान जैसी सुविधाएँ उपलब्ध हैं या नहीं। दक्षिण एशिया और उप-सहारा अफ्रीका को सबसे अधिक जोखिम वाला क्षेत्र बताया गया है, क्योंकि वहाँ अत्यधिक गर्मी के साथ गरीबी और ऊर्जा की कमी भी मौजूद है। बढ़ते तापमान का एक और गंभीर परिणाम जंगलों में लगने वाली आग की बढ़ती घटनाएँ हैं। इससे न केवल जैव-विविधता और पर्यावरण को भारी नुकसान पहुँचता है, बल्कि मानव बस्तियाँ भी खतरे में आ जाती हैं। यूरोप, जिसे कभी अपेक्षाकृत ठंडा क्षेत्र माना जाता था, अब वहाँ भी वनाग्नि की घटनाएँ लगातार बढ़ रही हैं। दक्षिण-पश्चिमी फ्रांस के जंगल हाल के वर्षों में भीषण आग से प्रभावित हुए, जिसके कारण लगभग ढाई लाख लोगों को अपने घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर जाना पड़ा। भारत में भी हर वर्ष जंगलों की आग से वन संपदा, वन्यजीवों और पर्यावरण को व्यापक क्षति होती है।

रिपोर्ट का निष्कर्ष है कि यदि अभी से स्वच्छ ऊर्जा, विश्वसनीय बिजली, किफायती शीतलन (कूलिंग) सुविधाओं, प्रभावी हीट-एक्शन प्लान, सुदृढ़ स्वास्थ्य सेवाओं और जलवायु-अनुकूल अवसंरचना में निवेश किया जाए, तो वर्ष 2050 तक होने वाली लाखों संभावित मौतों को रोका जा सकता है। सरल शब्दों में कहें तो यह रिपोर्ट स्पष्ट करती है कि जलवायु परिवर्तन अब केवल पर्यावरण का विषय नहीं रह गया है, बल्कि यह मानव स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था और सामाजिक सुरक्षा के लिए भी गंभीर संकट बन चुका है। इसलिए ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में कमी, हरित ऊर्जा को बढ़ावा, वनों का संरक्षण और प्रभावी जलवायु अनुकूलन उपाय अपनाना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। आज जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए विश्व स्तर पर अनेक योजनाएँ और कार्यक्रम बनाए गए हैं, लेकिन उनका प्रभावी क्रियान्वयन अभी भी बड़ी चुनौती बना हुआ है। विडंबना यह है कि जिन देशों का कार्बन उत्सर्जन में योगदान सबसे कम है, वही जलवायु परिवर्तन के सबसे गंभीर दुष्प्रभाव झेल रहे हैं। दूसरी ओर, विकास के नाम पर प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन, बढ़ता शहरीकरण, औद्योगीकरण, वाहनों की बढ़ती संख्या तथा बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाई कार्बन उत्सर्जन को लगातार बढ़ा रहे हैं। इसमें विकसित देशों का योगदान सबसे अधिक है, फिर भी जलवायु परिवर्तन से निपटने के प्रयासों में उनकी अपेक्षित सक्रियता दिखाई नहीं देती।

अंततः निष्कर्ष के तौर पर यहां पर यह कहना गलत नहीं होगा कि वैश्विक तापमान को कम करना केवल सरकारों की नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। इसके लिए जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम कर सौर, पवन और जल जैसी हरित ऊर्जा को बढ़ावा देना होगा। बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण और वनों का संरक्षण, ऊर्जा की बचत, सार्वजनिक परिवहन और इलेक्ट्रिक वाहनों का अधिक उपयोग, प्लास्टिक प्रदूषण में कमी तथा उद्योगों से होने वाले कार्बन उत्सर्जन पर प्रभावी नियंत्रण आवश्यक है। साथ ही, जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए देशों के बीच सहयोग, वैज्ञानिक अनुसंधान और जन-जागरूकता को भी बढ़ावा देना होगा। यदि आज ठोस और प्रभावी कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाली पीढ़ियों को और भी गंभीर जलवायु संकट का सामना करना पड़ेगा। इसलिए प्रकृति के साथ संतुलित विकास का मार्ग अपनाकर ही पृथ्वी को सुरक्षित, स्वच्छ और रहने योग्य बनाया जा सकता है।

बांग्लादेश से व्यापार के लिए पुतिन ने भारतीय रुपए पर लगाया दाँव, ट्रंप के दूत ढाका दौड़े उलटे पाँव

नीरज कुमार दुबे

रूस ने बांग्लादेश को प्रस्ताव दिया है कि दोनों देशों के बीच होने वाला व्यापार भारतीय रुपये में निपटाया जाए। इसके साथ ही मॉस्को एक विशेष भुगतान तंत्र विकसित करने, ढाका में रूसी बैंक की शाखा खोलने तथा प्रत्यक्ष बैंकिंग संपर्क स्थापित करने की भी पहल कर रहा है।

रूस ने बांग्लादेश के साथ भारतीय रुपये में व्यापार करने का प्रस्ताव देकर दक्षिण एशिया की भू-राजनीति में नई हलचल पैदा की तो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत में अपने राजदूत सर्जियो गोर को तुरंत ढाका जाने का निर्देश दे डाला। इन दोनों घटनाक्रमों को साथ जोड़कर देखें तो तस्वीर साफ नजर आती है। एक ओर रूस अमेरिकी प्रतिबंधों से बचने के लिए भारत की वित्तीय ताकत का सहारा लेकर बांग्लादेश को अपने साथ जोड़ना चाहता है, वहीं दूसरी ओर चीन और रूस के साथ ढाका की बढ़ती नजदीकियों ने वॉशिंगटन की चिंता बढ़ा दी है। माना जा रहा है कि इसी वजह से ट्रंप प्रशासन ने अपने शीर्ष राजनयिक को ढाका भेजने का फैसला किया है। भारत के लिए यह घटनाक्रम इसलिए बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि इसमें रुपया, क्षेत्रीय कूटनीति और हिंद-प्रशांत की बदलती रणनीतिक राजनीति एक साथ जुड़ते दिखाई दे रहे हैं।

हम आपको बता दें कि रूस ने बांग्लादेश को प्रस्ताव दिया है कि दोनों देशों के बीच होने वाला व्यापार भारतीय रुपये में निपटाया जाए। इसके साथ ही मॉस्को एक विशेष भुगतान तंत्र विकसित करने, ढाका में रूसी बैंक की शाखा खोलने तथा प्रत्यक्ष बैंकिंग संपर्क स्थापित करने की भी पहल कर रहा है। यह प्रस्ताव रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद अमेरिकी और पश्चिमी प्रतिबंधों से उत्पन्न वित्तीय संकट का सीधा जवाब है। प्रतिबंधों के कारण रूसी बैंक वैश्विक भुगतान प्रणाली से काफी हद तक कट गए हैं और इसी वजह से मॉस्को चीन, तुर्किये और भारत जैसे देशों के साथ स्थानीय मुद्राओं में व्यापार बढ़ाने की नीति पर तेजी से आगे बढ़ रहा है।

इस प्रस्ताव का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि रूस ने चीनी युआन की बजाय भारतीय रुपये को प्राथमिकता दी है। इससे पहले रूपपुर परमाणु ऊर्जा परियोजना के ऋण भुगतान के लिए युआन का विकल्प सामने आया था, लेकिन चीन और बांग्लादेश के बैंक अमेरिकी प्रतिबंधों के जोखिम के कारण भुगतान प्रक्रिया का हिस्सा बनने से हिचक गए। परिणामस्वरूप अरबों डॉलर की ऋण किस्तें अभी भी सोनाली बैंक में रूस के नाम खोले गए खाते में फंसी हुई हैं। ऐसे में भारतीय रुपया रूस के लिए अपेक्षाकृत अधिक व्यावहारिक और विश्वसनीय विकल्प बनकर उभरा है। यह भारत की वित्तीय विश्वसनीयता और रुपये के बढ़ते अंतरराष्ट्रीय महत्व का भी संकेत है।

बताया जा रहा है कि सितंबर या अक्टूबर में होने वाली बांग्लादेश-रूस अंतर-सरकारी आयोग की बैठक में इस प्रस्ताव पर विस्तार से चर्चा होगी। हम आपको बता दें कि रूस केवल भुगतान व्यवस्था तक सीमित नहीं रहना चाहता, बल्कि रूस-बांग्लादेश बिजनेस काउंसिल, वस्त्र निर्यातकों का पंजीकरण, विशेष आर्थिक क्षेत्रों में निवेश, लघु एवं मध्यम उद्योगों के सहयोग तथा कृषि और खाद्य सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में साझेदारी बढ़ाने का भी प्रस्ताव लेकर आया है। मॉस्को ने बांग्लादेश को अंतरराष्ट्रीय बाजार से 10 डॉलर प्रति टन कम कीमत पर लगभग 2.8 लाख टन यूरिया उर्वरक उपलब्ध कराने की पेशकश भी की है। इसके अलावा सूरजमुखी तेल, दालों और अन्य आवश्यक वस्तुओं के निर्यात में भी रुचि दिखाई है। दूसरी ओर ढाका प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, नवीकरणीय ऊर्जा, डिजिटल अर्थव्यवस्था, नवाचार, कृषि, तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास, कनेक्टिविटी और लॉजिस्टिक्स जैसे क्षेत्रों में सहयोग को अपनी प्राथमिकता बना रहा है।

देखा जाये तो सामरिक दृष्टि से यह घटनाक्रम भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। यदि रूस और बांग्लादेश के बीच व्यापार भारतीय रुपये में होता है, तो यह दक्षिण एशिया में रुपये के अंतरराष्ट्रीय उपयोग को नई गति देगा। इससे डॉलर आधारित भुगतान प्रणाली पर निर्भरता कम होगी और भारत एक क्षेत्रीय वित्तीय सेतु के रूप में उभर सकता है। यह भारत की उस दीर्घकालिक रणनीति के भी अनुकूल है जिसके तहत वह रुपये के अंतरराष्ट्रीयकरण और वैकल्पिक वित्तीय तंत्र के निर्माण पर जोर दे रहा है।

इसी पृष्ठभूमि में सर्जियो गोर का 30 जुलाई का ढाका दौरा विशेष महत्व प्राप्त करता है। सर्जियो गोर, जो दक्षिण एवं मध्य एशिया के लिए अमेरिकी विशेष दूत होने के साथ भारत में अमेरिका के राजदूत भी हैं, वह बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान और विदेश मंत्री खलीलुर रहमान से मुलाकात कर रहे हैं। यह दौरा ऐसे समय हो रहा है जब प्रधानमंत्री तारिक रहमान हाल ही में चीन की यात्रा कर चुके हैं और बीजिंग के साथ व्यापार, आर्थिक गलियारे तथा रक्षा सहयोग को नई गति देने पर सहमति बनी है। विशेष रूप से बांग्लादेश-म्यांमार आर्थिक गलियारे के चीनी प्रस्ताव ने वॉशिंगटन की चिंता बढ़ा दी है।

यही वह बिंदु है जहां पूरी तस्वीर स्पष्ट होती है। रूस आर्थिक मोर्चे पर बांग्लादेश को अपने साथ जोड़ना चाहता है, चीन अवसंरचना और सामरिक संपर्क के माध्यम से अपनी पकड़ मजबूत कर रहा है, जबकि अमेरिका इस बढ़ती रूस-चीन धुरी को संतुलित करने के लिए सक्रिय हो गया है। सर्जियो गोर का ढाका दौरा इसी रणनीतिक प्रतिक्रिया का हिस्सा माना जा रहा है। ट्रंप प्रशासन यह समझता है कि यदि बांग्लादेश रूस और चीन के साथ गहरे आर्थिक एवं सामरिक रिश्ते विकसित करता है, तो बंगाल की खाड़ी से लेकर हिंद-प्रशांत तक शक्ति संतुलन बदल सकता है। इसलिए वॉशिंगटन अब ढाका की विदेश नीति की प्राथमिकताओं को प्रत्यक्ष रूप से समझना और उसे अपने प्रभाव क्षेत्र में बनाए रखना चाहता है।

दूसरी ओर, भारत के लिए यह पूरा घटनाक्रम अवसर इसलिए है कि रूस भारतीय रुपये को क्षेत्रीय भुगतान की धुरी बनाना चाहता है और बांग्लादेश पहले से ही भारत के साथ कुछ व्यापार रुपये में करता है। साथ ही भारत के लिए यह घटनाक्रम चुनौती भी है क्योंकि यदि चीन का आर्थिक गलियारा और रूस की वित्तीय व्यवस्था समानांतर रूप से मजबूत होती है, तो दक्षिण एशिया की भू-राजनीति पहले से कहीं अधिक प्रतिस्पर्धी हो जाएगी। भारत को ऐसे समय संतुलित कूटनीति, मजबूत आर्थिक संपर्क और क्षेत्रीय नेतृत्व के माध्यम से अपनी भूमिका को और सुदृढ़ करना होगा।

बहरहाल, स्पष्ट है कि यह केवल व्यापारिक प्रस्ताव या एक राजनयिक यात्रा की कहानी नहीं है। यह उस नए एशियाई शक्ति-संतुलन का संकेत है जिसमें डॉलर की जगह स्थानीय मुद्राएं, प्रतिबंधों की जगह वैकल्पिक वित्तीय तंत्र और पारंपरिक गठबंधनों की जगह बहुध्रुवीय समीकरण तेजी से आकार ले रहे हैं। बांग्लादेश इस नई भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का केंद्र बनता दिख रहा है और भारत उसकी धुरी बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

संक्षिप्त समाचार

ईरान में पुलिसकर्मियों की हत्या, दोषियों को फांसी

तेहरान, एजेंसी। ईरान में मंगलवार को राज्य मीडिया ने बताया कि जनवरी के विरोध प्रदर्शनों के दौरान चार पुलिस अधिकारियों की हत्या के आरोप में दो पुरुषों को फांसी दी गई। न्यायपालिका से संबद्ध मीजानऑनलाइन की रिपोर्ट के अनुसार, उनकी पहचान अबुलफजल सेपाही बदजानी और अमीर हुसैन सफारी हुसैनाबादी के रूप में हुई है। इन पर इस्फहान शहर में एक पुलिस स्टेशन में आग लगाने और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का भी आरोप था। इस्फहान राजधानी तेहरान से करीब 400 किलोमीटर दक्षिण में स्थित है। ये दोनों जनवरी में देशव्यापी विरोध प्रदर्शनों के दौरान गिरफ्तार किए गए हजारों लोगों में से थे। अधिकार समूहों का कहना है कि और भी लोगों को मौत की सजा मिल सकती है। दिसंबर के अंत में शुरू हुए ये विरोध प्रदर्शन जनवरी तक चले, जिन पर सुरक्षा बलों ने कड़ी कार्रवाई की थी। इससे पहले जुलाई में भी ईरान ने इसी मामले में दो अन्य पुरुषों को फांसी दी थी। ईरान के अनुसार विरोध प्रदर्शनों में 3,000 से अधिक लोग मारे गए, जबकि अधिकार समूह यह संख्या 7,000 से अधिक बताते हैं।

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में मानवाधिकार उल्लंघन : ब्रैडफोर्ड में कश्मीरी कार्यकर्ताओं का विरोध

इस्लामाबाद, एजेंसी। ब्रिटेन के ब्रैडफोर्ड में पाकिस्तान वाणिज्य दूतावास के बाहर कश्मीरी कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू और कश्मीर (पीओजेके) में पाकिस्तान के अत्याचारों और मानवाधिकार उल्लंघन के खिलाफ था। प्रदर्शनकारियों ने पीओजेके के रावलकोट और मीरपुर में सुरक्षा बलों की गोलीबारी में हुई मौतों पर चिंता जताई। पिछले दो दिनों में कई लोग बुनियादी अधिकारों की मांग करते हुए मारे गए। यह विरोध 52 दिन के आंदोलन के दौरान बढ़ा। प्रदर्शनकारी बंदियों की रिहाई और मामले वापस लेने की मांग कर रहे थे। सोमवार को जॉइंट आवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) और अधिकारियों के बीच बातचीत विफल हुई। जेएएसी ने 27 जुलाई को दोपहर 1 बजे तक मांगों की स्वीकृति की समय सीमा दी। समझौता न होने पर हजारों लोग रावलकोट से मुजफ्फराबाद की ओर मार्च करने लगे। इसके बाद पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने प्रदर्शनकारियों पर गोलीबारी की।

टैरिफ से अमेरिकी अर्थव्यवस्था को नुकसान नहीं होगा, इससे अरबों डॉलर का निवेश आएगा : ट्रंप

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका को कहा कि जबरन श्रम (फोर्स्ड लेबर) से जुड़े उत्पादों पर लगाए गए नए टैरिफ से अमेरिकी अर्थव्यवस्था को कोई नुकसान नहीं होगा। उनका कहना है कि इन टैरिफ के कारण देश में सैकड़ों अरब डॉलर का निवेश आएगा। ट्रंप ने फॉक्स न्यूज से बातचीत में कहा कि इस साल की शुरुआत में सुप्रीम कोर्ट द्वारा इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पावर्स एक्ट (आईईईपीए) के तहत लगाए गए शुल्क को रद्द किए जाने के बाद फोर्स्ड लेबर टैरिफ उसी उद्देश्य को हासिल करने का दूसरा तरीका है। अर्थव्यवस्था पर हाल में लगाए गए टैरिफ के असर को लेकर पूछे गए सवाल पर ट्रंप ने कहा, 'नहीं, क्योंकि इससे सैकड़ों अरब डॉलर आ रहे हैं।' पिछले सप्ताह अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएस ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव) ने व्यापार अधिनियम 1974 की धारा 301 के तहत 60 देशों पर 10 प्रतिशत से लेकर 12.5 प्रतिशत तक टैरिफ लगाया था। अमेरिका का कहना है कि इन देशों ने जबरन श्रम से तैयार वस्तुओं के आयात पर प्रतिबंध को प्रभावी ढंग से लागू नहीं किया। ट्रंप ने कहा, 'नहीं, नहीं, टैरिफ को लेकर अफसोस सिर्फ इतना है कि मुझे इसे लागू करने के लिए कठिन रास्ता अपनाना पड़ा, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने बहुत करीबी फैसले में मेरे खिलाफ फैसला दिया।' उन्होंने कहा, 'अब मेरे पास वही काम करने के दूसरे तरीके हैं, लेकिन वे अधिक जटिल हैं। हालांकि, टैरिफ ने इस देश को बहुत संपन्न बनाया है। इसने अमेरिका को समृद्ध किया है।' ट्रंप ने दावा किया कि टैरिफ लगाने की चेतावनी से आठ में से पांच संघर्ष रुक गए, जिनमें पिछले वर्ष भारत और पाकिस्तान के बीच हुआ संघर्ष भी शामिल है।

म्यांमार में आम नागरिकों पर बढ़े हमले

नेपीडॉ, एजेंसी। म्यांमार में नए सैन्य नेतृत्व के आने के बाद आम नागरिकों पर हमले तेज हो गए हैं। एक्लेड की रिपोर्ट के अनुसार, नए सैन्य प्रमुख ये विन ओ के पद संभालने के बाद से सैन्य दमन और हवाई हमले बढ़े हैं। जेट फाइटर विमानों द्वारा टारगेट्स पर बार-बार बमबारी की जा रही है। यह बदलाव तख्तापलट करने वाले नेता मिन आंग ह्लाइंग के राष्ट्रपति बनने से ठीक पहले सेना कमान में फेरबदल के बाद हुआ है। वर्ष 2026 की पहली छमाही में 12 से अधिक सामूहिक हत्याओं में 450 से अधिक नागरिक मारे गए हैं। इनमें से करीब 40 फीसदी मौतें मध्य शुष्क क्षेत्र अन्यायर में हुई हैं।

अमेरिकी कांग्रेस चुनाव: डेमोक्रेटिक पार्टी ने अमीश और पिया को दिया समर्थन; क्या रिपब्लिकन गढ़ में लगेगी सेंध?

वाशिंगटन, एजेंसी। भारतवंशी दो उम्मीदवार अमीश शाह और पिया दांडिया डेमोक्रेटिक पार्टी के चुनाव अभियान में शामिल किए गए हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी नवंबर में होने वाले कांग्रेस चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी से प्रतिनिधि सभा का नियंत्रण वापस हासिल करने की कोशिश कर रही है। डेमोक्रेटिक पार्टी ने मंगलवार को शाह और दांडिया समेत पांच उम्मीदवारों को अपने 'रेड टू ब्लू' अभियान में शामिल किया। इस अभियान के तहत उन उम्मीदवारों को संगठन और धन जुटाने में मदद दी जाती है, जो रिपब्लिकन के प्रभाव वाले क्षेत्रों में कड़ी चुनावी लड़ाई लड़ रहे हैं। डेमोक्रेटिक कांग्रेस अभियान समिति 30 ऐसे उम्मीदवारों का समर्थन कर रही है, जिनके बारे में उसका मानना है कि वे नवंबर के चुनाव में रिपब्लिकन से अपनी सीटें छीन सकते हैं। अमीश शाह पेशे से चिकित्सक हैं और पहले राज्य प्रतिनिधि रह चुके हैं। वह एरिजोना के पहले जिले से चुनाव मैदान में हैं। उनका मुकाबला रिपब्लिकन उम्मीदवार और राष्ट्रीय फुटबॉल लीग के पूर्व खिलाड़ी जे फीली से है। जे फीली को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन मिला हुआ है। पिया दांडिया पहले हाईस्कूल की प्रधानाचार्य रह चुकी हैं। वह दक्षिण फ्लोरिडा के 22वें जिले से चुनाव लड़ रही हैं। यह क्षेत्र नए परिसीमन के बाद बनाया गया है और यहां कोई मौजूदा सांसद चुनाव नहीं लड़ रहा है। भारत से अमेरिका आए माता-पिता की संतान पिया दांडिया ने पहले फ्लोरिडा के 21वें जिले से रिपब्लिकन नेता ब्रायन मास्ट को चुनौती देने की कोशिश की थी। ब्रायन मास्ट प्रतिनिधि सभा की विदेश मामलों की समिति के अध्यक्ष हैं।

डेमोक्रेटिक अभियान समिति के प्रमुख ने क्या कहा : डेमोक्रेटिक कांग्रेस अभियान समिति की अध्यक्ष सुजान डेलबेने ने एक बयान में कहा, पिया एक कामकाजी मां हैं, जो नया भविष्य लिखना चाहती हैं। वह दक्षिण फ्लोरिडा के लोगों के लिए अमेरिकी सपने को ज्यादा आसान बनाना चाहती हैं। इसके लिए वह महंगाई की समस्या से निपटने, सामाजिक सुरक्षा और मेडिकेयर जैसी जरूरी योजनाओं की रक्षा करने और रिपब्लिकन नेताओं को उनके अधूरे वादों के लिए जवाबदेह ठहराने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

अमीश शाह का अब तक का सियासी सफर कैसा रहा : अमीश शाह एरिजोना विधानसभा के तीन बार सदस्य रह चुके हैं। उन्होंने डेमोक्रेटिक कांग्रेस अभियान समिति के समर्थन वाली उम्मीदवार और पूर्व पत्रकार मार्लेन गैलन-वुड्स को हराया था।गैलन-वुड्स इस साल डेमोक्रेटिक कांग्रेस अभियान समिति के समर्थन के बावजूद चुनाव हारने वाली तीसरी उम्मीदवार हैं। इससे पहले कैलिफोर्निया की जस्मीत बैन्स और मेन के जो बाल्डाची भी पार्टी समर्थित उम्मीदवार होने के बावजूद हार चुके हैं।

इंडियन-अमेरिकन इम्पैक्ट नाम के संगठन ने कहा, हम अपने लोकतंत्र के भविष्य की लड़ाई लड़ रहे हैं और

भारतीय-अमेरिकी नेता प्रतिनिधि सभा पर दोबारा नियंत्रण हासिल करने में अहम भूमिका निभाएंगे। यह संगठन भारतीय मूल के अमेरिकियों को सरकार के हर स्तर पर समान प्रतिनिधित्व दिलाने के लिए काम करता है। अमीश शाह का जन्म शिकागो में गुजराती माता-पिता के घर हुआ था, जो 1960 के दशक में भारत से अमेरिका जाकर बसे थे। उन्होंने नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी से स्नातक की डिग्री हासिल की और नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी मेडिकल स्कूल से चिकित्सा की डिग्री ली। वह चिकित्सा शिक्षा से जुड़े कार्यक्रम का हिस्सा भी रहे। शाह के पिता जैन धर्म से हैं और उनकी मां हिंदू हैं।

पिया दांडिया कौन हैं : वहीं, पिया दांडिया पहली पीढ़ी की अमेरिकी नागरिक हैं। उनके चुनाव अभियान की वेबसाइट के अनुसार, उन्होंने हाई स्कूल की प्रधानाचार्य, नीति विशेषज्ञ और तकनीक क्षेत्र में काम करने वाली नवाचारकर्ता के तौर पर समुदायों को मजबूत करने का काम किया है।

पिया दांडिया का जन्म और पालन-पोषण फ्लोरिडा के पाम बीच काउंटी में हुआ। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत एक शिक्षिका के रूप में की। बाद में हार्लेम में हाई स्कूल की प्रधानाचार्य बनीं। उन्होंने कम आय वाले छात्रों के जीवन को बदलने के मकसद से एक हाई स्कूल की स्थापना की। उनका लक्ष्य छात्रों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ाना था। उनके स्कूल से पढ़ने वाले हर एक छात्र को कॉलेज में प्रवेश मिला, जबकि इनमें से 86 फीसदी छात्र कम आय वाले परिवारों से आते थे। चुनावी अभियान की वेबसाइट के अनुसार, वह 28 साल की उम्र में अपने स्कूल की संस्थापक प्रधानाचार्य बनीं। वह देश की सबसे कम उम्र की हाई स्कूल की प्रधानाचार्यों में से एक रहीं।

प्रतिनिधि सभा में भारतीय मूल के कितने सांसद हैं : मौजूदा प्रतिनिधि सभा (हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स) में भारतीय मूल के छह सांसद हैं। इनमें रो खन्ना, राजा कृष्णमूर्ति, श्री थानेदार, सुहास सुब्रमण्यम, अमी बेरा और प्रमिला जयपाल शामिल हैं। रो खन्ना 2028 के राष्ट्रपति चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से उम्मीदवार बनने की तैयारी में रुचि दिखा रहे हैं। राजा कृष्णमूर्ति इलिनॉय से सीनेट चुनाव के लिए हुए डेमोक्रेटिक पार्टी के प्राथमिक चुनाव में हार गए थे।

पीओके में 14 मौतों के बीच पाक रक्षा मंत्री का विवादित बयान, प्रदर्शनकारियों को बताया भारत जैसा दुश्मन

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में बिगड़ते हालात और जारी हिंसा के बीच पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने एक बेहद विवादित बयान देकर आग में घी डालने का काम किया है। सुरक्षा बलों की कार्रवाई में 14 एक्टिविस्टों की मौत के बाद आसिफ ने प्रदर्शनकारियों की तुलना भारत से करते हुए उन्हें देश का दुश्मन करार दिया है।

भारत की तरह दुश्मन हैं प्रदर्शनकारी : एक स्थानीय टीवी चैनल को दिए इंटरव्यू में रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने पीओके की सड़कों पर उतरे लोगों के प्रति कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने कहा, 'मैं इन प्रदर्शनकारियों को भारत की श्रेणी में रखता हूं और उन्हें भी भारत की तरह ही दुश्मन मानता हूं। आसिफ ने प्रदर्शनकारियों के साथ किसी भी प्रकार की बातचीत की संभावना को पूरी तरह खारिज कर दिया। उनके इस बयान ने पीओके में पहले से ही आक्रोशित जनता के गुस्से को और भड़का दिया है।

मुजफ्फराबाद मार्च के दौरान भारी हिंसा : यह विवाद उस समय बढ़ा जब प्रतिबंधित ज्वाइंट अवामी एक्शन कमेटी के नेतृत्व में करीब 5,000 लोग रावलकोट से मुजफ्फराबाद की ओर मार्च कर रहे थे। प्रदर्शनकारियों की मांग है कि पीओके विधानसभा में कश्मीरी शरणार्थियों के लिए आरक्षित 12 सीटों को खत्म किया जाए। जेएएसी का मानना है कि ये सीटें इस्लामाबाद को क्षेत्रीय राजनीति में अनावश्यक

दखल देने का मौका देती हैं। इसी मार्च के दौरान सुरक्षा बलों और प्रदर्शनकारियों के बीच हिंसक झड़प हुई, जिसमें 14 कार्यकर्ताओं की जान चली गई और दो दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। पाक अधिकृत कश्मीर में आर-पार की जंग मृतकों में जेएएसी के संस्थापक सदस्य उमर नजीर के भाई उस्मान नजीर भी शामिल हैं। संगठन का आरोप है कि पाक सेना और पुलिस ने निहत्थे लोगों पर अंधाधुंध गोलियां चलाईं। हालांकि, पाकिस्तानी अधिकारियों ने इन आरोपों को नकारते हुए दावा किया कि प्रदर्शनकारियों के पास आधुनिक हथियार थे और उन्होंने ही सुरक्षा बलों को निशाना बनाया, जिसके बाद आत्मरक्षा में कार्रवाई की गई। भारत ने जताई कड़ी आपत्ति पीओके में मानवाधिकारों के उल्लंघन पर भारत ने भी तीखी प्रतिक्रिया दी है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि पीओके में हो रहे विरोध प्रदर्शन पाकिस्तान के आर्थिक शोषण और प्रशासनिक दमन का नतीजा हैं। भारत ने पाकिस्तान द्वारा कराए जा रहे चुनावों को 'दिखावटी कवायद' बताते हुए दोहराया कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख भारत के अभिन्न और अविभाज्य अंग हैं।

ट्रंप प्रशासन का चीन पर बड़ा प्रहार : ह्यूमनॉइड रोबोट्स के आयात पर लगाया प्रतिबंध, राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बताया बड़ा ख़तरा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और चीन के बीच आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस और रोबोटिक्स क्षेत्र में बढ़त हासिल करने की होड़ के बीच ट्रंप प्रशासन ने एक बड़ा कदम उठाया है। ट्रंप प्रशासन ने मंगलवार को अमेरिका में ह्यूमनॉइड रोबोटों के नए आयात पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है। अमेरिकी प्रशासन का तर्क है कि ये आधुनिक रोबोट देश की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बेहद गंभीर जोखिम पैदा कर सकते हैं, जिसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता। किन-किन तकनीकों और उपकरणों पर लगा बैन? अमेरिकी संघीय संचार आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार यह प्रतिबंध निम्नलिखित उन्नत तकनीकों पर लागू होगाः उन्नत रोबोटिक्सः इसमें इंसानों की तरह दिखने वाले 'ह्यूमनॉइड' और चार पैरों वाले रोबोट्स शामिल हैं, जिनमें से अधिकांश का निर्माण चीन में होता है।

पावर इन्वर्टरः एफसीसी ने डेटा सेंटर और सोलर पैनलों में इस्तेमाल होने वाले पावर इन्वर्टर के आयात पर भी रोक लगा दी है।

एफसीसी की कवर्ड लिस्ट में शामिल : एफसीसी ने इन ह्यूमनॉइड रोबोटों और पावर इन्वर्टरों को अपनी आधिकारिक 'कवर्ड लिस्ट' में शामिल कर लिया है। इस सूची में केवल उन्हीं विदेशी वस्तुओं और सेवाओं को रखा जाता है जिन्हें अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा और अर्थव्यवस्था के लिए संभावित ख़तरा माना जाता है। एफसीसी के अध्यक्ष ब्रेंडन कार ने इस निर्णय की पुष्टि करते हुए कहा कि एजेंसी अमेरिका के महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे और सप्लाई चेन को पूरी तरह से सुरक्षित करने के लिए अपनी ज़िम्मेदारी निभा रही है। रोबोटिक्स और एआई के क्षेत्र में वैश्विक वर्चस्व की इस जंग में अमेरिका का यह कदम काफी आक्रामक माना जा रहा है। हालाँकि, इस नए प्रतिबंध और एफसीसी के फैसले पर अभी तक चीन की ओर से कोई आधिकारिक टिप्पणी या प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

अमेरिका-सऊदी ने इराक में हवाई हमले किए, ईरान समर्थित पीएमएफ के 8 लड़ाके मारे गए; जवाब में ईरान ने बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं

तेहरान/वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका और सऊदी अरब ने इराक में ईरान समर्थित मिलिशिया के ठिकानों पर हवाई हमले किए हैं। अमेरिकी सेना के मुताबिक, इन ठिकानों से अमेरिकी सैनिकों और सऊदी अरब के ऊर्जा ठिकानों पर हमलों की तैयारी की जा रही थी। वहीं, इराक की पॉपुलर मोबिलाइजेशन फोर्स का दावा है कि इन हमलों में उसके 8 लड़ाके मारे गए हैं और कई घायल हुए हैं।

हमलों के कुछ घंटे बाद ईरान ने जवाबी कार्रवाई में कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक, ये मिसाइलें जॉर्डन में अमेरिकी सैन्य अड्डे की ओर दागी गई थीं, लेकिन सभी को रास्ते में ही इंटरसेप्ट कर लिया गया।

उधर, सऊदी अरब ने अपने पूर्वी प्रांत के तेल ठिकानों की ओर बढ़ रहे कई ड्रोन मार गिराने का दावा किया। वहीं, ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने होर्मुज

स्ट्रेट में तीन तेल टैंकर रोकने का दावा किया है। इसके अलावा, यमन के हूती विद्रोहियों ने लाल सागर में एक सऊदी तेल टैंकर पर बैलिस्टिक मिसाइल दागने की बात कही है।

जॉर्डन बोला- ईरान की 5 बैलिस्टिक मिसाइलें मार गिराई : जॉर्डन की सेना ने कहा है कि बुधवार तड़के ईरान से दागी गई 5 बैलिस्टिक मिसाइलों को उसकी एयर डिफेंस सिस्टम ने हवा में ही इंटरसेप्ट कर मार गिराया। सेना के मुताबिक, ये मिसाइलें जॉर्डन के इलाके को निशाना बनाकर दागी गई थीं। इससे पहले ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने दावा किया था कि उसने जॉर्डन में मौजूद अमेरिकी सैन्य अड्डे और अमेरिकी सेंट्रल कमांड के सेंटर पर कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागी हैं।

लगातार हो रहे ड्रोन हमले : अमेरिकी सेंट्रल कमांड यानी सेंटकॉम ने बताया है कि यह बड़ी कार्रवाई लगातार हो रहे ड्रोन हमलों के कड़े जवाब में की गई है। पिछले 72 घंटों में ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (ढ्ढक्रत्रष्ट) के निर्देश पर 30 से भी ज्यादा खतरनाक ड्रोन हमले किए गए। इसके जवाब में दोनों देशों के लड़ाकू विमानों ने पूर्वी इराक में कई आतंकवादी ठिकानों और सामान पहुंचाने वाले रास्तों पर भारी बमबारी की। इससे पहले सऊदी अरब ने इराक से उड़ाए गए उन कई ड्रोन्स को भी रास्ते में ही मार गिराया था जो तेल सुविधाओं की ओर आ रहे थे। सऊदी रक्षा मंत्रालय ने यह पूरी तरह स्पष्ट किया है कि सऊदी अरब इस क्षेत्र में किसी भी तरह का कोई तनाव बढ़ाना नहीं चाहता है। लेकिन उसके देश या उसकी संपत्तियों के खिलाफ होने वाले किसी भी आतंकी हमले का वह बहुत ही माकूल और कड़ा जवाब जरूर देगा। ईरान और अमेरिका के बीच युद्ध शुरू होने के बाद से ईरान कई बार सऊदी अरब को सीधे तौर पर अपना निशाना बना चुका है। लेकिन अब तक सऊदी अरब ने ज्यादातर मामलों में किसी भी तरह का सीधा सैन्य जवाब देने से काफी ज्यादा परहेज ही किया था।

कुमामोटो में भूकंप से हुई तबाही पर पीएम मेलोनी ने जताया दुख, जापान को मदद का दिया भरोसा

रोम, एजेंसी। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने जापान के कुमामोटो प्रांत में आए भीषण भूकंप पर दुख जताते हुए पीड़ि?त लोगों के प्रति? संवेदना व्यक्त की। उन्होंने इस मुश्?कि?ल घड़ी में जापान के साथ इटली की एकजुटता और समर्थन का भरोसा दिलाया। मेलोनी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, ''जापान के लोगों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। कुमामोटो प्रांत में आए भीषण भूकंप से जो तबाही हुई है, उससे प्रभावित सभी लोगों के बारे में मेरी सोच और प्रार्थनाएं उनके साथ हैं। राहत और बचाव के काम में दिन-रात जुटे सभी लोगों का भी आभार, यह बहुत ही सराहनीय कार्य है।'' मेलोनी ने कहा कि? मेरी मित्र प्रधानमंत्री साने तकाइची और पूरे जापान देश के लिए इटली की सरकार की ओर से हमारी एकजुटता और पूरा समर्थन है। स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, मंगलवार को दक्षिण-पश्चिमी जापान में 7.1 तीव्रता का भूकंप आया, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। कई लोगों के मलबे में फंसे होने की आशंका जताई जा रही है। जापान की फायर एंड डिजास्टर मैनेजमेंट एजेंसी के अनुसार, स्थानीय दमकल विभाग से मिली जानकारी में बताया गया कि एयॉन मॉल कुमामोटो की दूसरी मंजिल का एक हिस्सा गिर गया है और कई लोगों के अंदर फंसे होने की आशंका है।

रिपोर्ट के मुताबिक, दमकलकर्मी स्थिति की जांच करने और बचाव अभियान चलाने में जुटे हुए थे। सिन्हुआ समाचार की जानकारी के अनुसार, एजेंसी ने बताया कि घायल लोगों को अस्पताल पहुंचाया गया है। हालांकि घायलों की संख्या और उनकी हालत के बारे में अभी जानकारी नहीं दी गई है। पुलिस और दमकल अधिकारियों के अनुसार, उन्हें शाम करीब छह बजे स्थानीय समय पर कई आपातकालीन कॉल मिलीं। कॉल करने वालों ने बताया कि एयॉन मॉल कुमामोटो से विस्फोट जैसी आवाज आई और सफेद धुआं उठता दिखाई दिया। यात्सुशिरो स्टेशन पर एक मालगाड़ी पटरी से उतरकर पलट गई, हालांकि ट्रेन चालक को कोई चोट नहीं आई। रिपोर्टों के मुताबिक, कुमामोटो में करीब 50 लोगों को अस्पताल ले जाया गया है। स्थानीय दमकल विभाग को कई लोगों के अपने घरों के अंदर फंसे होने की सूचना भी मिली है।

क्योडो की रिपोर्ट के अनुसार, भूकंप स्थानीय समय के अनुसार शाम करीब 4:27 बजे आया। इसकी गहराई लगभग दस किलोमीटर थी। जापान की मौसम एजेंसी के मुताबिक, सबसे ज्यादा प्रभावित इलाकों में भूकंप की तीव्रता जापान के भूकंपीय पैमाने पर अधिकतम सात दर्ज की गई।

दक्षिण-पश्चिमी जापान में एरिएक सागर और यात्सुशिरो सागर के लिए एक मीटर ऊंची सुनामी की चेतावनी जारी की गई है।

ट्रंप से मिले जेलेंस्की और नेतन्याहू, यूक्रेन युद्ध और ईरान संकट पर हुई अहम बातचीत

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को व्हाइट हाउस में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की और इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ अलग-अलग बैठकें कीं। ये बातचीत ऐसे समय हुई जब अमेरिका दो युद्धों और उनसे जुड़े कठिन कूटनीतिक फैसलों का सामना कर रहा है। दोनों बैठकें ओवल ऑफिस में बंद दरवाजों के पीछे हुईं। व्हाइट हाउस ने किसी भी बैठक में मीडिया को शामिल नहीं किया। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने 'एक्स' पर लिखा, 'राष्ट्रपति ट्रंप ने ओवल ऑफिस में राष्ट्रपति जेलेंस्की और प्रधानमंत्री नेतन्याहू के साथ अपनी बैठकें पूरी कर ली हैं। दोनों बैठकें सकारात्मक और अच्छी रहीं। जेलेंस्की सुबह करीब 9:40 बजे व्हाइट हाउस पहुंचे और वेस्ट विंग के एक साइड एंट्रेंस से अंदर गए। रिपोर्टों के अनुसार, नेतन्याहू दोपहर करीब 12:25 बजे वहां से रवाना हुए। बाद में इजरायली प्रधानमंत्री कार्यालय ने ट्रंप और नेतन्याहू की साथ में तस्वीरें जारी कीं। एक इजरायली अधिकारी ने बैठक को 'बहुत सकारात्मक' बताया। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी के अनुसार, दोनों नेताओं की बातचीत में ईरान के साथ युद्ध, लेबनान से जुड़ी बातचीत और अब्राहम समझौते को आगे बढ़ाने के प्रयासों पर चर्चा होने की उम्मीद थी। नेतन्याहू से उम्मीद थी कि वे ट्रंप को ईरान की कथित गतिविधियों से जुड़ी खुफिया जानकारी देंगे। इसमें पिकैक्स माउंटेन नाम की एक भूमिगत जगह भी शामिल थी, जिसके बारे में माना जाता है कि उसका संबंध तेहरान के परमाणु कार्यक्रम से है। हालांकि, ट्रंप इस बात से नाराज दिखे कि इजरायली नेता ने अपनी योजना के बारे में पहले ही सार्वजनिक रूप से बता दिया था। ट्रंप ने फॉक्स न्यूज से कहा, 'मैंने सुना कि नेतन्याहू ने इसकी घोषणा कर दी। मैंने कहा, 'आप मुझे ही क्यों नहीं बता देते? इसे पूरी दुनिया को बताने की क्या जरूरत थी? अमेरिकी राष्ट्रपति ने संकेत दिया है कि वे ईरान के साथ दोबारा बातचीत के पक्ष में हैं, जबकि इजरायल ईरान पर लगातार दबाव बनाए रखने की बात करता रहा है। ट्रंप ने सोमवार को माना था कि दोनों देशों के बीच कुछ मतभेद हैं। उन्होंने कहा था, 'हमारे बीच थोड़ा अंतर है, लेकिन हम काफी करीब हैं।

मंगलवार को ट्रंप ने फिर ईरान को चेतावनी दी कि अगर तेहरान किसी समझौते पर नहीं पहुंचता है, तो अमेरिका पुलों और बिजली संयंत्रों जैसे ठिकानों पर हमला कर सकता है।

हंगामे और हिंसा के बीच नवाज शरीफ की पार्टी ने पहले दौर में लहराया परचम

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में विधानसभा चुनाव के पहले चरण के नतीजों का आधिकारिक ऐलान हो गया है। इन शुरुआती नतीजों में पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की पार्टी पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज ने बहुत ही बड़ी और शानदार बढ़त हासिल की है। अनौपचारिक और शुरुआती नतीजों के मुताबिक पहले चरण की कुल 13 सीटों में से 9 सीटों पर नवाज शरीफ की पार्टी ने अपना मजबूत कब्जा जमाया है। वहीं दूसरी तरफ पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी को सिर्फ 4 सीटों पर ही जीत नसीब हो सकी है जो उनके लिए एक बहुत बड़ा झटका है। चुनाव के पहले चरण में मीरपुर, कोटली और भीम्बर जिलों की 13 अहम सीटों पर बहुत ही कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मतदान कराया गया था। यह मतदान प्रक्रिया शाम 5 बजे तक चली, लेकिन जो मतदाता पहले से मतदान केंद्र पर मौजूद थे उन्हें वोट डालने के लिए एक घंटे का अतिरिक्त समय भी दिया गया। हालांकि इस पूरे मतदान के दौरान कई जगहों पर भारी हिंसा, फायरिंग और बैलेट बॉक्स जलाने जैसी बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और हिंसक घटनाएं भी सामने आई हैं। इसके बावजूद मतगणना का काम पूरा किया गया और अब चुनाव के नतीजे साफ तौर पर नवाज शरीफ की पार्टी के पक्ष में दिखाई दे रहे हैं।

नवाज शरीफ की पार्टी का दबदबा : शुरुआती नतीजों के अनुसार पीएमएल-एन ने मीरपुर, भीम्बर और कोटली जिलों की कई प्रमुख और अहम सीटों पर अपनी बहुत ही बड़ी जीत दर्ज की है। वहीं दूसरी तरफ पीपीपी ने मीरपुर और कोटली की कुल चार सीटों पर सफलता पाई है, जो उसकी उम्मीदों से काफी ज्यादा कम मानी जा रही है। इस चुनावी नतीजे ने यह बिल्कुल साफ कर दिया है कि पहले चरण में जनता का भारी समर्थन मुख्य रूप से नवाज शरीफ की पार्टी को ही मिला है। इन 9 सीटों पर भारी जीत के साथ पीएमएल-एन ने क्षेत्र की सत्ता पर अपना मजबूत दावा और भी ज्यादा पुख्ता कर लिया है।

मतदान के दौरान फायरिंग और मौत :

मतदान के दौरान कोटली-2 के नकयाल इलाके के एक मतदान केंद्र पर अचानक भारी फायरिंग की घटना हुई जिसने पूरे इलाके में भारी सनसनी फैला दी। इस दुखद और खतरनाक हिंसक घटना में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य लोग बहुत ही बुरी तरह से घायल हो गए। पुलिस ने वहां की बिगड़ती स्थिति और तनाव को देखते हुए कुछ समय के लिए मतदान को पूरी तरह से रोक दिया था। पीपीपी का यह दावा है कि मारा गया व्यक्ति उनका कार्यकर्ता मुख्तार यूनुस था, जिसे पीएमएल-एन के समर्थकों ने जानबूझकर गोली मारी है।

बिलावल भुट्टो ने जताया कड़ा विरोध : पीपीपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी ने इस दुखद और हिंसक घटना पर अपना कड़ा विरोध और बहुत गहरा दुख सार्वजनिक तौर पर व्यक्त किया है। उन्होंने मृतक के परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना जताते हुए कहा कि चुनाव पूरी तरह से निष्पक्ष और बिना किसी हिंसा या विवाद के होने चाहिए। उन्होंने कड़ी चेतावनी दी कि अगर चुनाव विवादित होंगे तो भविष्य में बनने वाली नई सरकार के जनादेश पर भी बहुत गंभीर और बड़े सवाल उठेंगे। उन्होंने 12 रिफ्यूजी सीटों के बड़े विवाद को भी चुनाव से पहले पूरी तरह सुलझाने की बात कही थी।

बैलेट बॉक्स में लगाई गई आग : ला-6 भीम्बर में दो राजनीतिक दलों के उग्र समर्थकों के बीच एक बहुत बड़ी और हिंसक झड़प भी मतदान के दौरान स्पष्ट रूप से देखने को मिली। इस दौरान कुछ उपद्रवी लोगों ने एक बैलेट बॉक्स छीनकर उसमें आग लगा दी, जिसमें पहले से ही करीब 232 वोट मौजूद थे। इस भयानक घटना के तुरंत बाद सुरक्षा कारणों से वहां के दो मतदान केंद्रों पर चल रहे मतदान को पूरी तरह से रोक दिया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा है कि मामले की जांच की जा रही है।

बढ़ती उमस कर न दे पस्त

मौसम अपने साथ उमस भरा माहौल भी लेकर आता है। घुटन और नमी से भरा यह मौसम कई बार असहनीय ही नहीं, हमारे स्वास्थ्य और खासकर त्वचा के लिए खतरनाक साबित होता है। उमस को अपनी सेहत पर हावी होने से कैसे रोके

वातावरण में मौजूद नमी का असर शरीर से निकलने वाले पसीने पर आसानी से देखा जा सकता है। पसीने के बारे में विशेषज्ञों का मानना है कि यह प्राकृतिक तौर पर शरीर की रक्षा करने का काम करता है। शरीर को नुकसान पहुंचाने वाले अतिरिक्त अल्कोहल, कोलेस्ट्रॉल और नमक को शरीर से बाहर निकालकर यह शरीर में संतुलन बनाए रखता है और विभिन्न संक्रामक रोगों से हमें बचाता है। गर्मी के मौसम में पसीना भाप बनकर उड़ जाता है और शरीर को ठंडा रखता है। लेकिन उमस वाले मौसम में यह पसीना सूख नहीं पाता है और शरीर को चिपचिपाहट से भर देता है।

उमस का असर

उमस वाले मौसम में वातावरण में बीमारियां फैलाने वाले बैक्टीरिया, वायरस और फंगस सक्रिय हो जाते हैं, जिनसे किसी भी उम्र का व्यक्ति शिकार हो सकता है। इस मौसम में त्वचा संबंधी रोग ज्यादा पनपते हैं। वातावरण की नमी हमारी त्वचा के पोर बंद कर देती है, जिससे त्वचा सांस नहीं ले पाती। त्वचा के भीतर समुचित मात्रा में ऑक्सीजन नहीं पहुंच पाता और त्वचा बेजान-सी हो जाती है। अगर साफ-सफाई का ध्यान नहीं रखा जाए तो त्वचा फंगल इंफेक्शन, रैशेज, मुंहासे और फोड़े-फुंसियों की चपेट में आ जाती है। शरीर के ऐसे हिस्से जहां पसीने ज्यादा आते हैं, वहां रैशेज पड़ जाते हैं और खुजली होने लगती है। चेहरे पर मवाद से भरे मुंहासे उभर आते हैं, जिनसे कई बार चेहरे पर निशान भी पड़ जाते है। तापमान में नमी का असर हमारे बालों पर भी पड़ता है। नियमित सफाई के अभाव में बाल चिपचिपे और बेजान हो जाते हैं। डैंड्रफ हो जाते हैं, जिससे बाल ज्यादा गिरने लगते हैं।

इसके अलावा कम पानी पीने और खानपान की गलत आदतों से आप डीहाइड्रेशन की शिकार भी हो सकती हैं। उमस के इस मौसम में पसीना बहुत आता है, जिससे शरीर में पानी की कमी हो जाती है। उमस वाले मौसम में खाना जल्दी खराब हो जाता है और ऐसा खाना खाने से पाचन तंत्र कमजोर हो जाता है। नमी भरे मौसम से नींद आना, मांसपेशियों में ऐंठन, चक्कर, उल्टी और सिर दर्द जैसी समस्याओं का भी सामना करना पड़ सकता है।

सूती और हल्के कपड़े पहनें

इस मौसम में सिंथेटिक, मोटे और टाइट फिटिंग के कपड़ों के बजाय हल्के रंगों वाले पतले और सूती कपड़े पहनें। टाइट फिटिंग और ज्यादा कसीदाकारी वाले कपड़े पहनने से बचें। ऐसा करने से आपको गर्मी और उमस से परेशानी भी कम होगी और ज्यादा पसीना आने के बावजूद आपको कम परेशानी होगी।

खान-पान का रखें ध्यान

खानपान के मामले में एहतियात बरत कर ही आप उमस भरे वातावरण में सेहतमंद रह सकती हैं। डीहाइड्रेशन से बचने के लिए भरपूर मात्रा में पानी पिएं और उबला पानी पीने की कोशिश करें। पानी में एक चम्मच शहद मिलाकर पीने से विषाक्त पदार्थ आसानी से शरीर से बाहर निकल जाएंगे। मूली के रस में काली मिर्च पाउडर और एक चुटकी सेंधा नमक मिलाकर पीना भी इस मौसम में फायदेमंद है। खाने के मामले में सतर्कता बरतें। घर का बना और कम चिकनाई वाला खाना ही खाएं। खाने में अदरक, अजवायन का प्रयोग करें। तुलसी और अदरक की चाय पिएं। शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होगी और उमस से लड़ने में शरीर को मदद मिलेगी।

निजी साफ-सफाई का रखें

नमी भरे वातावरण में होने वाली चिपचिपाहट से बचने के लिए अपनी साफ-सफाई का खास ध्यान रखें। ठंडे पानी से दिन में दो बार नहाएं। साफ-सुथरे कपड़े पहनें। वातावरण में मौजूद बैक्टीरिया, वायरस, फंगस और धूल के कणों पर काबू पाने के लिए एंटीबैक्टीरियल या ग्लिसरीन युक्त साबुन से स्नान करें। बालों में हर दूसरे दिन शैंपू करें ताकि नमी से उन्हें नुकसान न हो। त्वचा को संक्रमण से बचाने के लिए उसे सूखा रखें और एंटी-बैक्टीरियल पाउडर का इस्तेमाल सकती हैं।

आदत बदलें सेहत सुधारें

कभी-कभी छोटी-छोटी बातें फायदेमंद साबित हो जाती हैं। सेहत के मामले में भी ऐसा ही है। भले ही आप जिम नहीं जा पा रहीं या नियमित रूप से व्यायाम नहीं कर पा रही हैं, पर अपनी आदतों में हल्का-सा बदलाव लाकर भी अपनी सेहत को सुधार सकती हैं। सेहतमंद रहने के लिए सबसे ज्यादा जरूरी क्या है? सही खानपान! हां, लेकिन यह काफी नहीं है। इसके साथ और भी कई चीजें हैं जो स्वस्थ जीवन के लिए जरूरी हैं। खानपान की सही आदतों के साथ उन आदतों पर गौर करना बेहद जरूरी हो जाता है, जिनसे हमारी सेहत जुड़ी हुई है। विभिन्न आहारविदों का मानना है कि हम भले ही स्वास्थ्य के प्रति कितने भी सजग और सचेत हों, लेकिन हम अपनी रोजमर्रा की आदतों में खानपान के साथ-साथ कई ऐसी गलतियां करते हैं जिनका हमारे स्वास्थ्य पर नकारात्मक असर पड़ता है। आइये देखें कि उन्हें कैसे सुधार सकते हैं :-

पिज्जा में सॉस ज्यादा, चीज कम

पिज्जा का मजा तो तभी आता है जब उसमें खूब सारी चीज हो। खाने में लजीज लगने वाला चीज हमारे सेहत के लिए ठीक नहीं है, क्योंकि यह पूरी तरह से सैचुरेटेड फैट होता है। खाने में ज्यादा चीज दिल का दौरा, ओवेरियन डिस्ऑर्डर, कैंसर और डायबिटीज जैसी बीमारियों का कारण बन सकता है। इसलिए जब अगली बार पिज्जा ऑर्डर करें तो उसमें चीज की मात्रा कम और टोमैटो सॉस की मात्रा ज्यादा करने को कहें। टमाटर में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो शरीर में किसी भी तरह के ट्यूमर को विकसित होने से रोकते हैं।

खाने के साथ जूस हो

-ई लोग खाने के साथ कोल्ड ड्रिंक या एनर्जी ड्रिंक्स लेते हैं। कोल्ड ड्रिंक और एनर्जी ड्रिंक्स सेहत के लिए ठीक नहीं होते। इनमें कार्बोहाइड्रेट की मात्रा काफी ज्यादा होती है। इनका एक और नुकसान यह भी है कि ये खाने के पौष्टिक तत्वों को शरीर द्वारा अवशोषित करने नहीं देते। खाने के पौष्टिक तत्वों का पूरा लाभ उठाने के लिए कोल्ड ड्रिंक की जगह जूस लें। खासकर संतरे का जूस आयरन के अवशोषण को बढ़ा देता है।

तकिए को जांच लें

सालों साल एक ही तकिया। इन्हें बदलने के बारे में तो हम सोचते भी नहीं। लेकिन क्या आपको पता है कि गलत तकिया गर्दन, कंधों और यहां तक कि पीठ व कमर के दर्द का सबब बन सकता है? इसके अलावा इससे आलस, नींद अधूरी रहने का अहसास, थकान भी हो सकती है। इसलिए एक समय के बाद अपने तकियों को बदल डालें। लेकिन तकिये के बदलने का समय आ गया है यह कैसे पता चलेगा? तकिए को बीच से मोड़ें और फिर उसे छोड़ दें। अगर तकिया खुद दोबारा खुल जाता है तो वह अब भी इस्तेमाल लायक है, पर यदि तकिया खुलता नहीं है, तो उसे बदल डालें।

कुछ चीजों को बदलना जरूरी है

बीमारी से उठने के बाद हम कुछ चीजें करना भूल जाते हैं। मसलन, दांत साफ करने वाले ब्रश को बदलना। अगर बीमारी सर्दी या बुखार से संबंधित है तो ब्रश बदलना और भी जरूरी हो जाता है क्योंकि बीमारी के दौरान इस्तेमाल किए जाने की वजह से वे संक्रमित हो जाते हैं। ऐसे में यदि आप उन्हीं ब्रश और टंग क्लीनर को स्वस्थ होने के बाद भी इस्तेमाल करेंगी तो बीमार होने का खतरा बना रहेगा। ठीक इसी तरह आंखों के साथ भी होता है। यदि आपको आंखों में इंफेक्शन हो जाए और उस दौरान यदि आपने स्टिक काजल इस्तेमाल किया है तो उसे दोबारा इस्तेमाल न करें। सबसे आखिर में लेकिन सबसे ज्यादा जरूरी बात यह कि घर में जितनी खराब हो चुकी या एक्सपायर हो चुकी दवाएं हैं उन्हें फेंक दें।

कंधों पर ज्यादा बोझ ठीक नहीं

कंधों पर ज्यादा बोझ सेहत के लिए ठीक नहीं। अमेरिकी शोधकर्ताओं के एक हालिया रिपोर्ट की मानें तो बैग का भार 1.3 किलोग्राम से ज्यादा नहीं होना चाहिए। इससे ज्यादा भारी बैग आपके शारीरिक ढांचे को यानी पोस्चर को बिगाड़ सकता है।

मधुमेह के रोगियों को नेत्र रोगों का खतरा

मधुमेह से पीड़ित रोगियों के लिए जहां अपने गुर्दों और पैरों की देखभाल बहुत जरूरी होती है, वहीं उन्हें खान-पान संबंधी ढेर सारे परहेज भी करने पड़ते हैं। अब वैज्ञानिकों ने मधुमेह के संबंध में यह तथ्य भी उजागर किया है कि मधुमेह के रोगियों को नेत्र संबंधी रोगों का खतरा भी अपेक्षाकृत अधिक होता है, इसलिए उन्हें अपने गुर्दों के साथ-साथ अपनी आंखों की भी विशेष देखभाल करनी चाहिए।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि मधुमेह से पीड़ित रोगियों में 'डायबिटिक रेटीनोपेथी' नामक बीमारी होने की संभावना बहुत ज्यादा होती है। इस बीमारी में रोगी व्यक्ति को न सिर्फ मोतिया बिंद की शिकायत हो सकती है बल्कि धीरे-धीरे उसकी आंखों की रोशनी भी कम होती जाती है और एक समय ऐसा भी आ सकता है जब उसकी आंखों की रोशनी पूरी तरह से समाप्त हो जाए यानी व्यक्ति नेत्रहीन हो जाए।

मधुमेह के रोगियों को नेत्र संबंधी इस तरह खतरों के मद्देनजर विशेषज्ञ यही सलाह देते हैं कि मधुमेह के रोगियों को समय-समय पर किसी अच्छे नेत्र विशेषज्ञ से अपनी आंखों का चैकअप कराते रहना चाहिए और कभी भी आंखों में किसी भी तरह की समस्या का एहसास हो तो अपने डाक्टर से डिस्कस करके तुरंत उसका इलाज कराना चाहिए।

कई रोगों की एक दवा हैं

कढ़ी पत्ता

कढ़ी पत्ते का प्रयोग हर घर की रसोई में किया जाता है । यें हमारे भोजन को स्वादिष्ट बनाने के साथ-साथ हमारी सेहत को भी तंदरूस्त रखने में मदद करता है। कढ़ी पत्ते का प्रयोग करने से पेट संबंधी रोगों से छुटकारा पाया जा सकता है। इसमें कैल्शियम, आयरन, फास्फोरस और विटामिन्स की भरपूर मात्रा पाई जाती है ।यें हमारे मोटापे को कम करने में भी मदद करता है ।कढ़ी पत्ते में इतने औषधीय गुण पाएं जाते है जो हमारे स्वास्थ्य को निरोग रखने में मदद करते है।

- कढ़ी पत्ते का सेवन करने से कई बीमारियों से भी छुटकारा पाया जा सकते है ।मुंह में छाले होने पर और सिरदर्द से भी राहत दिलवाने में मदद करता है।
- कढ़ी पत्ता का सेवन करने से बालों की समस्या से छुटकारा पाया जा सकता है। कढ़ी पत्ते के सेवन से बाल जल्दी सफेद नहीं होते ।
- कढ़ी पत्ता का सेवन करने से पेट संबंधी रोगों से छुटकारा पाया जा सकता है ।भोजन में कढ़ी पत्ते का प्रयोग करने से पाचन क्रिया भी तंदरूस्त रहती है।
- कढ़ी पत्ता मोटोपे से भी निजात दिलवाने में मदद करता है। हर रोज कढ़ी पत्तियों को चबाकर खाने से मोटापा कम हो जाता है।
- कढ़ी पत्ते में नींबू की कुछ बूंदे मिलाकर और उसमें थोड़ी सी चीनी मिलाकर लेने ले उल्टी से राहत मिलती है।
- कढ़ी पत्ते का सेवन करना डायबीटिज के रोगियों के लिए भी फायदेमंद होता है।
- कढ़ी पत्ते का सेवन करना किडनी के रोगियों के लिए भी फायदेमंद होता है ।
- कढ़ी पत्ते का सेवन करना आंखों की रोशनी के लिए लाभकारी होता है।

मुस्कान बन जाएगी आपकी पहचान

आपकी खूबसूरती को बयां करने मे आपके मोती जैसे दांतों की अहम भूमिका होती है। जितनी सुंदर आप हैं, यदि उतनी ही अच्छी आपकी मुस्कान है तो लोगों से रूबरू होने का आपका अंदाज ही निराला होगा। आजकल दांतों की सुंदरता को बरकरार रखना पहले के मुकाबले कहीं ज्यादा आसान हो गया है। कैसे अपने दांतों की खूबसूरती बढ़ाकर खूबसूरत मुस्कान पाएं।

स्पिलिंट से दे सही आकार - अगर आपके दांत टेढ़े-मेढ़े हैं तो आपकी मुस्कराहट प्रभावशाली नहीं हो सकती। दांतों को सही शेप देने के लिए पहले के दौर में वायरिंग की मदद ली जाती थी। आजकल वायरिंग की जगह ले ली है, अदृश्य रहने वाली स्पिलिंट्स ने। ये प्लास्टिक के वायर ही होते हैं, जो आपके दांतों पर लगाये जाते हैं ताकि आपके दांतों को सही आकार मिले। ये पारदर्शी होते हैं इसलिए अदृश्य रहते हैं और इलाज के दौरान भी आपकी मुस्कराहट उतनी ही मोहक बनी रहती है।

वाइटनिंग कराने से नहीं कोई नुकसान - कोल्ड ड्रिंक, स्मोकिंग, जंक फूड, ड्रिंकिंग ये सब ऐसी आदतें हैं जो आपके दांतों पर पायी जाने वाली सफेद परत को नुकसान पहुंचाकर उसे खराब करती हैं और हमेशा के लिये आपके दांतों की खूबसूरती छीन लेती है। अक्सर हम इस डर से अपने दांतों के पीलेपन का इलाज नहीं कराते क्योंकि हमें लगता है कि इससे हमारे दांतों को नुकसान होगा। लेकिन इस बारे मे मौलाना आजाद इंस्टिटयूट ऑफ डेंटल साइंस के डॉक्टर हिमांशु कहते हैं, 'दांतों की सफाई कराने में कोई नुकसान नहीं है। कम से कम 6 महीने में एक बार तो डेंटिस्ट से चेकअप कराकर सफाई करवानी चाहिए, क्योंकि यह पद्धति पूरी तरह से सुरक्षित होती है। बाजार में मिलने वाले वाइटनिंग टूथपेस्ट से बचना चाहिए क्योंकि उनमें कई हानिकारक केमिकल होते हैं जो आपके दांतों को नुकसान भी पहुंचा सकते हैं। उन्हें प्रयोग में लाने से पहले एक बार डॉक्टर से सलाह जरूर लें।'

फिर से आया दांतों पर गहने जड़ने का फैशन

हजारों साल पहले माया सभ्यता के लोग अपने दांतों पर रत्न इत्यादि जड़वाते थे ताकि आपने दांतों को सुंदर दिखा सकें। आजकल युवाओं में ये फैशन फिर से छाया हुआ है, वजह इसकी प्रक्रिया बहुत आसान है और इसकी देखभाल भी। बस डॉक्टर्स द्वारा दांतों में भरे जाने वाले कम्पोजिट सेरेमिक से किसी भी तरह की ज्वेलरी आपके दांतों पर लगा दी जाती है और आपको बस रोजाना की तरह अपने दांतों की सफाई ही करनी होती है। तो अब आपके दांत भी आपके स्टाइल का स्पेशल हिस्सा हो सकते हैं।

इम्प्लांटेशन और सेरेमिक भी दें खूबसरती

पहले के जमाने में सोना और चांदी को लोग अपने दांतों में भरवाया करते थे, लेकिन तब वह दांतों के बीच अलग-सा दिखाई देता था। आजकल डेंटिस्ट सफेद सेरेमिक बेस के कम्पोजिट्स को दांतों के बीच की दूरी को पाटने के लिये प्रयोग करते हैं, इससे वह हिस्सा आपके दांतों में अलग से नहीं दिखाई देता और आपकी मुस्कराहट पूरी एक साथ और एक जैसी चमक बिखेरती है। इसके अलावा आजकल एक-एक दांत भी अलग से लगवाया जा सकता है और दांतों का पूरा सेट भी इंप्लांट कराया जा सकता है यानी कारण कोई भी हो आपके दांतों की खूबसूरती कभी कम नहीं होगी।

ई-लाइब्रेरी युवाओं के सपनों की उड़ान को दे रही परवाज

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में युवाओं को पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया और बेहतर तैयारी का वातावरण उपलब्ध कराने की दिशा में राज्य सरकार लगातार कार्य कर रही है। नकल विरोधी कानून लागू करने के साथ ही दूरस्थ क्षेत्रों के युवाओं के लिए जिला स्तर पर पुस्तकालयों का संचालन किया जा रहा है, ताकि उन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए गुणवत्तापूर्ण संसाधन मिल सकें। इसी क्रम में चमोली जिला प्रशासन द्वारा संचालित ई-लाइब्रेरी युवाओं के लिए एक महत्वपूर्ण अध्ययन केंद्र बनकर उभरी है। यहां छात्र-छात्राएं आधार कार्ड और 500 शुल्क जमा कर अध्ययन की सुविधा प्राप्त कर सकते हैं। लाइब्रेरी में इंटरनेट सहित अन्य आवश्यक सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गई हैं। वर्तमान में ई-लाइब्रेरी में 2,600 छात्र-छात्राओं का पंजीकरण हो चुका है, जबकि प्रतिदिन लगभग 90 विद्यार्थी यहां अध्ययन करने पहुंचते हैं। ई-लाइब्रेरी का सकारात्मक परिणाम भी सामने आया है। वर्ष 2023-24 में 11 तथा 2024-25 में 17 छात्र-छात्राओं का विभिन्न सरकारी भर्ती परीक्षाओं में चयन हुआ।

छात्रों ने टहनियां काटकर बनाया रास्ता, फिर गए स्कूल

उत्तरकाशी। अस्सी गंगा घाटी के सेकू गांव के लोगों की मुसीबत कम होने का नाम नहीं ले रही है। बीती बुधवार रात में गांव को जोड़ने वाली सड़क पर दोबारा भूस्खलन होने के कारण पेड़ गिर गए हैं। इससे बच्चों को सुबह गजोली हाईस्कूल जाने के लिए पेड़ की टहनियों को काटकर भूस्खलन वाले क्षेत्र से जान जोखिम में डालकर आवाजाही करने को मजबूर होना पड़ा। स्थानीय निवासी चतर सिंह राणा ने बताया कि सेकू गांव में स्थिति दिन प्रतिदिन खराब होती जा रही है। गांव को जोड़ने वाले मार्ग पर पहले भूस्खलन के कारण पैदल मार्ग सहित सड़क पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए हैं। बीते बुधवार को वहां से शिक्षकों की भूस्खलन जोन में जान जोखिम में डाल आवाजाही करते हुए तस्वीरें सामने आई थी। वहीं, बुधवार देर रात को दोबारा भूस्खलन होने के कारण अब वहां पर मलबा और बोल्डर के साथ पेड़ उखड़कर आए हैं। इससे सेकू से हाईस्कूल गजोली जाने वाले छात्र–छात्राओं को जान जोखिम में डालकर आवाजाही करने को मजबूर होना पड़ रहा है।

केदारनाथ धाम में कैरी मी बैक पॉलिसी से अब तक 7 टन सूखे कूड़े का निस्तारण

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : पवित्र श्री केदारनाथ धाम में सूखे कूड़े के प्रभावी प्रबंधन और पर्यावरण संरक्षण को लेकर जिला प्रशासन की अभिनव पहल कैरी मी बैक पॉलिसी लगातार सफल साबित हो रही है। जिलाधिकारी विशाल मिश्रा के मार्गदर्शन में नगर पंचायत केदारनाथ द्वारा हीलिंग हिमालयास फाउंडेशन एवं सुलभ इंटरनेशनल के सहयोग से संचालित इस अभियान के तहत अब तक 7 टन सूखे कूड़े का सफलता पूर्वक निस्तारण किया जा चुका है।

यह अभियान उपजिलाधिकारी ऊखीमठ एवं प्रभारी अधिकारी नगर पंचायत केदारनाथ के निर्देशन में संचालित किया जा रहा है। विभिन्न संस्थाओं के बेहतर समन्वय के कारण यह पहल यात्राकाल में पर्यावरण संरक्षण की दिशा में प्रभावी भूमिका निभा रही है। कैरी मी बैक पॉलिसी के तहत श्रद्धालु अपनी स्वेच्छा से केदारनाथ धाम में उपलब्ध कराए गए विशेष बैग में लगभग 4 से 5 किलोग्राम सूखा कूड़ा एकत्र कर उसे अपने साथ गौरीकुंड तक लाते हैं। इसके बाद सुलभ इंटरनेशनल द्वारा एकत्रित कूड़े का वैज्ञानिक एवं पर्यावरणीय मानकों के अनुरूप अंतिम निस्तारण किया जाता है। इस कूड़े में मुख्य रूप से प्लास्टिक की बोतलें, रैपर, पैकेजिंग सामग्री तथा अन्य सूखा अपशिष्ट शामिल होता है। अभियान के अंतर्गत हीलिंग हिमालयास फाउंडेशन श्रद्धालुओं को कूड़ा संग्रहण के लिए बैग उपलब्ध कराने के साथ-साथ गौरीकुंड में कूड़े के सुरक्षित संग्रहण की व्यवस्था भी सुनिश्चित करता है, जबकि सुलभ इंटरनेशनल उसके परिवहन एवं वैज्ञानिक निस्तारण की जिम्मेदारी निभा रहा है।

नगर पंचायत केदारनाथ के अधिशासी अधिकारी नीरज कुकरेती ने बताया कि यात्रा अवधि के दौरान ष्कैरी मी बैक पॉलिसीष् के माध्यम से अब तक 7 टन कूड़ा केदारनाथ धाम से गौरीकुंड लाया जा चुका है। उन्होंने कहा कि यह अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा और श्रद्धालुओं के सहयोग से केदारनाथ धाम को स्वच्छ, सुंदर एवं पर्यावरण अनुकूल बनाए रखने का प्रयास लगातार किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

लंगासू जीआईसी परिसर में खतरा बना जर्जर भवन

कर्णप्रयाग। बदरीनाथ हाईवे पर जीआईसी लंगासू के परिसर में 1991 और 1993 में बने दो जर्जर भवन छात्र–छात्राओं, शिक्षकों के लिए बड़ा खतरा बन गए हैं। एक भवन के बीम लटके और लिंटर झुके हुए हैं जबकि दूसरा भी बदहाल है। परिसर के बीच स्थित होने के कारण यहां हर वक्त हादसे की आशंका बनी हुई है। शिक्षकों और अभिभावकों ने भवन को जल्द तोड़ने की मांग की। अभिभावक यशवंत असवाल और प्रधान साक्षी असवाल ने बताया कि लोनिवि कर्णप्रयाग से इन्हें तोड़ने (डिस्मेंटल) की कई बार मांग कर चुके हैं। प्रधानाचार्य आरएस राणा ने कहा कि लोनिवि को लगातार पत्र भेजे जा रहे हैं लेकिन इसका संज्ञान अभी तक नहीं लिया गया। वहीं लोनिवि के सहायक अभियंता अमित चौहान ने बताया कि निरीक्षण के बाद एक अति जर्जर भवन को निष्प्रयोज्य घोषित कर दिया गया है जबकि दूसरे के परीक्षण के लिए विद्यालय प्रबंधन को एजेंसी से जांच कराने की सलाह दी गई है।

ल्वाणी का संस्कृति सरंक्षण मेला हुआ राजकीय

देवाल। ल्वाणी गांव के पिलखड़ा मंदिर में होने वाला श्री नंदा राजराजेश्वरी संस्कृति संरक्षण मेला अब राजकीय मेलों की सूची में शामिल हो गया है। इस निर्णय से 21 साल से संचालित इस पौराणिक मेले के आयोजन में सरकारी सहायता मिलेगी।

उत्तराखंड शासन के उप सचिव हीरा बसेड़ा ने 17 जुलाई 2026 को संस्कृति विभाग को पत्र भेजकर इसकी पुष्टि की। यह मेला 8 जुलाई 2026 को मुख्यमंत्री की घोषणा में शामिल था। मेला अध्यक्ष महाबीर बिष्ट ने क्षेत्रीय विधायक भूपाल राम टम्टा और प्रदेश सरकार का आभार जताया। उन्होंने बताया कि आयोजक 21 साल से अपने संसाधनों से इस मेले का आयोजन कर रहे थे। राजकीय मेलों की सूची में शामिल होने से मेले के संचालन में अब मदद मिल सकेगी।

जिला स्तरीय तहसील दिवस 4 को

जिलासू। जनसमस्याओं के त्वरित समाधान के लिए 4 अगस्त को तहसील परिसर में जिला स्तरीय तहसील दिवस आयोजित किया जाएगा। यह आयोजन पूर्वाह्न 11 से दोपहर 2 बजे तक चलेगा। अपर जिलाधिकारी विवेक प्रकाश ने इस संबंध में निर्देश जारी किए। उन्होंने सभी जिला स्तरीय अधिकारियों की उपस्थिति अनिवार्य बताई। अधिकारियों को मौके पर ही शिकायतों की सुनवाई कर त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करने को कहा गया। प्रशासन ने क्षेत्र के लोगों से समस्याओं के निराकरण के लिए निर्धारित तिथि और समय पर तहसील जिलासू पहुंचने की अपील की।

लोगों को मानव तस्करी के खिलाफ किया जागरूक

पुरोला। विश्व मानव तस्करी विरोधी दिवस पर तहसील परिसर में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण उत्तरकाशी के निर्देशानुसार जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में लोगों को मानव तस्करी के खिलाफ जागरूक करते हुए किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस एवं प्रशासन को देने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में तहसीलदार कमल सिंह राठौर ने कहा कि मानव तस्करी एक जघन्य अपराध है जिसकी रोकथाम के लिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति की जागरूकता और सहभागिता आवश्यक है। उन्होंने कहा कि महिलाओं, बच्चों और कमजोर वर्गों को इस अपराध के प्रति जागरूक कर व समय रहते सूचना देकर मानव तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सकता है।

कार्यक्रम का आयोजन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, उत्तरकाशी एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, नैनीताल के निर्देशानुसार विश्व मानव तस्करी विरोधी दिवस के तहत किया गया। इस अवसर पर पीएलवी दर्शन लाल, अरुण सिंह, अमित नेगी, सुरेन्द्र लाल, सोवेन्द्र, केशर नेगी, बिजेन्द्र पंवार, श्रीदेव, अनिल खंडूड़ी, महेश आर्य मौजूद रहे।

लामबगड़ भूस्खलन क्षेत्र का ट्रीटमेंट कार्य प्रभावित

गोपेश्वर। बदरीनाथ हाईवे पर स्थित लामबगड़ भूस्खलन क्षेत्र में पहाड़ी के ट्रीटमेंट का कार्य लगातार हो रही भारी बारिश के कारण प्रभावित हो गया है। राष्ट्रीय राजमार्ग खंड रुद्रप्रयाग की ओर से पहाड़ी के करीब 50 मीटर हिस्से का सुधारीकरण पिछले एक वर्ष से किया जा रहा है लेकिन बारिश के कारण काम समय पर पूरा नहीं हो पा रहा है। बारिश के साथ पहाड़ी से मिट्टी और बोल्डर लगातार हाईवे पर गिर रहे हैं जिससे जेसीबी और पोकलेन मशीनों का संचालन भी बाधित हो रहा है। भूस्खलन के कारण बदरीनाथ धाम की यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं और अन्य यात्रियों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार मौसम अनुकूल होने पर ट्रीटमेंट कार्य में तेजी लाई जाएगी।

जागरूकता एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम, नशा मुक्ति का दिया संदेश

जयन्त प्रतिनिधि। सतपुली : सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार के क्षेत्रीय कार्यालय पौड़ी तथा केंद्रीय संचार ब्यूरो के तत्वावधान में अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कॉलेज श्रीकोटखाल में जागरूकता एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान नशा मुक्ति एवं स्वच्छता पर चित्रकला प्रतियोगिता, भारतीय न्याय संहिता विषय पर निबंध प्रतियोगिता, प्रश्नोत्तरी एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं के विजेता छात्रों को पुरस्कृत किया गया।

कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं को नशा, साइबर क्राइम, बच्चों के कानूनी अधिकारी, राष्ट्रीय लोक अदालत के बारे में जानकारी दी गई। वहीं थाना प्रभारी सतपुली रियाज अहमद ने छात्र-छात्राओं को साइबर क्राइम, मोबाइल से होने वाले अपराध एवं महिला कानून संबंधी जानकारी दी। इस मौके पर मुख्य अतिथि राकेश नैथानी भाजपा एकेश्वर मंडल अध्यक्ष,

पीएलवी पुष्पेंद्र राणा, खंड शिक्षा अधिकारी डॉ. गुंजन आरोही, चिकित्साधिकारी श्रीकोटखाल डॉ. संदीप कुमार, पूर्व प्रधान गोली रवि कुमार, क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी लीलाधर पांडे, प्रधानाचार्य संजय रावत, एसएमसी अध्यक्ष पूर्णा देवी, भाजपा एकेश्वर मंडल महामंत्री सुनील रावत आदि मौजूद थे।

अदरक की बेहतर कीमत के लिए सितंबर में निकालें

नई टिहरी। कृषि विज्ञान केंद्र रानीचौरी में आयोजित वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक में किसानों की समस्याओं के अनुसार प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने पर जोर दिया गया। वैज्ञानिकों ने किसानों को अदरक की बेहतर कीमत के लिए सितंबर में कल्ले समेत अदरक की गांठ निकालने, फसलों में एक ही तरह की रासायनिक दवा का लगातार इस्तेमाल न करने और सब्जी फसलों का क्षेत्रफल बढ़ाने का सुझाव दिया। वीर चंद्र सिंह गढ़वाली उत्तराखंड औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय भरसार के कुलपति प्रो. भगवती प्रसाद भट्ट की अध्यक्षता में वानिकी महाविद्यालय रानीचौरी के बैठक संपन्न हुई। कुलपति भट्ट ने कृषि विज्ञान केंद्र की ओर से किए जा रहे कार्यों की सराहना की। विवि के सह निदेशक शोध प्रो. अमोल वशिष्ठ ने कृषि विज्ञान केंद्र में होने वाले कार्यक्रम बताए। कृषि विज्ञान केंद्र रानीचौरी के प्रभारी अधिकारी डॉ. आलोक येवले ने वर्ष 2025–26 की प्रगति और वर्ष 2026–27 की कार्ययोजना प्रस्तुत की। औद्यानिकी महाविद्यालय भरसार के अधिष्ठाता प्रो. एके जोशी ने किसानों को औद्यानिकी और कृषि फसलों में रासायनिक कीटनाशकों का एक ही समूह लगातार इस्तेमाल करने के बजाय अलग–अलग समूह की दवाओं को बदल–बदलकर इस्तेमाल करने की सलाह दी। निदेशक शैक्षणिक डॉ. अरविंद बिजल्वाण ने किसानों को तकनीकी जानकारी उपलब्ध कराने पर जोर दिया।

किमाणा गांव में बढ़ा भूस्खलन का दायरा, दो परिवार किए शिफ्ट

ज्योतिर्मठ। लगातार हो रही बारिश के कारण ज्योतिर्मठ विकासखंड के किमाणा गांव में भूस्खलन का दायरा बढ़ गया है। रास्तों, खेतों और घरों के आसपास मिट्टी के ढेर लग गए हैं। कटाव से पेयजल लाइन क्षतिग्रस्त हो गई है। प्रशासन ने खतरे की जद में आए दो परिवारों को सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट कर दिया है। गांव के अन्य परिवारों में भी दहशत का माहौल बना है। लोगों ने प्रशासन से स्थायी सुरक्षा उपाय करने की मांग की है। गांव के ऊपरी हिस्से में सक्रिय भूस्खलन से बारिश के पानी के साथ बड़ी मात्रा में मलबा और मिट्टी बहकर गांव तक पहुंच रही है। इससे पैदल रास्ते, खेत और घरों के आसपास मिट्टी के ढेर लग गए हैं। कई स्थानों पर रास्तों में कटाव हो गया है जबकि पेयजल लाइन भी क्षतिग्रस्त हो गई है। खेतों में खड़ी फसल को भी नुकसान पहुंचा है। ग्राम प्रधान शशि देवी ने बताया कि भूस्खलन का दायरा बढ़ रहा है और गांव में लगातार खतरा बढ़ रहा है। भोग मंडी की दीवार भी क्षतिग्रस्त हो गई है। एसडीएम चंद्रशेखर वशिष्ठ ने बताया कि प्रशासन स्थिति पर लगातार नजर बनाए है। प्रभावित दो परिवारों को सुरक्षित स्थान पर भेज दिया गया है। पेयजल लाइन और पैदल मार्गों की मरम्मत के लिए संबंधित विभागों को निर्देश दिए गए हैं। साथ ही संभावित विस्थापन की आवश्यकता का आकलन करने के लिए भू–वैज्ञानिक सर्वे भी कराया जाएगा।

16 अगस्त तक ई–केवाईसी कराएं, वरना नहीं मिलेंगी गैस

कर्णप्रयाग। गढ़वाल मंडल विकास निगम की ओर से संचालित इंडेन रसोई गैस एजेंसी में अब तक 2200 उपभोक्ता अपने कनेक्शन की ई–केवाईसी नहीं करा पाए हैं। ई–केवाईसी नहीं कराने पर इन उपभोक्ताओं को रसोई गैस के लिए दिक्कत आ सकती है। एजेंसी ने 16 अगस्त तक उपभोक्ताओं को ई–केवाईसी कराने का सर्कुलर जारी किया है। इंडेन रसोई गैस सर्विस कर्णप्रयाग से आदिबदरी, गैरसैंण, नौटी, नंदासैंण, गौचर और नारायणबगड़ सहित अन्य कस्बों में रसोई गैस की आपूर्ति की जाती है। एजेंसी के पास करीब 14300 रसोई गैस के उपभोक्ता हैं लेकिन इनमें करीब 2200 उपभोक्ता ऐसे हैं जिन्होंने ई–केवाईसी नहीं कराई है। इंडेन गैस सर्विस कर्णप्रयाग के डीईओ अरविंद डिमरी ने सभी एलपीजी उपभोक्ताओं से गैस कनेक्शन की ई–केवाईसी प्रक्रिया समय से पूरी करने की अपील की।

सिलिंडर वितरण के लिए चौदह वितरण स्थल बनाएं

गौचर। नगर क्षेत्र में रसोई गैस वितरण व्यवस्था सुदृढ़ करने के लिए पालिका अध्यक्ष संदीप नेगी ने जिला पूर्ति अधिकारी को प्रस्ताव भेजा। उन्होंने सिलिंडर वितरण के लिए चौदह वितरण स्थल बनाने की मांग की। नेगी ने इंडेन और भारत गैस सर्विस एजेंसियों को उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए निर्देशित करने के लिए कहा। वर्तमान में नगर में आठ रसोई गैस वितरण स्थल हैं। बढ़ती आबादी और उपभोक्ताओं की संख्या को देखते हुए नए वितरण स्थल बनाने को कहा। उन्होंने जिला पूर्ति अधिकारी से सभी चौदह प्रस्तावित स्थलों पर गैस वितरण सुनिश्चित करने की मांग की।

बदहाल शिक्षा व्यवस्था पर फूटा लोगों का गुस्सा

घनसाली (टिहरी)। भिलंगना ब्लॉक क्षेत्र की बदहाल शिक्षा व्यवस्था के विरोध में जन संघर्ष मोर्चा के बैनर तले जनप्रतिनिधियों, अभिभावकों ने खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय पर प्रदर्शन कर धरना दिया। इस दौरान उन्होंने बीईओ कार्यालय में तालाबंदी करने की कोशिश भी की। पुलिस ने उन्हें रोकने का प्रयास किया तो दोनों पक्षों के बीच धक्का–मुक्की भी हुई। बाद में वे धरने पर बैठ गए।

बृहस्पतिवार को क्षेत्र के जन प्रतिनिधि और अभिभावक विद्यालयों में रिक्त शिक्षकों के पदों पर नियुक्ति की मांग को लेकर नारेबाजी करते हुए खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय में पहुंचे। उनका कहना है कि क्षेत्र के कई विद्यालयों में छात्र–छात्राओं की संख्या अधिक होने के बावजूद पर्याप्त शिक्षक नहीं हैं। कई कम छात्र संख्या वाले विद्यालयों में शिक्षकों की संख्या अधिक है।

जन संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष संदीप आर्य ने कहा कि शिक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर कई महीनों से विभाग और शासन को पत्र भेजे जा रहे हैं लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं

हुई। उन्होंने कहा कि भिलंगना क्षेत्र में 46 राजकीय इंटर कॉलेज हैं जिनमें 45 विद्यालय प्रधानाचार्य विहीन हैं और पूरे क्षेत्र में केवल एक प्रधानाचार्य कार्यरत हैं।

जिला पंचायत सदस्य विक्रम घणाता ने कहा कि जन संघर्ष मोर्चा लंबे समय से शिक्षा और स्वास्थ्य के मुद्दों को लेकर संघर्ष कर रहा है। सरकार ने कई विद्यालयों को अटल उत्कृष्ट विद्यालय घोषित कर दिया, लेकिन वहां पर्याप्त शिक्षक नहीं हैं। जिला पंचायत सदस्य अनुज शाह ने कहा कि अधिकांश विद्यालयों में शिक्षकों की कमी लंबे समय से बनी हुई है।

उच्च प्राथमिक विद्यालय रिंगालगढ़ एक शिक्षक के भरोसे

नई टिहरी। जौनपुर ब्लॉक के राजकीय कन्या उच्चतर प्राथमिक विद्यालय रिंगालगढ़ एक शिक्षक के भरोसे संचालित हो रहा है। शिक्षकों की कमी का खामियाजा छात्र–छात्राओं को भुगतना पड़ रहा है। पठन–पाठन प्रभावित होने से अभिभावकों में बच्चों के भविष्य की चिंता सता रही है।

राजकीय कन्या उच्चतर प्राथमिक विद्यालय रिंगालगढ़ में वर्तमान में 47 छात्र–छात्राएं अध्ययनरत है। लेकिन शिक्षकों की कमी का सीधा असर छात्रों की पढ़ाई पर पड़ रहा है। क्षेत्र पंचायत सदस्य रिंगालगढ़ सीमा देवी, अभिभावक सुरेंद्र सिंह, वीरेंद्र सिंह, राजेंद्र सिंह आदि ने बताया कि विद्यालय में एक मात्र शिक्षिका कार्यरत हैं। तीन वर्ष पूर्व विद्यालय में चार शिक्षकों की तैनाती थी लेकिन शिक्षकों के स्थानांतरण होने के बाद उनके स्थान पर कोई भी नये शिक्षक विद्यालय में नहीं भेजा गए जिसके चलते विद्यालय में छात्र संख्या भी घटती जा रही है। अभिभावकों की मांग पर शिक्षा विभाग ने 18 माह पूर्व एक शिक्षक को व्यवस्था के तौर पर विद्यालय में भेजा था लेकिन उनका स्वास्थ्य खराब होने के कारण वह विगत कई माह पूर्व मेडिकल पर चल गए थे। इसके बाद विद्यालय में एक ही शिक्षिका रह गई है वह भी सामान्य विषय की। विद्यालय में गणित और अंग्रेजी जैसे मुख्य विषयों के शिक्षकों की कमी के चलते बच्चों का भविष्य चौपट होने में लगा है।

सड़क बंद होने से गर्भवती को नहीं पहुंचाया जा सका अस्पताल

घनसाली (टिहरी)। बारिश से बालगंगा तहसील क्षेत्र का बूढ़ाकेदार–पिनस्वाड़ मोटर मार्ग कई स्थानों पर मलबा और भूस्खलन आने से बंद है जिससे बीते दिन बुधवार को पिनस्वाड़ गांव की एक गर्भवती महिला को समय पर अस्पताल नहीं पहुंचाया जा सका। इस दौरान घर पर ही प्रसव होने से नवजात की मौत हो गई। घटना के बाद ग्रामीणों ने सड़क बंद होने से स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंचने में आ रही दिक्कतों पर चिंता जताई है। ग्राम प्रधान वीना देवी ने बताया कि ग्राम पंचायत पिनस्वाड़ निवासी आरती देवी पत्नी ब्रेस सिंह को प्रसव पीड़ा होने पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बेलेश्वर ले जाने की तैयारी की गई थी लेकिन बूढ़ाकेदार–पिनस्वाड़ मोटर मार्ग बंद होने के कारण वाहन गांव तक नहीं पहुंच सका। समय पर चिकित्सा सुविधा नहीं मिलने के कारण घर पर ही प्रसव हुआ जिसमें नवजात की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि आरती देवी की हालत सामान्य है। प्रधान वीना देवी ने कहा कि लगातार बारिश के कारण सड़क बाधित है। इससे बीमार, बुजुर्ग और गर्भवती महिलाओं समेत अन्य जरूरतमंद लोगों को अस्पताल पहुंचने में परेशानी हो रही है। उन्होंने प्रशासन से मोटर मार्ग को तत्काल सुचारु कराने की मांग की है।

गोरशाली–जखोल मोटर मार्ग का हिस्सा हुआ ध्वस्त

उत्तरकाशी। बारिश के कारण गोरशाली–जखोल मोटर मार्ग का एक हिस्सा ध्वस्त होने से आवागमन जोखिमभरा हो गया है जबकि सड़क पर जगह–जगह बने गड्ढों से वाहन चालकों और ग्रामीणों को जान जोखिम में डालकर सफर करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि पीएमजीएसवाई विभाग ने जल्द मरम्मत कार्य शुरू नहीं किया तो वे आंदोलन के लिए मजबूर होंगे।

बृहस्पतिवार को चारधाम विकास परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष सूरतराम नौटियाल के नेतृत्व में बड़ी संख्या में ग्रामीण कलेक्ट्रेट पहुंचे। इस दौरान उन्होंने डीएम प्रशांत आर्य को ज्ञापन सौंपकर सड़क की बदहाली से अवगत कराया। ग्रामीणों ने बताया कि यह मार्ग गोरशाली, पाई, द्वारी, जौकाणी और जखोल समेत कई गांवों की जीवनरेखा है।

पिछले वर्ष की बारिश में सड़क का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया था लेकिन अब तक स्थायी मरम्मत नहीं होने से खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। कहा कि यदि सड़क पूरी तरह ध्वस्त हो गई तो क्षेत्र का तहसील और जिला मुख्यालय से संपर्क टूट जाएगा। इससे शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य जरूरी सेवाओं पर भी गंभीर असर पड़ेगा।

जयन्त
संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।
CONT. 9412081969
PRGI NO. 35469/79

नीली से केसरिया हुई भारतीय हॉकी टीम की जर्सी को लेकर बढ़ा विवाद, हॉकी इंडिया ने बताया क्यों बदला रंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय पुरूष और महिला हॉकी टीमें अगले महीने नीदरलैंड और बेल्जियम में होने वाले FIH विश्व कप में पारंपरिक नीली जर्सी नहीं बल्कि केसरिया रंग की जर्सी पहनेगी। जर्सी का रंग बदलने के इस फैसले पर विवाद के बाद हॉकी इंडिया ने कहा है कि कोचों और खिलाड़ियों के अनुरोध पर तकनीकी कारणों से यह फैसला लिया गया है। इस फैसले पर हालांकि पूर्व कप्तान वीरेन रासकिन्हा ने सवाल उठाते हुए कहा है कि हॉकी टीम बरसों से नीली जर्सी में खेलती आई है और प्रशंसक भी उसे इसी रंग में देखना चाहते हैं।

विवाद के बाद हॉकी इंडिया ने एक बयान में कहा, 'यह देखा गया कि नीली जर्सी नीले रंग की एस्ट्रो टर्फ (मैदान की सतह) के साथ घुल-मिल जाती थी जबकि अंतरराष्ट्रीय हॉकी पिचों के लिए नीला रंग ही अब मानक है। इस एक जैसे रंग की वजह से खिलाड़ियों को मैदान पर साफ देखने में दिक्कत होती थी।' इसमें कहा गया 'कोचों और खिलाड़ियों ने पीले या केसरिया जैसे दूसरे रंगों का सुझाव दिया। अच्छी तरह सोच विचार के बाद केसरिया रंग को चुना गया। तकनीकी जरूरत को पूरा करने के अलावा केसरिया रंग का गहरा महत्व भी है क्योंकि यह हमारे राष्ट्रीय ध्वज के रंगों में से एक है और साहस, त्याग और राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक है।'

इसमें कहा गया, 'कोचों और खिलाड़ियों से तकनीकी फीडबैक मिलने और हमारे राष्ट्रध्वज का रंग होने से इस रंग के सांकेतिक महत्व को देखते हुए यह फैसला किया गया।' जर्सी विवाद के राजनीतिक रंग लेने के बीच हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने स्पष्ट किया कि यह फैसला किसी के कहने पर नहीं बल्कि सिर्फ तकनीकी कारणों से लिया गया। टिर्की ने कहा, 'मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि जर्सी का रंग बदलने के लिए किसी का दबाव नहीं था। यह सिर्फ खिलाड़ियों, कोचों और सहयोगी स्टाफ के अनुरोध पर किया जा रहा है। इसका कारण पूरी तरह से तकनीकी है। मैं अनुरोध करता हूं कि टूर्नामेंट से पहले ऐसा कोई अनावश्यक विवाद नहीं हो जिससे टीम और खिलाड़ियों पर असर हो।'

इससे पहले हॉकी इंडिया ने अपने सोशल मीडिया पेज पर नई जर्सी का अनावरण करते हुए कहा कि जर्सी का डिजाइन और रंग एक कहानी बताने और भारत का गौरव दिखाने के लिए है। हॉकी इंडिया ने कहा कि केसरिया रंग साहस, बलिदान और जीत का प्रतीक है। इसने कहा, 'भारत के राष्ट्रध्वज और उगते हुए सूरज से प्रेरित यह जर्सी नयी शुरूआत की प्रतीक है।'

विश्व कप 15 से 30 अगस्त के बीच खेला जाएगा। जर्सी पर 'मंडाला' कला से प्रेरित पैटर्न हैं जो भारत की सांस्कृतिक विरासत दर्शाते हैं। हॉकी इंडिया ने कहा कि इस पर गहरा नेवी ब्लू रंक अशोक चक्र से प्रेरित है जो प्रगति, शांति और फोकस का प्रतीक है। हॉकी इंडिया ने कहा कि छाती पर बना ग्राफिक सुदर्शन चक्र का एक आधुनिक रूप है, जो 'ताकत, एकता और गति' का प्रतीक है। कंधों और बाजुओं पर तिरंगे की पाइपिंग है जो राष्ट्रीय गौरव को द्योतक है। जर्सी के आगे के हिस्से पर देवनागरी लिपि में 'इंडिया' लिखा है जो भारत की भाषाई और सांस्कृतिक विविधता को दर्शाता है।

हॉकी इंडिया ने कहा ,'नयी जर्सी 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना की परिचायक है।' भारतीय टीम के पास केसरिया के साथ इसी तरह की सफेद जर्सी भी होगी । पूर्व कप्तान रासकिन्हा ने हालांकि जर्सी का रंग बदलने के फैसले पर सवाल किया है। उन्होंने एक्स पर

लिखा, 'हॉकी इंडिया ने खेल के लिये बहुत कुछ किया है लेकिन यह निराशाजनक है। भारतीय टीम की विरासत और पहचान नीला रंग रही है। मैंने कई साल तक गर्व से नीली जर्सी पहनी है। प्रशंसक हमारी टीम को नीले रंग में देखना चाहते हैं। यह केसरिया रंग का क्या तुक है।' ओलंपिक गोल्ड क्वेस्ट के सीईओ ने कहा, 'मेरा सरल और सीधा प्रश्न अपने गर्व, पहचान और विरासत से जुड़ा है।'

हॉकी इंडिया ने अपने बयान में कहा कि पहले भी जर्सी का रंग बदलता रहा है। इसमें कहा गया, 'भारतीय हॉकी में टीम की जर्सी का रंग बदलने का यह नया मामला नहीं है। समय समय पर राष्ट्रीय टीम की किट का रंग जरूरत के हिसाब से बदलता रहा है।' बयान में कहा गया, '2014 एफआईएच विश्व कप में टीम की जर्सी का रंग पीला था और 2018 में हल्का नीला और बिल्कुल अलग डिजाइन में।'

रूट बने इंग्लैंड के नये टेस्ट कप्तान, फ्लेमिंग बने कोच

लंदन (एजेंसी)। अनुभवी बल्लेबाज जो रुट इंग्लैंड क्रिकेट टीम के नये टेस्ट कप्तान बने है। बेन स्टोक्स के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के कारण ये पद खाली हुआ था। वहीं न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान स्टीफन फ्लेमिंग को नया कोच बनाया गया है। वह ब्रेडन मैकुलम की जगह लेंगे। इंग्लैंड व वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने नये कोच और कप्तान के नामों की घोषणा की है। बोर्ड ने रूट को दूसरी बार कप्तानी सौंपी है। ईसीबी ने टेस्ट टीम में हुए बदलाव की पुष्टि की है।स्टोक्स ने न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के बीच में ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था, जिसके बाद रूट ने अगले मैच में कप्तानी की थी। वहीं सीरीज हारने के बाद मैकुलम को कोच पद से हटा दिय गया था। टीम के नये कोच फ्लेमिंग ने आईपीएल टीम चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के कोच पद से इस्तीफा दे दिया था। जिसके बाद से अंदाजा लगाया जा रहा था कि वह इंग्लैंड के कोच बनाये जा सकते हैं। ईसीबी के साथ उनका चार साल का अनुबंध है। उनका यह कार्यकाल सितंबर 2030 के अंत तक जारी रहेगा। फ्लेमिंग को कोच का अच्छा अनुभव है वह आईपीएल के अलावा द हंड्रेड में सदर्न ब्रेव के मुख्य कोच भी रहे हैं। इसके अलावा कई अन्य लीगों में भी वह कोच रहे हैं।

53 वर्षीय फ्लेमिंग हालांक पाकिस्तान के खिलाफ होने वाली आगामी तीन टेस्ट मैचों की सीरीज के दौरान टीम के साथ नहीं होंगे। उस सीरीज़ में मार्कस ट्रेस्कोथिक अंतरिम मुख्य कोच की भूमिका निभाएंगे। सीएसके के साथ 18 साल का लंबा सफ़र समाप्त होने के बाद फ़्लेमिंग फ़िलहाल अपने परिवार के साथ समय बिता रहे हैं। वह इस गर्मियों के अंत में इंग्लैंड पहुंचेंगे और दिसंबर में शुरू होने वाले दक्षिण अफ्रीका दौरे की तैयारियों की कमान संभालेंगे।

राष्ट्रमंडल खेल :भारतीय मुक्केबाजों का शानदार प्रदर्शन, पांच पदक पक्के हुए

ग्लास्गो (एजेंसी)। भारत के पांच और मुक्केबाजों ने यहां राष्ट्रमंडल खेलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल में जगह बनायी है। इससे भारत के पांच पदक पक्के हो गये हैं। वहीं इससे पहले चार मुक्केबाजों ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर अगले दौर में प्रवेश किया था। इससे भारत के कुल नौ पदक पक्के हो गये हैं। भारत के जिन पांच मुक्केबाजों ने सेमीफाइनल में जगह बनायी है। उनमें अंकुश यादव, साक्षी चौधरी, अरुंधति चौधरी, सचिन सिवाच और नरेंदर बेरवाल जैसे मुक्केबाज शामिल हैं। इनसे पहले लवलीना बोरगोहेन ने 75 किलो जबकि प्रिया घंघास ने 60 किलो, प्रीति पंवार ने 54 किलो और जादूमणि सिंह ने 55 किलो वर्ग में अपने पदक पक्के किये थे। इससे मुक्केबाजी में भारत के कुल पदकों की संख्या बढ़कर नौ पर आ गयी है।

भारत की साक्षी चौधरी ने 51 किलोवर्ग में उत्तरी आयरलैंड की कैटलिन फ़ायर्स को 5-0 से हराया। वहीं भारत की ही अरुंधति चौधरी ने 70 किलोवर्ग के एक कड़े मुकाबले में न्यूजीलैंड की मोर्गन हेंडरसन को 3-1 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

पुरुष वर्ग की बात करें तो पूर्व विश्व चैंपियन सचिन सिवाच ने 60 किलो वर्ग में बोत्सवाना के ट्रेजर मोरेमी को 5-0 से हराया। इससे उनका कांस्य पदक पक्का हो गया है। वहीं पिछले साल विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल्स के रजत पदक विजेता अंकुश यादव ने पुरुष 80 किलोवर्ग के सेमीफाइनल में सेशेल्स के जेड मिकोक को 5-0 से हराया। एक अन्य मुकाबले में नरेंदर बेरवाल ने पुरुष 90 किग्रा से अधिक वर्ग के क्वार्टर फाइनल में समोआ के माइकल सेको को 3-2 के फैसले में हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

'उनकी कमी जरूर खलेगी': रहाणे के रिटायरमेंट पर बोले अंडर-17 के दिनों से कोच रहे पूर्व क्रिकेटर

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट में अजिंक्य रहाणे के योगदान पर गर्व जताते हुए पूर्व भारतीय क्रिकेटर और उनके लंबे समय तक कोच रहे प्रवीण आमरे ने अनुभवी बल्लेबाज को उनके इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायरमेंट की घोषणा पर अपनी बात रखी। रहाणे ने गुरुवार को इंस्टाग्राम पर एक भावुक वीडियो शेयर करके इंटरनेशनल क्रिकेट और सभी फॉर्मेट से रिटायरमेंट की घोषणा की, जिससे लगभग दो दशक लंबे उनके करियर का समापन हुआ।

आमरे ने कहा कि रहाणे के साथ उनका जुड़ाव तब शुरू हुआ था जब वह अंडर-17 स्तर पर खेल रहे थे और यह मुंबई रणजी टीम में उनके डेब्यू और उनके इंटरनेशनल करियर के दौरान भी जारी रहा। आमरे ने कहा, 'मुझे उनकी कमी जरूर खलेगी। अजिंक्य के साथ मेरा सफर पिछले 18 सालों से चल रहा है। मैं उनके अंडर-17 के दिनों से ही उनका

कोच रहा हूं, जिसमें मुंबई रणजी टीम के लिए उनका डेब्यू भी शामिल है। मैंने उनका पूरा सफर देखा है। हालांकि यह दुखद है कि हम उन्हें अब भारतीय जर्सी में या मुंबई के लिए खेलते हुए नहीं देखेंगे लेकिन मुझे टीम इंडिया में उनके योगदान पर बहुत गर्व है।'

कई भारतीय क्रिकेटरों के साथ काम कर चुके आमरे ने खेल के प्रति रहाणे के नजरिए और उनके मजबूत मूल्यों की तारीफ की। उन्होंने कहा, 'कई भारतीय क्रिकेटरों के साथ काम करने के बाद मैं कह सकता हूं कि एक कोच के तौर पर उनके साथ काम करना बहुत सुखद रहा। उन्होंने हमेशा खेल का सम्मान किया और मजबूत मूल्यों को बनाए रखा, जो मुझे लगता है कि बहुत जरूरी है। मुझे उनकी कमी खलेगी, लेकिन मुझे यकीन है कि उनकी 'दूसरी पारी' शानदार होगी।'

पूर्व भारतीय क्रिकेटर का यह भी मानना है कि रहाणे में अभी भी काफी क्रिकेट बाकी है और वह दुनिया भर की लीग में खेलना जारी रख सकते हैं। आमरे ने कहा, 'व्यक्तिगत रूप से मुझे लगता है कि उनमें अभी भी एक-दो साल का क्रिकेट बाकी है और वह दुनिया भर की विभिन्न लीग में खेल सकते हैं। जब तक उनकी फिटनेस इजाजत देती है, मुझे लगता है कि उनके लिए खेलते रहना बेहतर होगा। उनका विशाल अनुभव (85 टेस्ट मैच और 200 IPL मैचों में 5,000 से ज़्यादा रन) बहुत कीमती साबित होगा। वह एक बेहतरीन कमेंटेटर या कोच बन सकते हैं। मुझे उम्मीद है कि वह खेल से जुड़े रहेंगे।'

राष्ट्रमण्डल खेल : भारत के मुरली श्रीशंकर ने लंबी कूद में रजत पदक जीता

ग्लासगो । भारतीय एथलीट मुरली श्रीशंकर ने यहां खेले जा रहे राष्ट्रमण्डल खेलों में रजत पदक जीता है। मुरली ने पुरुषों की लंबी कूद में 8.09 मीटर की छलांग लगाकर रजत पदक हासिल किया। मुरली का ये राष्ट्रमण्डल खेलों में दूसरा पदक है। इससे पहले साल 2022 में भी मुरली ने इन खेलों में रजत पदक जीता था। मुरली के इस पदक के साथ ही इन खेलों में भारत के अब 13 पदक हो गये हैं। मुरली की ये जीत इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि साल 2024 में उन्हें एक गंभीर चोट लगी थी। जिससे वह पेरिस ओलंपिक से बाहर हो गए थे। इसके बाद भी श्रीशंकर ने रिहैब और कड़ी मेहनत के बाद वापसी करते हुए पदक जीता है। स्वर्ण पदक जमेका के ताजे गेल ने 8.15 मीटर की छलांग लगाकर जीता जबकि मेजबान स्कॉटलैंड के स्टीफन मैकेंजी ने 8.08 मीटर के प्रयास के साथ ही कांस्य पदक जीता। श्रीशंकर केवल 0.06 मीटर से स्वर्ण पदक हासिल नहीं कर पाये। वहीं श्रीशंकर के अलावा भारतीय मुक्केबाजों ने भी अपने-अपने मुकाबले जीतकर करीब 10 पदक पक्के किये हैं। छह मुक्केबाज सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। ये राष्ट्रमंडल खेलों के इतिहास में भारतीय मुक्केबाजी का अब तक का सबसे बेहतर प्रदर्शन है।मुक्केबाज अंकुश यादव के अलवा महिला मुक्केबाज साक्षी चौधरी ने जीत दर्ज की. वहीं अरुंधति चौधरी और सचिन सिवाच ने भी अपने-अपने मुकाबले आसानी से जीते हैं।

बांग्लादेश टी20 के साथ ही एकदिवसीय टीम के भी कप्तान बने लिटन दास

ढ़ाका । अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज बांग्लादेश क्रिकेट टीम के नये एकदिवसीय और टी20 कप्तान बनाये गये हैं। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने कहा कि अब तक टी20 टीम की कप्तानी कर रहे लिटन को अब एकदिवसीय की कमान भी दी गयी है। लिटन को ऑफ-स्पिन ऑलराउंडर मेहदी हसन मिराज की जगह कप्तान बनाया गया है। मिराज की कप्तानी में बांग्लादेश ने अक्टूबर 2025 से जून 2026 के बीच लगातार चार एकदिवसीय सीरीज़ जीती थी। इसके बाद भी उन्हें कप्तानी से हटाये जाने से सभी हैरान हैं। इसका कारण ये माना जा रहा है कि जुलाई 2026 में जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज़ में बांग्लादेश टीम को 2-1 से हार का सामना करना पड़ा था। आंकड़ों पर नजर डालें तो मिराज की कप्तानी में बांग्लादेश ने कुल 24 एकदिवसीय मैच खेले हैं। इसमें से 10 में जीत और 13 में हार मिली थी। पिछले पांच में से चार सीरीज़ जीतने के बाद भी जिम्बाब्वे से मिली हार को बोर्ड सहन नहीं कर पाय। इसी कारण कप्तानी में बदलाव किया गया है। बीसीबी के अध्यक्ष तमीम इकबाल ने इस बड़े बदलाव के पीछे बोर्ड की सोच को स्पष्ट करते हुए कहा कि बोर्ड अब दो कप्तानों वाले मॉडल पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। बीसीबी का मानना है कि तीनों प्रारुपों में तीन अलग कप्तानों के बजाय एक सफेद गेंद (एकदिवसीय और टी20) का और एक लाल गेंद (टेस्ट) का कप्तान होना सबसे सही रास्ता है। इस नई व्यवस्था के तहत लिटन अब सफेद गेंद के कप्तान होंगे, जबकि नजमुल हुसैन शांतो टेस्ट टीम के कप्तान रहेंगे। युवा बल्लेबाज़ तौहीद हृदॉय को सीमित ओवरों का नया उप-कप्तान बनाया गया है, वहीं टेस्ट उप-कप्तानी की जिम्मेदारी मेहदी हसन मिराज के पास ही बरकरार रहेगी।

श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में इन खिलाड़ियों के साथ मैदान में उतर सकती है भारतीय टीम

चंडीगढ़ (एजेंसी)। मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम अगले माह श्रीलंका के खिलाफ दो मैचें की टेस्ट सीरीज खेलेगी। इसके लिए जो टीम घोषित की गयी है। उसमें युवा और अनुभवी दोने ही तरह के खिलाड़ी शामिल हैं। भारतीय टीम के लिए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्यूयसीटी) 2027 फाइनल के लिए अपनी उम्मीदें बनाये रखने के लिए इसमें जीतना जरुरी है। इसी सीरीज के लिए जो टीम बनायी गयी है। उसमें अफगानिस्तान के खिलाफ खेले गए एकमात्र टेस्ट में शामिल सभी खिलाड़ियों को बनाये रखा गया है। श्रीलंका के खिलाफ मुकाबले में इन खिलाड़ियों के साथ मैदान में उतर सकती है।

सलामी बल्लेबाज के तौर पर यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल की जोड़ी उतर सकती है। यश्स्वी पहली बार श्रीलंकाई धरती पर पर टेस्ट खेलेंगे। उनके आंक्रामक अंदाज से भारतीय टीम को

अच्छी शुरुआत मिल सकती है। यशस्वी के जोड़ीदार प-कप्तान केएल राहुल संभलकर खेलते हुए पारी को संतुलन प्रदान करेंगे। वहीं मध्य क्रम में युवा बल्लेबाज साई सुदर्शन को तीसरे नंबर पर अवसर मिल सकता है। चौथे नंबर पर कप्तान शुभमन गिल उतरेंगे। शुभमन इस समय अच्छे फार्म में हैं जिसका लाभ टीम को मिल सकता है। वहीं वापसी कर रहे आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत पांचवें नंबर पर उतरेंगे। उनक प्रयास अच्छी बल्लेबाजी कर टीम में जगह पक्की करना हरेगा। खराब फिटनेस और फार्म के कारण वह पहले ही सीमित ओवरों की टीम से बाहर हो गये हैं। वहीं विश्व के नंबर 1 टेस्ट ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा की वापसी से भी टीम को लाभ होगा। जडेजा छठे नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे और गेंद व बल्ले से किये प्रदर्शन से टीम को संतुलन देंगे। ध्रुव जुरेल को भी अंतम ग्यारह में जगह मिलना तय है। जुरेल ने हाल ही में श्रीलंका में 'इंडिया ए' के लिए खेलते हुए एक शतक और एक अर्धशतक लगाया था।

श्रीलंका की पिचों पर स्पिनरों की अहम भूमिका होती है, ऐसे में भारतीय टीम तीन प्रमुख स्पिनरों के साथ मैदान में उतर सकती है। बाएं हाथ के स्पिनर मानव सुथार ने अपने टेस्ट डेब्यू में 7 विकेट लिए थे। उन्हें भी अंतिम एकादश में जगह मिल सकती है। स्पिन आक्रमण की कमान अनुभवी स्पिनर कुलदीप यादव करेंगे जबकि रवींद्र जडेजा तीसरे प्रमुख स्पिन विकल्प होंगे। तेज गेंदबाजी आक्रमण का नेतृत्व दुनिया के नंबर 1 टेस्ट गेंदबाज जसप्रीत बुमराह करेंगे, बशर्ते वह पूरी तरह फिट हों। बुमराह ने अपना आखिरी टेस्ट नवंबर 2025 में खेला था, और उनकी वापसी से भारतीय गेंदबाजी को जबरदस्त मजबूती मिलेगी। उनका साथ देने के लिए मोहम्मद सिराज दूसरे तेज गेंदबाज होंगे, जो 2025-27 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र में भारत के सबसे सफल गेंदबाज हैं।

राष्ट्रमंडल टेबल टेनिस चैंम्पियनशिप के फाइनल में पहुंची भारतीय पुरुष और महिला टीमें , मलेशियाई टीमों से होगा मुकाबला

नई दिल्ली । भारतीय पुरुष और महिला टेबल टेनिस टीम जीत के साथ ही यहां जारी 22वीं राष्ट्रमंडल टेबल टेनिस चैंम्पियनशिप के फाइनल में पहुंच गयी है। इस प्रकार भारत को दो पदक मिलने तय हो गये हैं। बुधवार को खेले गए रोमांचक सेमीफाइनल मुकाबलों में इन दोनो ने इंग्लैंड की टीमों को हराया। अब खिताबी मुकाबले में इन टीमों का मुकाबला मलेशिया से होगा। पुरुष टीम ने इंग्लैंड को सेमीफाइनल में आसानी से 3-0 से हराया। पहले मुकाबले में युवा खिलाड़ी मनुष शाह ने कॉनर ग्रीन को 11-9, 11-9, 11-6 से से हराकर टीम को अच्छी शुरुआत दी। इसके बाद मानव ठक्कर ने चोट के बाद भी अच्छा प्रदर्शन करते हुए जोसेफ हंटर को 11-8, 11-4, 11-5 से हराकर भारतीय टीम की बढ़त बढ़ी दी। हरमीत देसाई ने बेंजामिन पिगॉट को 11-5, 11-5, 11-5 से पराजित कर टीम की जीत पक्की कर दी। भारतीय टीम पूरे टूर्नामेंट में एक भी मैच नहीं हारी

दूसरी ओर भारतीय महिला टीम को जीत के लिए जमकर संघर्ष करना पड़ा। राष्ट्रमंडल खेलों की पदक विजेता श्रीजा अकुला ने चियुक लाम जैस्मिन वोंग को 11-6, 11-3, 11-9 से हराकर टीम को अच्छी शुरुआत दिलायी। टिन-टिन हो ने यशस्विनी घोरपड़े को 11-9, 11-6, 11-7 से हराकर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। इसके बाद, सिंड्रेला दास ने ऐना ग्रीन को 11-7, 11-4, 11-9 से हराकर भारत को एक बार फिर बढ़त दिलाई। चौथे और निर्णायक मुकाबले में, श्रीजा अकुला ने टिन-टिन हो के खिलाफ पांच गेम तक चले एक बेहद रोमांचक मुकाबले में जीत हासिल की। श्रीजा ने 11-8, 5-11, 11-6, 8-11, 11-9 के स्कोर से ये मुकाबला अपने नाम कर भारतीय टीम को 3-1 से बढ़त दिला दी।

बुमराह अपनी फिटनेस बनाये रखने के लिए स्वयं उपाय करें : मैक्ग्रा

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह अपनी फिटनेस को लेकर संघर्ष करते रहे हैं। उनके लगातार चोटिल होने का खतरा बना रहता है जिससे भारतीय टीम को भी नुकसान होता है। श्रीलंका के खिलाफ अगले माह होने वाली टेस्ट सीरीज में भी उनका खेलना फिटनेस पर निर्भर करेगा। वहीं पूर्व ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज ग्लेन मैक्ग्रा ने कहा है कि बुमराह को अपना ध्यान स्वयं रखना होगा। मैक्ग्रा ने कहा कि बुमराह को अपनी फिटनेस बनाये रखने और अपने करियर को लंबा करने का तरीका स्वयं तलाशना होगा। मैक्ग्रा ने कहा, यह बुमराह पर ही निर्भर करता है कि वे क्या चाहते हैं। वे अभी युवा हैं, इसलिए उन्हें अपनी पारी को लंबा खींचने का कोई तरीका ढूंढना होगा। मैक्ग्रा ने बुमराह की चोटों का जिक्र करते हुए उन्हें एक बेहतरीन गेंदबाज बताया। उन्होंने कहा कि बुमराह को यह तय करना होगा कि वे टेस्ट क्रिकेट पर ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं या सिर्फ टी20 खेलना चाहते हैं। यह उनके शरीर और गेंदबाजी एक्शन पर भी निर्भर करेगा, क्योंकि जो गेंदबाज अपनी बांह को अधिक खींचते हैं, वे उस जोड़ पर थोड़ा ज्यादा दबाव डालते हैं। मैक्ग्रा ने सभी तेज गेंदबाजों से आग्रह किया कि वे बार-बार होने वाली चोटों से बचने के लिए अत्यधिक सावधानी बरतने के बजाय तेज गेंदबाजी से जुड़े तनाव को स्वीकार करना सीखें। उन्होंने इस बात पर निराशा व्यक्त की कि आजकल तेज गेंदबाजों को बहुत ज्यादा सुरक्षा दी जाती है। मैक्ग्रा ने समझाया, तेज गेंदबाज होना खेल की प्रकृति है। यह स्वाभाविक क्रिया नहीं है, इसलिए चोटें खेल का हिस्सा हैं। उन्होंने आगे कहा कि तेज गेंदबाजों को बहुत ज्यादा सुरक्षित रखने के बजाय, उन्हें तेज गेंदबाजी के दबाव से भी ज्यादा मजबूत होना चाहिए। उनका मानना है कि महीनों तक रिहैबिलिटेशन कार्यक्रम करने से फिटनेस और ताकत कम हो जाती है, जिसकी भरपाई में लंबा समय लगता है। मैक्ग्रा ने बताया कि 1993 से 2007 तक के अपने लंबे टेस्ट करियर के शुरुआती दौर में उन्हें कमर की गंभीर चोट लगी थी। उन्होंने कहा, जब मेरी कमर की मांसपेशी फट गई, तब मेरा वजन बहुत कम था। मुझे एहसास हुआ कि अगर मैं यही करता रहा, तो मैं ज्यादा समय तक नहीं टिक पाऊंगा।

आशुतोष के नाम है घरेलू क्रिकेट में सबसे तेज अर्धशतक का रिकार्ड

मुम्बई । टी20 क्रिकेट में सबसे तेज़ अर्धशतक की बात करे तो अधिकतर प्रशंसकों की नजरें आक्रामक ऑलराउंडर युवराज सिंह की ओर जाती हैं पर ये सही नहीं घरेलू क्रिकेट में ये रिकार्ड युवराज नहीं बल्कि मध्यप्रदेश के बल्लेबाज आशुतोष शर्मा के नाम है। आशुतोष ने साल 2023 को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में रेलवे की ओर से खेलते हुए यह ऐतिहासिक रिकार्ड अपने नाम किया था। अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ मुकाबले में आशुतोष ने केवल 11 गेंदों में अर्धशतक लगा दिया जबकि युवराज ने 12 गेंदों में ये कारनामा किया था। इस के साथ ही आशुतोष भारत के लिए सबसे तेज़ टी20 अर्धशतक बनाने वाले बल्लेबाज बन गए थे। इस पारी के दौरान आशुतोष ने मैदान के चारों ओर चौकों और छक्के लगाये जिससे विरोधी गेंदबाजों को कोई अवसर नहीं मिला। उनकी इस विस्फोटक पारी से रेलवे ने एक विशाल स्कोर बनाया। उनकी यह पारी टी20 फॉर्मेट की तेजी और अनिश्चितता का बेहतरीन उदाहरण है, जहां कोई भी बल्लेबाज किसी भी पल मैच का रुख पलट सकता है।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 : 'हालात जैवलिन थ्रोअर के लिए अच्छे नहीं हैं', फाइनल में पहुंचकर नीरज चोपड़ा का बड़ा बयान

मुम्बई (एजेंसी)। ग्लासगो - कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में पुरुषों के जैवलिन थ्रो (भाला फेंक) फाइनल में 79 मीटर के बेस्ट थ्रो के साथ अपनी जगह पक्की करने के बाद भारत के ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा ने माना कि ठंड और तेज हवाओं ने मुकाबले को मुश्किल बना दिया था। हालांकि उन्होंने नतीजे पर खुशी जताई और कहा कि फाइनल बहुत जबरदस्त होगा जिसमें दुनिया के कई बेहतरीन थ्रोअर हिस्सा लेंगे।

क्वालिफिकेशन पक्का करने के बाद चोपड़ा ने कहा कि उनका मुख्य मकसद बहुत लंबा थ्रो करने के बजाय मेडल राउंड में पहुंचना था। क्वालिफ़ाइंग राउंड में पांचवें स्थान पर रहने के बाद उन्होंने कहा, 'बहुत ठंड थी और हवा भी चल रही थी, लेकिन थ्रो ठीक था - 79 मीटर का थ्रो। मकसद फाइनल में पहुंचना और वहां अपना बेस्ट देना था, इसलिए मैं इस थ्रो से खुश हूं।' भारतीय स्टार ने बताया कि हवा के अनिश्चित रुख की वजह से एथलीटों के लिए क्वालिफिकेशन के दौरान अपने अप्रोच और रिलीज का अंदाजा लगाना बहुत मुश्किल हो गया था और कोई भी प्रतियोगी ऑटोमैटिक क्वालिफाइंग स्टैंडर्ड तक नहीं पहुंच पाया।

चोपड़ा ने आगे कहा, 'हालात जैवलिन थ्रोअर के लिए अच्छे नहीं हैं। सिर्फ ठंड ही नहीं, बल्कि हवा भी बहुत तेज चल रही है। हवा सामने से भी नहीं आ रही थी, कभी-कभी यह साइड से आती है। यह तय करना बहुत मुश्किल होता है कि हमें कहां फेंकना है। कभी-कभी हम सोचते हैं, 'ठीक है, हम वहां फेंकेंगे', लेकिन तभी हवा दूसरी तरफ से आ जाती है। और आज कई थ्रोअर संघर्ष कर रहे हैं। किसी ने भी ऑटोमैटिक क्वालिफिकेशन मार्क को नहीं छुआ। हालात मुश्किल थे, लेकिन हमें खुशी है कि तीनों भारतीय फाइनल में हैं।'

तीनों भारतीय जैवलिन थ्रोअर फाइनल में पहुंच गए हैं, जिससे देश को खिताब के फैसले वाले मुकाबले में कई मेडल की उम्मीदें हैं। फाइनल की ओर देखते हुए चोपड़ा ने मुकाबले में शामिल खिलाड़ियों की मजबूती को माना, जिसमें दुनिया के कई बेहतरीन एथलीट और पेरिस ओलंपिक के साथी मेडलिस्ट शामिल हैं। उन्होंने कहा, 'हां, यह बहुत जबरदस्त मुकाबला होने वाला है। जैवलिन थ्रो जैसे इवेंट के लिए, यह सच में एक बहुत अच्छा फाइनल होगा। उम्मीद है कि कल हालात ठीक रहेंगे। सभी अच्छी फॉर्म में दिख रहे हैं। देखते हैं कल क्या होता है।'

चोपड़ा ने श्रीलंका के उभरते हुए टैलेंट रुमेश की भी तारीफ की और कहा कि इस युवा खिलाड़ी का आगे आना दक्षिण एशिया में जैवलिन थ्रो के बढ़ते स्तर को दिखाता है। उन्होंने कहा, 'वह इस

खेल में नया है, एक उभरता हुआ स्टार है। वह बहुत अच्छा थ्रो करता है। वह मेरा अच्छा दोस्त है। इस साल उसने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। यह अच्छी बात है कि हमारे पड़ोस में जैवलिन का खेल बढ़ रहा है। अच्छा लगता है कि उसने श्रीलंका के लिए कुछ शानदार किया है।'